जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, रविवार 21 सितम्बर, 2025

KEDIA

सेजस्थान

KOTHI & WALK-UP APARTMENT

अजमेर रोड़, जयपुर

बड़ी-बड़ी कोठी छोटी-छोटी प्राइस में

सिर्फ 4700/- Sq Ft

पजेशन पर 10 लाख प्राइस बढ़ेगी !

पजेशन: 31 दिसम्बर 2025

FIXED PRICE GUARANTEED

NO MIDDLE-MEN

FIXED PRICE & RENTAL

PRODUCT TYPE	UNIT TYPE	SIZE	FIXED PRICE	PROPOSED RENTAL (AFTER POSSESSION)
WALK-UP APARTMENT	2 BHK (GF)	1350 Sq Ft	65 LACS	22,000
	3 BHK (SF)	1900 Sq Ft	75 LACS	25,000
	3 BHK (FF)	1900 Sq Ft	80 LACS	28,000
KOTHI	3 BHK BIG	2000 Sq Ft	1.05 CRORE	30,000
	4 BHK BIGGER	2325 Sq Ft	1.10 CRORE	40,000
	4 BHK BIGGEST	3200 Sq Ft	1.50 CRORE	50,000

रियल एस्टेट में रियल रिटर्न्स

KEDIA®

1800-120-2323

78770-72737

info@kedia.com

www.kedia.com

www.rera.rajasthan.gov.in

RERA No. RAJ/P/2023/2387

SCAN QR FOR
- LOCATION
- ROUTE MAP
- SITE 360 TOUR
- E-BROCHURE
- WALKTHROUGH

*T&C Apply

विचार बिन्दु

अकेलापन कई बार अपने आप से सार्थक बातें करता है। वैसी सार्थकता भीड़ में या भीड़ के चिंतन में नहीं मिलती। –राजेंद्र अवस्थी

वनों की प्रतिरोधक क्षमता के लिए प्राकृतिक जलवायु समाधान अपरिहार्य है

वन प्रतिरोधक क्षमता का तात्पर्य है कि वन किस हद तक प्राकृतिक आपदाओं, जलवायु परिवर्तन और मानव गतिविधियों के प्रभावों से उबर सकते हैं। यह क्षमता उन वनों को परिभाषित करती है जो संकटों का सामना कर पुनः अपनी पारिस्थितिकीय स्थिति को बनाए रखते हैं। प्रतिरोधक क्षमता का आकलन करने के लिए विभिन्न मानदंडों का उपयोग किया जाता है जैसे जैव विविधता, वनस्पति संरचना और पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएं। प्रतिरोधक क्षमता वाले उष्णकटिबंधीय वन वे हैं जो प्राकृतिक आपदाओं जैसे तूफान, सूखा, आग आदि के बाद भी तेजी से पुनः स्थिर हो जाते हैं। इसके उदाहरण के रूप में अमेज़न वर्षावन को देखा जा सकता है जो कई दशकों से कई प्रकार के संकटों का सामना करते हुए भी अपने जैव विविधता को बनाए रखने में सक्षम रहे हैं। इन वनों की पहचान करने के लिए वैज्ञानिक विभिन्न संकेतकों का उपयोग करते हैं जैसे वनस्पति का घनत्व, प्रजातियों की विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र की कार्यक्षमता।

वन प्रतिरोधक क्षमता का महत्व कई कारणों से है। सबसे पहले, यह वन संरक्षण में सहायक होती है। प्रतिरोधक वनों का संरक्षण करने से अन्य वनों की तुलना में इनकी जैव विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं को बनाए रखना आसान होता है। वन बहाली में भी यह महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, क्योंकि प्रतिरोधक वनों को बहाल करने के लिए कम संसाधनों की आवश्यकता होती है और यह तेजी से पुनः स्थिर हो जाते हैं। प्रतिरोधक वनों का महत्व कई पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं के लिए भी होता है। ये वन जल चक्र को संतुलित रखते हैं, मिट्टी के क्षरण को रोकते हैं और स्थानीय जलवायु को नियंत्रित करते हैं। इसके साथ ही, प्रतिरोधक वनों में फूलों और जीवों की विविधता अधिक होती है, जिससे जैव विविधता को संरक्षित करने में मदद मिलती है। कार्बन अवशोषण में भी प्रतिरोधक वनों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। ये वन अधिक कार्बन को अवशोषित कर वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा को कम करते हैं, जिससे जलवायु परिवर्तन को नियंत्रित करने में सहायता मिलती है। इस प्रकार, प्रतिरोधक वनों का संरक्षण और बहाली जलवायु समाधान के रूप में महत्वपूर्ण है।

स्थिरता की दृष्टि से भी प्रतिरोधक वन महत्वपूर्ण होते हैं। ये वन न केवल पर्यावरण को संरक्षित करते हैं बल्कि स्थानीय समुदायों की आजीविका को भी समर्थन प्रदान करते हैं। उदाहरण के लिए, दक्षिण-पूर्व एशिया के वन स्थानीय समुदायों को खाद्य, जल और औषधीय पौधों की आपूर्ति करते हैं। इसके अलावा, पर्यटन के माध्यम से भी स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलता है। उष्णकटिबंधीय वनों की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के कई तरीके हैं। सबसे पहले, जैव विविधता को बनाए रखना आवश्यक है। विभिन्न प्रजातियों की उपस्थिति वन को विभिन्न संकटों से उबरने में सक्षम बनाती है। दूसरा तरीका है वनस्पति संरचना को बनाए रखना, जिससे वन की स्थिरता बढ़ती है। स्थानीय समुदायों की भागीदारी भी महत्वपूर्ण होती है। वे वन संरक्षण और बहाली में सक्रिय भूमिका निभा सकते हैं।

वनों और वनों की प्रतिरोधक क्षमता को बचाना एक प्राकृतिक जलवायु समाधान है। ये वन जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने, जैव विविधता को बनाए रखने और पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं को बनाए रखने में मदद करते हैं। इसके अलावा, ये स्थानीय समुदायों की आजीविका को भी समर्थन प्रदान करते हैं। इसलिए, इन वनों का संरक्षण और बहाली अत्यंत महत्वपूर्ण है। उष्णकटिबंधीय वनों की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। वैज्ञानिकों, स्थानीय समुदायों और सरकारों को मिलकर काम करना होगा। वन संरक्षण और बहाली के लिए नीतियों का निर्माण और उनका कार्यान्वयन आवश्यक है। इसके साथ ही, पर्यावरण शिक्षा और जागरूकता भी महत्वपूर्ण है, जिससे लोग वनों के महत्व को समझ सकें और उनके संरक्षण में भाग ले सकें। इस प्रकार, हम एक स्थायी और संतुलित पर्यावरण की ओर बढ़ सकते हैं, जिसमें वनों का महत्वपूर्ण योगदान रहेगा।

वन प्रतिरोधक क्षमता, जिसे पारिस्थितिक प्रतिरोधक क्षमता के रूप में भी समझा जाता है, वन पारिस्थितिक तंत्र की एक महत्वपूर्ण विशेषता है। यह वन पारिस्थितिकी तंत्र की उस क्षमता को दर्शाती है जो उसे प्राकृतिक और मानवजनित खतरों से उबरने में सक्षम बनाती है। जैसा कि पहले कहा गया है, इसमें तूफान, सूखा, आग, कीट संक्रमण और जलवायु परिवर्तन शामिल हैं। प्रतिरोधक क्षमता के बिना, वन पारिस्थितिकी तंत्र इन खतरों के सामने अस्थिर हो सकते हैं और अपनी पारिस्थितिकीय कार्यक्षमताओं को खो सकते हैं। उदाहरण के लिए, अमेज़न के वर्षावन जो कि विश्व के सबसे बड़े उष्णकटिबंधीय वनों में से एक है,ने कई प्राकृतिक और मानवजनित खतरों का सामना किया है। इसके बावजूद, अपनी जैव विविधता को संरक्षित रखा है और यही इसकी उच्च प्रतिरोधक क्षमता का संकेत है।

प्रतिरोधक क्षमता का आकलन करने के लिए विभिन्न वैज्ञानिक मानदंडों का उपयोग किया जाता है। इनमें जैव विविधता, वनस्पति संरचना, और पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएं शामिल हैं। जैव विविधता प्रतिरोधक क्षमता का एक महत्वपूर्ण संकेतक है क्योंकि विविध प्रजातियों की उपस्थिति वन को विभिन्न संकटों से उबरने में सक्षम बनाती है। वनस्पति संरचना भी महत्वपूर्ण है क्योंकि एक सुसंगठित वन संरचना पारिस्थितिकी तंत्र की स्थिरता और कार्यक्षमता को बनाए रखने में मदद करती है। उदाहरण के लिए, एक अध्ययन ने दिखाया कि उच्च जैव विविधता वाले वन सूखा के प्रभावों से तेजी से उबरते हैं।

अध्ययन बताते हैं कि प्रतिरोधक क्षमता की हानि आमतौर पर वैकल्पिक स्थिति की ओर ले जाती है। इसका मतलब है कि ऐसे पारिस्थितिक तंत्रों के सतत प्रबंधन की रणनीतियों को प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने पर केंद्रित होना चाहिए। प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ावा देना न केवल पारिस्थितिकी तंत्र की स्थिरता और जैव विविधता को बनाए रखेगा, बल्कि जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने और स्थानीय समुदायों की आजीविका को सुरक्षित रखने में भी मदद करेगा।

प्रतिरोधक वनों का संरक्षण वन पारिस्थितिकी तंत्र के स्थायित्व को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है। यह संरक्षण न केवल जैव विविधता को बनाए रखता है बल्कि पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं को भी बनाए रखता है जो मानव जीवन के लिए आवश्यक हैं। वन बहाली के संदर्भ में, प्रतिरोधक वनों को बहाल करने के लिए कम संसाधनों की आवश्यकता होती है और ये तेजी से पुनः स्थिर हो जाते हैं। यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण है जब हम जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने की बात करते हैं। एक उदाहरण के रूप में, मध्य अमेरिका के कुछ क्षेत्रों में वन बहाली परियोजनाओं ने दिखाया है कि उच्च प्रतिरोधकता वाले वन तेजी से पुनः स्थिर हो जाते हैं और अधिक कार्बन का अवशोषण करते हैं।

कार्बन अवशोषण की दृष्टि से, प्रतिरोधक वन जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये वन अधिक मात्रा में कार्बन को अवशोषित करते हैं और इसे दीर्घकालिक रूप से संग्रहीत करते हैं। यह कार्बन अवशोषण प्रक्रिया वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा को कम करने में मदद करती है, जिससे ग्रीनहाउस गैसों का प्रभाव कम होता है। एक अध्ययन के अनुसार, उष्णकटिबंधीय वनों में कार्बन संग्रहण की क्षमता उच्च होती है, विशेषकर जब वे उच्च जैव विविधता वाले होते हैं। इस प्रकार, प्रतिरोधक वनों का संरक्षण और बहाली जलवायु परिवर्तन को कम करने में एक महत्वपूर्ण रणनीति है।

स्थानीय समुदायों की आजीविका के संदर्भ में भी प्रतिरोधक वनों का महत्व अनदेखा नहीं किया जा सकता है। ये वन स्थानीय समुदायों को खाद्य, जल, और औषधीय पौधों की आपूर्ति करते हैं। उदाहरण के लिए, दक्षिण-पूर्व एशिया के वनों में रहने वाले समुदाय अपनी आजीविका के लिए वनों पर निर्भर होते हैं। इसके अलावा, पर्यटन भी इन वनों से जुड़ा हुआ है, जो स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देता है। प्रतिरोधक वनों का संरक्षण स्थानीय समुदायों को स्थायी आर्थिक लाभ प्रदान कर सकता है।

उष्णकटिबंधीय वनों की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के कई तरीके हैं। सबसे पहले, जैव विविधता को बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। विभिन्न प्रजातियों की उपस्थिति वन को विभिन्न संकटों से उबरने में सक्षम बनाती है। दूसरा तरीका है वनस्पति संरचना को बनाए रखना, जिससे वन की स्थिरता बढ़ती है। तीसरा तरीका है स्थानीय समुदायों की भागीदारी को बढ़ावा देना। स्थानीय समुदाय वन संरक्षण और बहाली में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इसके लिए शिक्षा और जागरूकता कार्यक्रम चलाना महत्वपूर्ण है ताकि लोग वनों के महत्व को समझ सकें और उनके संरक्षण में सक्रिय भाग ले सकें।

अंत में, उष्णकटिबंधीय वनों की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। वैज्ञानिकों, स्थानीय समुदायों और सरकारों को मिलकर काम करना होगा। वन संरक्षण और बहाली के लिए नीतियों का निर्माण और उनका कार्यान्वयन आवश्यक है। इसके साथ ही, पर्यावरण शिक्षा और जागरूकता भी महत्वपूर्ण है, जिससे लोग वनों के महत्व कोसमझ सकें और उनके संरक्षण में भाग ले सकें। इस प्रकार, हम एक स्थायी और संतुलित पर्यावरण की ओर बढ़ सकते हैं, जिसमें वनों का महत्वपूर्ण योगदान रहेगा।

वन प्रतिरोधक क्षमता एक महत्वपूर्ण अवधारणा है जो वन पारिस्थितिक तंत्र की दीर्घकालिक स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। प्रतिरोधक क्षमता का महत्व न केवल पर्यावरणीय दृष्टिकोण से बल्कि आर्थिक और सामाजिक दृष्टिकोण से भी है। जैव विविधता, वनस्पति संरचना और पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएं प्रतिरोधक क्षमता के मुख्य घटक हैं। उष्णकटिबंधीय वनों का संरक्षण और बहाली जलवायु परिवर्तन को कम करने, जैव विविधता को बनाए रखने और स्थानीय समुदायों की आजीविका को समर्थन प्रदान करने में महत्वपूर्ण है। सामूहिक प्रयासों और नीतियों के माध्यम से हम उष्णकटिबंधीय वनों की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ा सकते हैं और एक स्थायी भविष्य की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं।

वन प्रतिरोधक क्षमता उष्णकटिबंधीय वन पारिस्थितिक तंत्र में विनाशकारी परिवर्तनों से बचाव कर सकती है। परिवर्तन सामान्य है, लेकिन यह अचानक और कठोर विपरीत स्थिति में परिवर्तित हो सकता है। हालांकि विभिन्न घटनाएँ ऐसे परिवर्तनों को उत्प्रेरित कर सकती हैं, अध्ययन बताते हैं कि प्रतिरोधक क्षमता की हानि आमतौर पर वैकल्पिक स्थिति की ओर ले जाती है। इसका मतलब है कि ऐसे पारिस्थितिक तंत्रों के सतत प्रबंधन की रणनीतियों को प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने पर केंद्रित होना चाहिए। प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ावा देना न केवल पारिस्थितिकी तंत्र की स्थिरता और जैव विविधता को बनाए रखेगा, बल्कि जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने और स्थानीय समुदायों की आजीविका को सुरक्षित रखने में भी मदद करेगा।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त तथा वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं)

अब तो पक्की है राजस्थानी भाषा को मान्यता

राजेन्द्र जोशी

राजस्थानी भाषा को संवैधानिक मान्यता दिए जाने का मन जापान की धरती पर प्रधानमंत्री ने बना लिया होगा। राजस्थानी संस्कृति एवं भाषा की झलक पिछले दिनों प्रधानमंत्री कि जापान यात्रा के दौरान खुद उन्होंने देखी। प्रधानमंत्री के स्वागत के दौरान स्थानीय कलाकारों ने प्रधानमंत्री के सामने, प्रधानमंत्री के आग्रह पर जब प्रस्तुति दी तो संभवत हमारे प्रधानमंत्री को यह अहसास हो गया होगा कि भारतीय भाषाओं में राजस्थानी भाषा का फलक कितना बड़ा है। राजस्थानी भाषा दुनिया के लगभग सभी देशों में बोली और समझी जाने के अतिरिक्त वहां की संस्कृति में स्थान बना चुकी है।

आधुनिक काल में राजस्थानी भाषा- संस्कृति की गूंज सीमाओं के पार सुनाई और स्पष्ट दिखाई देती हैं।

राजस्थानी भाषा के लिए हमारा वह दावा उस समय सच साबित हो गया। दुनिया-भर में बोली जाने वाली, लिखी जाने वाली और समझने वाली राजस्थानी भाषा को लगभग 12 करोड लोग बोलते हैं। जिसे प्रधानमंत्री ने अपने स्वागत के दौरान खुद देख लिया। संविधान की आठवीं अनुसूची में राजस्थानी भाषा को शामिल करने के लिए अब प्रधानमंत्री को किसी फाइल अथवा साक्ष्य की जरूरत नहीं होनी चाहिए। विदेशी धरती पर जापानी कलाकारों ने जब स्वागत प्रारंभ किया और कलाकारों ने खुद को राजस्थानी मधु के नाम से परिचित कराया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत किया तब प्रधानमंत्री ने खुद उनसे पूछा कि क्या आप गा सकती हैं तो उन्होंने यह कहा कि हम राजस्थानी लोकगीत सुना सकते हैं, तो स्थानीय कलाकारो ने राजस्थानी लोक गीत सुनाया। भक्ति रस से डुबे जब प्रधानमंत्री के कानों में यह सुनाई दिया की "म्हारा सतगुरु आंगन आया रे मैं वारी जाऊं रे" राजस्थानी परंपरा में मेहमान कि भगवान से तुलना को जीवंत किया। यह गीत राजस्थान में इस गीत के माध्यम से अतिथि के घर आने से उन्हें देव तुल्य मानकर स्वागत सत्कार किया जाता है। और इस भावना को इस गीत में जापान की भूमि पर स्थानीय कलाकारों ने प्रधानमंत्री के स्वागत में गाया।

सात समंदर पार भी मीठी और अपनत्व की राजस्थानी भाषा भारत का डंका बजा रही है । उन जापानी कलाकारों को जब यह पता चलेगा कि जिस भाषा को हम बोल रहे हैं, उन लोकगीतों के माध्यम से हम आय अर्जित करते हैं उस भाषा को भारत में भी मान्यता नहीं है।

सच तो यह है की राजस्थान में कभी राज-काज की भाषा भी राजस्थानी रही है। आजादी के समय राजस्थानी भाषा ने अपना बलिदान देकर हिंदी के हित की बात की थी। भाषाएं लुप्त ना हो, भाषाएं लुप्त होती है तो संस्कृति बिगड़ जाती है। राजस्थानी भाषा और संस्कृति बहुत ही समर्थ भाषा रही है और आज भी हैं। राजस्थान के लगभग सभी विश्वविद्यालयों और सैकड़ो विद्यालयों में राजस्थानी पढ़ाई जाती हैं। दुनिया के अनेक विश्वविद्यालयों में राजस्थानी भाषा पढ़ाई जाती है। हिंदुस्तान के प्रत्येक राज्य और हर जिले में राजस्थानी बोलने वाला परिवार मिल जाएगा। राजस्थानी अब क्षेत्र विशेष की भाषा नहीं रही बल्कि पूरे हिंदुस्तान के साथ-साथ अब तो विश्व के प्रत्येक देश में आपका स्वागत सत्कार के लिए तैयार खड़ी है। मैं एक बार फिर प्रधानमंत्री से आग्रह करूंगा की राजस्थानी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने हेतु अध्यादेश जारी करावे।

मैं प्रधानमंत्री जी से आग्रह करता हूं कि आपको भ्रम में रखा जा रहा है और यह मिथ्या बात फैलाई जाती है कि राजस्थानी भाषा को संवैधानिक मान्यता से हिंदी कमजोर होगी एवं अन्य प्रांतीय भाषाओं को मान्यता मिल जाती है तो हिंदी कमजोर होती जाएगी। जबकि आपने जापान में जो देखा, जापानी कलाकारों ने राजस्थानी भाषा और संस्कृति को कितना समद्ध किया है। राजस्थानी भाषा को मान्यता मिलती है तो हिंदी मजबूत होगी। प्रधानमंत्री देश-विदेश में करोड़ों लोग राजस्थानी को प्यार करते हैं । विदेशी धरती पर भी आपने देख लिया सुन लिया मुझे लगता है कि अब जाचने परखने की कतई जरूरत नहीं है, राजस्थानी जैसी जुनी भाषा को मान्यता नहीं देने का कोई तर्कसंगत मुद्दा सरकार या अन्य भाषाओं की वकालत करने वालों के पास बचा नहीं है। राजस्थानी भाषा हजार वर्ष से भी अधिक प्राचीन है। देश को आज़ादी दिलाने में राजस्थानी भाषा के रचनाकारो का महत्वपूर्ण योगदान रेखांकित किया गया है। 1857 की क्रांति में राजस्थानी कवियों ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया था। हम बात करें तो मरुस्थल के कवि शंकरदान सामौर ने राजस्थानी रचनाओं के माध्यम से अंग्रेजों को खुली चुनौती दी थी। ऐसे अनेक रचनाकार हुए हैं जिन्होंने आजादी की लड़ाई में राजस्थानी कविताओं, गीतों और राजस्थानी भाषा के दोहो के माध्यम से आजादी की लड़ाई में अद्वितीय योगदान दिया था। भारत को आजाद कराने में राजस्थानी भाषा के महत्वपूर्ण योगदान को भुलाया नहीं जा सकता।

देश को अंग्रेजी शासन से मुक्त कराने हेतु शंकर दान सामौर जैसे क्रांतिकारी कवि सामौर 1857 में तन-मन-धन से शामिल होते हुए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। युवा राजस्थानी कवि इस संघर्ष को वह पूरी तरह समझने लगे थे। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान 1857 में उन्होंने कहा था कि यह अवसर बहुत महत्वपूर्ण है, देशवासियों को संबोधित करते हुए सामौर कहा कि यह अवसर छूट न जाए। भारत की आजादी के लिए अगर यह मौका छूट गया तो फिर से इस आंदोलन को खड़ा करना उतना ही मुश्किल होगा जैसे एक बार हिरण कूदने से छूट जाता है फिर संतुलन वापस नहीं आ सकता। **उन्होंने लिखा था:-**

''आयौ औसर आज, गरब गौरां रौ गाळण
आयौ औसर आज, रीत राखण हिंदवाणी
आयौ औसर आज, विकट रण खाग बजाणी
फाळ हिरण चूक्यां फटक, पाछौ फाळ न पावसी
आजाद हिन्द करवा अवर, औसर इस्यौ न आवसी।''

राजस्थानी भाषा का विपुल साहित्य है और इसका अपना शब्दकोश और विपुल मात्रा में समर्थ परंपरा के अनेक उदाहरण राजस्थानी भाषा की परंपरा में मिलेंगे।

–राजेन्द्र जोशी,
शिक्षाविद-साहित्यकार

कामाख्या मंदिर: जहां सबकी मनोकामनाएं पूर्ण होती है

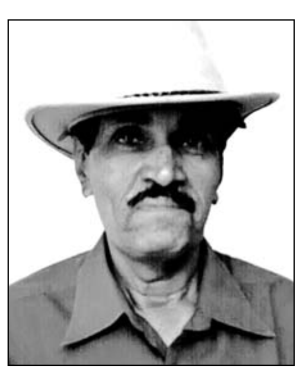

मिश्रीलाल पंवार

असम के गुवाहाटी शहर के पास नीलांचल पहाड़ियों पर स्थित कामाख्या माता मंदिर आज भारत में ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व में अपनी विशेषताओं के प्रसिद्ध पहुंचा। भारत के इक्यावन शक्ति पीठों में शामिल इस मन्दिर पर आने वाले सभी भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती है।

हाल ही में राजस्थान के पत्रकारों का एक दल यहां मन्दिर के दर्शन को पहुंचा तथा इस शक्ति पीठ के आसपास के स्थलों का जायजा लिया। कामाख्या माता का यह मंदिर भारत में अपने आप में अनुठा मन्दिर है। यहां पर योनि की पूजा अर्चना की जाती है। यहां प्रतिदिन हजारों लाखों की संख्या में माता के भक्त दर्शन करने पहुंचते हैं। कहते हैं यहां माता आने वाले अपने सभी भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण करती है। इस मन्दिर के पीछे एक पौराणिक कथा जुड़ी हुई है। इसका उल्लेख शास्त्रों में मिलता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यह 51 शक्ति पीठों में से एक है, जहाँ माँ सती की योनि का भाग गिरा था। कामाख्या मन्दिर इक्यावन शक्ति पीठों में से एक है, जो माता सती की योनि रूप की पूजा के लिए जाना जाता है। यह मंदिर गुवाहाटी शहर से लगभग 8 किलोमीटर दूर नीलांचल पहाड़ियों पर स्थित है। मंदिर के गर्भगृह में माँ सती की योनि रूप की पूजा की जाती है।

पौराणिक कथा के अनुसार एक बार राजा दक्ष ने यज्ञ का आयोजन किया। उस यज्ञ में उन्होंने सभी देवी देवताओं को बुलाया मगर अपनी पुत्री सती और दामाद भगवान शिव को आमंत्रित नहीं किया। माता सती ने विचार किया कि मेरे पिताजी यज्ञ का इतना बड़ा आयोजन कर रहे हैं। सभी देवी देवताओं का आगमन होगा। उसका तो अपना पीहर है। इसलिए उसे यज्ञ में जरूर जाना चाहिए। भगवान शिव को माता सती ने मन की बात बताई तो भगवान शिव ने सती को पिता के इस यज्ञ में जाने से मना कर दिया। मगर भगवान शिव के मना करने के बाद भी माता सती उस यज्ञ में शामिल होने अपने पिता के यहां चली गई। वहां उनके पिता दक्ष ने बहुत अपमान किया। भगवान शिव के लिए अनुचित शब्दों का प्रयोग किया। यह अपमान माता सती सह न सकी और उन्होंने अग्नि कुंड में कूदकर आत्मदाह कर लिया।

जब यह बात भगवान शिव को पता चली तो वे क्रोधित हो गए। वह सती के मृत शरीर को उठाकर तांडव करने लगें। इससे धरती पर हाहाकार मच गया। पृथ्वी पर महाप्रलय की स्थिति बन गई। देवी-देवताओं में हड़कंप मच गया। किसी की भी समझ में नहीं आया कि भगवान शिव को कैसे शान्त किया जाए। सब ने मिल कर भगवान विष्णु से प्रार्थना की कि हे नाथ, किसी भी प्रकार से उस सृष्टि की रक्षा कीजिए। इस पर भगवान विष्णु ने अपने सुदर्शन चक्र से मां सती के शरीर के कई टुकड़े कर दिए। माना जाता है कि धरती पर जहां-जहां माता सती के शरीर के टुकड़े गिरे, वहां वहां शक्तिपीठ स्थापना हो गई। इस प्रकार भारत में माता सती के कुल 51 शक्तिपीठों की स्थापना हुई।मान्यता है कि माता सती की योनी असम के नीलांचल पहाड़ी पर गिरी थी। माता के शरीर के अंग भारत के अलग-अलग स्थानों पर गिरे और वे सभी स्थल शक्ति पीठ के रूप में पूजे गए। चुंकि माता सती की यहां योनि गिरी थी, इसलिए इस मन्दिर पर योनि की पूजा की जाती है। यह मन्दिर अपनी इसी विशेषता के कारण भारत में ही नहीं, विश्व भर में प्रख्यात है। यहां हर वर्ष अंबुबाची मेला लगता है। मेले के दौरान, देवी अपने मासिक चक्र में होती हैं और इस अवधि में मंदिर बंद रहता है। तीन दिनों के बाद, एक सफेद कपड़ा जो गर्भगृह में बिछाया जाता है, लाल रंग का हो जाता है, जिसे भक्तों को प्रसाद के रूप में दिया जाता है।

कामाख्या मंदिर में दस महाविद्याओं के मंदिर एक ही परिसर में विराजमान हैं। पुरानी मान्यताओं के अनुसार यह मंदिर तांत्रिक साधना का केंद्र रहा है। काले जादू को दूर करने के लिए की जाने वाली पूजा के लिए भी जाना जाता है। यहां दूर-दूर से भक्तजन दर्शन करने पहुंचते हैं। यहां के वार्षिक अंबुबाची मेले में स्त्री प्रजनन ऊर्जा का उत्सव मनाया जाता है। मंदिर के गर्भगृह में एक कुंड है, जिसमें से जल रिसाव होता है और मासिक धर्म के दौरान यह कुंड ढक दिया जाता है, और भक्तों को लाल कपड़े (अंबूवाची वस्त्र) प्रसाद के रूप में दिए जाते हैं। गोवाहाटी में ब्रह्मपुत्र के नदी के किनारे स्थित कामख्या शक्ति पीठ स्थल काला जादू के तांत्रिकों के आश्रय स्थल के रूप में भी पहचाना जाता है। यह तंत्र साधना का केंद्र है। अंधविश्वासी लोग अपनी मनौती पूरी होने पर पांडा, बकरा तथा कबूतर की यहां बलि देते हैं। आजकल यहां भी पैसे लेकर वीआईपी दर्शन कराने का कारोबार भी खूब फल-फूल रहा है। सामान्य दर्शन के लिए लंबी-लंबी कतारें लगती है। गोवाहाटी भारत के हर शहर से रेलमार्ग से जुड़ा है। इसलिए यहां पहुंचना बहुत ही सुविधाजनक हो गया है।

-मिश्रीलाल पंवार, जोधपुर,
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

नेत्रहीन विष्णुराम के लिये रोशनी की किरण लेकर आया "ग्रामीण सेवा शिविर"

विष्णुराम को 20 वर्ष के बाद मूल निवास, जाति प्रमाण पत्र मिले

- **घुमन्तू पहचान प्रमाण पत्र और घुमन्तु आवास योजना का भी लाभ मिला**
- **सामाजिक सुरक्षा पेंशन एवं पालनहार योजना से लाभान्वित करवाने का आश्वासन भी मिला**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार राज्य के सभी जिलों की भांति श्रीगंगानगर जिले में आयोजित हो रहे ग्रामीण सेवा शिविरों में हाथों-हाथ आमजन की समस्याओं का समाधान हो रहा है। साथ ही उन्हें केन्द्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का मौके पर ही लाभ मिल रहा है।

घडसाना उपखण्ड की तहसील रावला के 7 केएनडी गांव में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर नेत्रहीन विष्णुराम के लिये रोशनी की किरण साबित हुआ। ग्राम पंचायत 7 केएनडी निवासी विष्णुराम गत 20 वर्षों से आवश्यक दस्तावेजों के अभाव में केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं से वंचित था। उनके पड़ोसी भगवान ने जब उन्हें ग्रामीण सेवा शिविर के बारे में बताया तो विष्णुराम अपनी पत्नी तीजो देवी के साथ शिविर में अपनी फरियाद लेकर पहुंचा। इसी दौरान ग्रामीण सेवा शिविर का निरीक्षण करने पहुंचे उपखण्ड अधिकारी सुनील चौहान ने विष्णुराम को देखकर उनसे जानकारी ली। इस पर विष्णुराम ने अपनी व्यथा बताते हुए मदद का आग्रह किया। उपखण्ड अधिकारी ने तुरन्त प्रभाव से संबंधित विभागों से आवश्यक कार्यवाही करते हुए विष्णुराम को मूल निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, घुमन्तू पहचान पत्र और घुमन्तु आवास योजना आवेदन का लाभ दिलाया। साथ ही उपखण्ड अधिकारी ने विष्णुराम को दीपावली से पूर्व सामाजिक सुरक्षा पेंशन एवं पालनहार योजना से लाभान्वित करवाने का आश्वासन भी दिया।

शिविर में एक साथ केन्द्र और राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पाकर विष्णुराम और उनकी पत्नी तीजो देवी गदगद हो उठी। दोनों की आंखों में खुशी के आंसू छलक उठे। बेहद प्रसन्नता व्यक्त करने हुए दम्पत्ती ने माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल और राज्य सरकार का आभार व्यक्त किया। इसी प्रकार नागौर जिले की खींवसर पंचायत समिति की पीपलिया ग्राम पंचायत में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर में माधानियों की ढाणी निवासी हरीराम पुत्र गंगाराम जाट ने तहसीलदार सुरेश चौधरी के समक्ष उपस्थित होकर खातेदारी में अपने अशुद्ध नाम हरिया को लेकर पीड़ा व्यक्त की। तहसीलदार ने तुरंत प्रार्थी का प्रार्थना पत्र राजस्थान भू राजस्व अधिनियम- 1956 की धारा 136 के तहत पटवारी, भू अभिलेख निरीक्षक द्वारा तैयार करवाया और शुद्धि संबंधी औपचारिकता पूर्ण की गई। इस नाम शुद्धिकरण से खातेदार हरीराम को राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सुगमता से प्राप्त करने में आसानी होगी। राजस्व दस्तावेजों में नाम शुद्धि होने पर खातेदार ने खुशी व्यक्त की और राज्य सरकार तथा प्रशासन का आभार जताया।

श्रीगंगानगर से पीआरओ अनिल कुमार शाक्य और नागौर से एपीआरओ अजीत सिंह।

राशिफल रविवार 21 सितम्बर, 2025

पंडित अनिल शर्मा

आश्विन मास, कृष्ण पक्ष, अमावस्या, रविवार, विक्रम संवत 2082, पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र प्रातः 9:32 तक, शुभ योग सायं 7:53 तक, चतुष्पद करण दिन 12:50 तक, चन्द्रमा आज दिन 3:58 से कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-सिंह, मंगल-तुला, बुध-कन्या, गुरू-मिथुन, शुक्र-सिंह, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग दिन 9:32 से सूर्योदय तक है। आज देव पितृकार्य अमावस्या, सर्व पितृ श्राद्ध, सिंजा माता पूजन है। आज पितृपक्ष पूर्ण होगा।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 7:44 से 9:19 तक, लाभ-अमृत 9:19 से 12:10 तक, शुभ 1:50 से 3:21 तक।

राहूकालः 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 6:18, सूर्यास्त 6:12

मेष

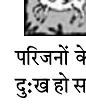

व्यक्तिगत/पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न दुःख हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा।

वृष

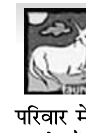

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है।

कर्क

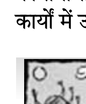

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। आवश्यक कार्य सुगमता से सम्पन्न हो सकते हैं। दिन के मध्यान्ह पश्चात शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

सिंह

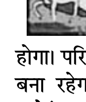

मानसिक तनाव दूर होने लगेंगे। मनःस्थिति में सुधार होगा। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

कन्या

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

तुला

आर्थिक मामलों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। संभावित धन प्राप्त हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात आवश्यक कार्यों में भागदौड़ रहेगी। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है।

वृश्चिक

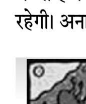

अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। कार्य शीघ्रता/सुगमता से सम्पन्न हो सकते हैं। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु

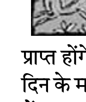

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। दिन के मध्यान्ह पश्चात महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता से मनोबल बढ़ेगा।

मकर

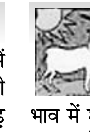

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। दिन के मध्यान्ह नवीन कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

कुंभ

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं रहेगा।

मीन

परिवार में चल रही स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

A Man For Men For Women And More...

"Paul said, 'I want to work with an actor,'" Redford said. "And that was very complimentary to me, because that's, I think, how we both saw our profession, that acting was about craft and we took it seriously."

A Toast to Chai and Togetherness

ट्रंप ने भारतीय प्रोफैशनल्स पर सर्विस टैरिफ का भारी चपत धरा

पहले एच-1बी वीज़ा की एप्लीकेशन पर 1700 से 4500 डॉलर की फीस लगती थी, जो बढ़ाकर 100,000 डॉलर प्रति आवेदक हो गई, जो हर वर्ष लगेगी

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 सितंबर। डॉनल्ड ट्रंप ने भारतीय प्रोफैशनल्स के अमेरिका जाकर काम करने पर सेवाओं के निर्यात शुल्क में 2250 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर दी है।

अब तक, एच-1बी वीज़ा की आवेदन फीस प्रति आवेदन 1700 डॉलर से 4500 डॉलर होती थी। अब इसे बढ़ाकर प्रति आवेदक प्रति वर्ष 100,000 डॉलर कर दिया गया है। अमेरिकी वाणिज्य सचिव ने कहा है कि कंपनियों को यह तय करना होगा कि क्या वे इतना दाम देकर किसी विदेशी कर्मचारी को नौकरी पर रखना चाहेंगी या किसी शिक्षित अमेरिकी को नौकरी देंगी।

- **अमेरिका के कॉमर्स सैक्रेटरी हारवर्ड लुटनिक ने इस नये सर्विस टैरिफ लगाने को सही ठहराते हुए तर्क दिया कि अब अमेरिकी कंपनियों को यह निर्णय लेना होगा कि इतनी भारी फीस देकर भारतीय आईटी प्रोफैशनल को रखना चाहिए या उनकी जगह किसी शिक्षित अमेरिकी नागरिक को नौकरी देना, ज्यादा अच्छा रहेगा।**
- **जैसा कि विदित ही है, एच-1बी वीज़ा उन विदेशी कर्मचारियों के लिए लेना अनिवार्य होता था जो अमेरिका के नागरिक नहीं थे। पर, अमेरिका में एच-1बी वीज़ा लेकर नौकरी कर रहे थे।**
- **अमेरिका के एच-1बी वीज़ा के कोटा का लगभग 70 प्रतिशत भारतीय प्रोफैशल्स के काम आता था, अब जानी मानी आईटी कंपनियां, जैसे टी.सी.एस., विप्रो, टैक महिन्द्रा, इन्फोसिस आदि को नई रणनीति बनानी होगी और प्रोफैशनल्स को विदेश भेजना का विकल्प छोड़कर भारत की भूमि पर काम करने की सुविधा प्रदान करनी होगी।**
- **तथा, अब भारत को भी जवाबी कार्यवाही करते हुए अमेरिका से आयातित सामान पर जवाबी टैरिफ लगाना होगा। बोइंग हवाई जहाज की जगह फ्रांस के एयरबस विमान का खरीदने का ऑर्डर देना होगा।**

रिपोर्टों के अनुसार, नया शुल्क 21 सितंबर से लागू होगा। इस तरह तत्काल प्रभाव से लागू होने के कारण यह कदम उस टैक्नॉलजी क्षेत्र में भारी उथल-पुथल मचा सकता है जो मुख्य रूप से इस सुविधा का उपयोग करता है। इसके अलावा, अमेरिकी स्वामित्व वाले छोटे व्यवसाय और स्टार्टअप भी सीधे तौर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चपरासी भर्ती परीक्षा में नकल करने पर इंजीनियर छात्र गिरफ्तार

जयपुर, 20 सितम्बर। अशोक नगर थाना पुलिस ने शनिवार को कार्रवाई करते हुए राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की ओर से कराई जा रही राजस्थान ग्रेड फोर्थ (चपरासी) भर्ती परीक्षा की पहली पारी में परीक्षा में नकल करते एक इंजीनियर छात्र को गिरफ्तार किया है। आरोपी अभ्यर्थी स्मार्ट वॉच से चीटिंग कर रहा था। वॉट्सऐप के जरिए उसने क्वश्चन पेपर को परीक्षा

- **आरोपी रवि अंडर गारमेंट में छिपाकर स्मार्ट वॉच परीक्षा केन्द्र में ले गया था तथा उसके माध्यम से नकल कर रहा था।**

सेंटर से बाहर भेजा था। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ मामला दर्ज कर नकल में प्रयुक्त स्मार्ट वॉच और वॉट्सऐप के जरिए पेपर भेजने वाले मोबाइल को जब्त कर लिया है।

अशोक नगर थानाधिकारी किशन कुमार ने बताया कि आरोपी रवि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ट्रंप का एच-1बी वीज़ा के आदेश का कानूनी पक्ष बहुत कमज़ोर है

अमेरिका के राष्ट्रपति को, वीज़ा की एप्लीकेशन को प्रोसैस करने पर आयी लागत की भरपायी के लिए, फीस लगाने का वाजिब अधिकार है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 सितंबर। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप द्वारा एच-1बी वीज़ा आवेदनों पर 100,000 डॉलर (लगभग 83 लाख रूपये) फीस लगाने की घोषणा ने विश्व स्तर पर टैक्नॉलजी सैक्टर में हलचल मचा दी है। यह फीस मौजूदा कुछ सौ डॉलर की पंजीकरण फीस से कई गुना अधिक है। इस निर्णय ने न केवल राजनीतिक बहस को हवा दी है, बल्कि कानूनी चुनौतियाँ भी पैदा कर दी हैं और उन शीर्ष अमेरिकी कंपनियों को भी चिंतित कर दिया है, जो कुशल विदेशी प्रतिभा पर निर्भर हैं।

ट्रंप प्रशासन ने इस बढ़े शुल्क को अमेरिकी नौकरियों की रक्षा और कंपनियों पर अधिक घरेलू कर्मचारियों को नियुक्त करने के लिए दबाव बनाने के अपने एजेंडा का हिस्सा बताया है।

वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लटनिक ने कहा कि यह कदम सुनिश्चित करेगा कि केवल "बेहद कौशल" वाले लोग ही एच-1बी वीज़ा के लिए पात्र हों और

- **पर, वॉशिंगटन के इमिग्रेशन मामलों के जाने माने वकील के अनुसार, अगर आवेदन पर लगाई गई फीस, खर्च से कहीं ज्यादा है तथा फीस लगाने का मकसद दण्डात्मक है, जिससे विदेशी प्रोफैशनल्स का अमेरिका आना रोका जा सकेगा, तो न्यायालय राष्ट्रपति के इस आदेश को रद्द कर सकते हैं।**

इससे सस्ते विदेशी श्रमिकों पर निर्भरता घटेगी।

लेकिन पूरे अमेरिका के कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि यह आदेश कानूनी रूप से कमज़ोर है। "इमिग्रेशन एंड नैशनलिटी एक्ट" (आईएनए) के तहत, अमेरिकी नागरिकता और आव्रजन सेवा (यूएस सिटीज़नशिप एंड इमिग्रेशन सर्विसेज़-यूएससीआईएस) को वीज़ा प्रक्रिया की लागत वसूलने के लिए शुल्क निर्धारित करने का अधिकार है। लेकिन आलोचकों का कहना है कि जहाँ लागत की वसूली एक वैध कानूनी अधिकार है, वहीं लागत वसूली के नाम पर 100,000 डॉलर का शुल्क वास्तविक प्रशासनिक खर्च से कहीं बहुत अधिक है।

वॉशिंगटन के एक इमिग्रेशन वकील ने कहा, "इतना ज्यादा शुल्क, लागत वसूली कम, बल्कि बाहरी लोगों को आने से रोकना ज्यादा लगता है। यह आदेश वैधानिक अधिकारों से परे जाकर दिया गया आदेश सिद्ध हो सकता है।"

विश्लेषकों को उम्मीद है कि इस आदेश को "एडमिनिस्ट्रेटिव प्रोसीजर एक्ट" (एपीए) के तहत चुनौती दी जाएगी, जो सरकारी नियमों के तर्कसंगत, प्रमाण-आधारित और प्रक्रियात्मक रूप से उचित होने की मांग करता है। अगर अदालतों को यह शुल्क मनमाना, अनुपातहीन या लागत

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ईडी को मो. सादिक के 20 खातों में करोड़ों रुपये का लेन-देन मिला

बीकानेर में तलाशी में ईडी को विदेशी धन, हथियारों की तस्करी, जबरन धर्म परिवर्तन के प्रमाण मिले

बीकानेर, (कासं)। बीकानेर में एन्फोर्समैंट डायरैक्टोरेट (ईडी) की कार्रवाई में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। जांच एजेंसी ने अमीर मो. सादिक के 20 बैंक खातों को खंगाला। इनमें करोड़ों के लेन-देन के सबूत मिले हैं। सादिक 6 से ज्यादा विदेश यात्राएं भी कर चुका है। आरोप है कि सादिक ने बांग्लादेश के एक एनजीओ की आर्थिक मदद भी की थी। विदेशों से भी फंडिंग की जानकारी मिली है।

ईडी को को शक है कि सादिक के आतंकी कनेक्शन भी हैं और इसको लेकर भी जांच आगे बढ़ाई जा रही है। ईडी ने 17 सितंबर को धोबीतलाई की गली नंबर 2 स्थित मोहम्मद सादिक, फड़ बाजार में पठानों की मस्जिद वाली गली में असगर अली, सुभाषपुरा में कांग्रेस के पूर्व पार्षद जावेद और मुक्ताप्रसाद नगर में साबिर के घर सहित, कुल छः ठिकानों की तलाशी ली थी।

- **ईडी की जांच के अनुसार कोई वैध व पर्याप्त आय नहीं होने के बावजूद सादिक ने कई देशों की यात्रा की व लम्बे समय तक इन देशों में रहा। बांग्लादेश के एक एनजीओ को वित्तीय सहायता देने के साक्ष्य भी मिले।**

बताया जाता है कि असगर अली, जावेद और साबिर, सादिक के करीबी हैं। मोहम्मद सादिक बीकानेर में जमीयत अहले हदीस (जेएएच) नाम का एनजीओ चलाता है। सादिक अलफुरकान एजुकेशनल ट्रस्ट का अध्यक्ष भी था और मस्जिद-ए-आयशा ट्रस्ट की भी देखरेख करता था। सादिक के इन ट्रस्टों सहित, करीब 20 बैंक खातों में करोड़ों रूपए होने और लेनदेन का इनपुट मिला है।

ईडी को सादिक के खिलाफ हवाला कारोबार और मनी लॉन्ड्रिंग की जानकारी मिली थी। ईडी को तलाशी अभियान के दौरान जुटाए सबूतों से संदिग्ध माध्यमों से विदेशी धन जुटाने, हथियारों की तस्करी, भड़काऊ सामग्री का प्रचार-प्रसार, जबरन धर्म परिवर्तन, व्यक्तिगत तथा वैचारिक लाभ के लिए धार्मिक संस्थाओं का दुरुपयोग आदि के प्रमाण मिले हैं।

ईडी के पास जानकारी थी कि सादिक गैरकानूनी धर्मान्तरण और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करने वाली गतिविधियों में शामिल रहा है। इसके चलते जयपुर से ईडी की टीम ने सर्च अभियान चलाया था। ईडी की जांच में सामने आया कि जमा राशि का स्रोत सादिक ने स्पष्ट नहीं किया है, जो

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राजस्थान में ई-सिगरेट पर पूर्ण पाबंदी लागू करें

जयपुर, 20 सितंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रदेश में ई-सिगरेट की बिक्री को गंभीरता से लेते हुए कहा है कि ई-सिगरेट पर पूरी तरह से पाबंदी लगाई जानी चाहिए। वहीं, इसके लिए एक विस्तृत कार्य योजना भी तैयार करने के

- **हाईकोर्ट ने मुख्य सचिव व डीजीपी को 2019 में बने कानून के प्रावधानों को लागू करने के निर्देश दिये।**

लिए कहा है। खंडपीठ ने इस संबंध में साल 2019 में बनाए कानून के प्रावधानों को लागू करवाने के लिए मुख्य सचिव व डीजीपी को भी दिशा-निर्देश दिए हैं। जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा व जस्टिस संजीत पुरोहित की खंडपीठ ने यह अंतरिम आदेश प्रियांशा गुप्ता की पीआईएल पर दिए। अदालत ने डीजीपी को कहा है कि वे विभिन्न रेंज हैड क्वार्टर का प्रतिनिधित्व करने वाले अफसरों की एक टीम बनाएं, जो कानून

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जयपुर सेंट्रल जेल से फरार हुए दो कैदियों में से एक पकड़ा गया

रात साढ़े तीन बजे 27 फीट ऊंची दीवार फांदकर फरार हुए थे अनस व नवल किशोर

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर 20 सितम्बर। जयपुर सेंट्रल जेल से शनिवार सुबह दो कैदी पुलिस सुरक्षा को धता बताते हुए, 27 फीट ऊंची दीवार कूदकर फरार हो गए। शनिवार अलसुबह 3:30 बजे ये कैदी अनस और नवल किशोर पानी के पाइप के सहारे दीवार पर चढ़े और उसी पाइप से लटककर नीचे कूदकर भागे थे, परंतु पुलिसकर्मियों को इसकी भनक तक नहीं लगी। शनिवार सुबह बंदियों की गिनती के समय जैसे ही जेल कर्मचारियों को दो कैदियों के फरार होने की जानकारी मिली तो जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया।

इसके बाद उच्चाधिकारी मौके पर पहुंचे और सीसीटीवी फुटेज खंगाले तो इस पूरे घटनाक्रम सामने आया। हालांकि पुलिस ने इन दोनों कैदियों में से एक बदमाश अनस को पकड़ लिया है, परंतु दूसरा कैदी अभी भी पुलिस की पकड़ से दूर है, जिसकी धरपकड़ के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी की

- **दूसरा कैदी नवल किशोर अभी पुलिस की पकड़ में नहीं आया है। सात जेल प्रहरी निलंबित किये गये। फरारी में जेल के किसी कर्मचारी की मिलीभगत होने का शक किया जा रहा है।**

जा रही है। इस घटना के बाद जयपुर सेंट्रल जेल की सुरक्षा व्यवस्था और जेल प्रशासन की लापरवाही भी उजागर हो गई है। इस मामले में जेल प्रशासन ने 7 जेल प्रहरियों को निलंबित कर दिया है। अब पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए गए हैं। जेल की सुरक्षा व्यवस्था की भी गहन जांच की जा रही है। पुलिस को शक है कि फरारी में जेल के किसी कर्मचारी की मिलीभगत हो सकती हैं,जैसा कि पिछले मामलों में सामने आया था।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक जेल (एडीजी) रुपिंदर सिंह ने बताया कि जयपुर सेंट्रल जेल से कैदी अनस कुमार (28) और नवलकिशोर महावर (32) फरार हुए हैं। आरोपी अनस यूपी के तालावाली बगिया फिरोजाबाद का रहने वाला है और नवल किशोर महावर इब्राहिमपुर थाना नई मंडी हिंडौन सिटी करौली का रहने वाला है। दोनों कैदी जेल के बाथरूम से निकलकर दीवार पर चढ़ कर फरार हुए हैं। दोनों बंदी इसी सप्ताह जेल में आए थे। बंदी अनस सांगानेर से चोरी के मामले में 15 सितंबर को जेल में पहुंचा था,जबकि बंदी नवल किशोर मालपुरा से चोरी के मामले में 17 सितंबर को जयपुर सेंट्रल जेल पहुंचा था और दोनो ही 13 नंबर बैरक में बंद थे। पुलिस ने इस मामले में तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी अनस को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस से बचकर भागने के दौरान उसके सिर पर चोट लग गई है। वहीं, दूसरे कैदी नवल किशोर की अभी तलाश की जा रही है। जेल प्रशासन ने इस पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच शुरू कर दी है। जिसकी भी लापरवाही पाई जाएगी, उस पर कड़ा एक्शन होगा।

जयपुर सेंट्रल जेल से दो कैदी फरार होने की इस घटना के बाद जेल प्रशासन ने 7 जेल प्रहरियों को निलंबित किया है। शुरुआती जांच में इनकी लापरवाही सामने आयी है। इनमें दो मुख्य जेल प्रहरी भी शामिल हैं। डीजी जेल गोविंद गुप्ता के अनुमोदन पर एडीजी जेल रूपिंदर सिंह ने मुख्य जेल प्रहरी रेखा लखेरा, प्रहरी अनिता जाजोरिया, मनोज कुमार मीणा , धर्मवीर गुर्जर , रतन सिंह राठौड़, मनोज वर्मा और माया जाट को निलंबित कर दिया। इसके अलावा 13वीं बटालियन आरएसी (जेल सुरक्षा) के कांस्टेबल ताराचंद,अशोक कुमार और सुभाष चंद को भी निलंबित कर दिया गया है।

शुक्रवार-शनिवार की रात्रिकालीन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अभिनेता मोहनलाल को दादा साहब फाल्के अवॉर्ड

नयी दिल्ली 20 सितंबर। मलयालम फिल्मों के सुपरस्टार मोहनलाल को भारतीय सिनेमा में अमूल्य योगदान के लिए प्रतिष्ठित

- **सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने मलयालम फिल्मों के सुपर स्टार मोहनलाल को सिनेमा में उनके शानदार योगदान के लिए यह सम्मान प्रदान करने की घोषणा की।**

दादासाहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया जायेगा।

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बंगाल में उद्योग को दिये जा रहे "इन्सैन्टिव" बैकडेट से खत्म किये गए

एक बार फिर बंगाल से उद्योगों का पलायन शुरु हुआ

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 सितंबर। तीन दशकों की औद्योगिक प्रोत्साहन योजनाओं को पूर्व प्रभाव (पिछली तारीख) से समाप्त कर पश्चिम बंगाल सरकार ने निवेशकों के विश्वास को तोड़ दिया है और अपनी ही अर्थव्यवस्था को कमज़ोर कर दिया है, साथ ही पूँजी निवेश के प्रति शत्रुता का संदेश भी दिया है। इसकी वजह से एक और औद्योगिक पलायन की लहर उठ सकती है,जिसका खामियाजा आम लोगों को भुगतना पड़ सकता है।

आर्थिक और वित्तीय दृष्टिकोण से बिल्कुल असंगत इस फैसले में पश्चिम बंगाल सरकार ने सभी औद्योगिक प्रोत्साहनों को रद्द कर दिया है, वह भी पूर्व प्रभाव के साथ।

"पश्चिम बंगाल प्रोत्साहन योजनाओं और अनुदान स्वरूप दायित्वों की निरस्तीकरण विधेयक, 2025", जो 2 अप्रैल को अधिसूचित हुआ था, उसने 1993 से अब तक दिए गए सभी प्रोत्साहनों को रद्द कर दिया है और यह प्रभाव उन योजनाओं की प्रारंभ तिथि से लागू होगा। इस पूर्व-प्रभावी कार्यान्वयन का मतलब है कि पश्चिम बंगाल प्रोत्साहन योजनाएं (1993-2021) और अन्य सहायता उपायों के तहत मिले लाभ अब अमान्य माने जाएंगे।

अब कई बड़े उद्योगपतियों ने इस कानून को कोलकाता उच्च न्यायालय में चुनौती दी है तथा इसे "संविधान विरोधी" करार दिया गया है। उद्योग जगत इसे "विश्वासघात" की संज्ञा दे रहा है और यह सरकार व उद्योगों के बीच पहले से मौजूद अविश्वास की खाई को और गहरा करता है।

डालमिया और बिड़ला समूह का अनुमान है कि इस निर्णय से उन्हें संयुक्त रूप से 430 करोड़ का नुकसान

- **तृणमूल सरकार द्वारा छः महीने पहले लिए गए इस नीतिगत फैसले का असर अब साफ दिखने लगा। 6,000 कंपनियां, जिनमें 110 लिस्टेड कंपनियां भी शामिल हैं, ने अपना कारोबार बंगाल से बाहर शिफ्ट करना शुरु कर दिया।**
- **इकॉनमिस्ट भी तृणमूल सरकार के इस आदेश का कारण समझ नहीं पा रहे, क्योंकि अब तो स्थापित सोच है कि औद्योगिक गतिविधि को प्रोत्साहित करने के लिए उद्योग को इन्सैन्टिव देना काफी लाभदायक होता है। अमेरिका की एक स्टडी के अनुसार, कैपिटल इण्डस्ट्रियल इन्सैन्टिव पर खर्च किया गया एक रूपया, दो रूपये का लाभ पहुँचाता है। उद्योगों को।**
- **चीन में की गई एक अन्य स्टडी के अनुसार, जिन कंपनियों में सब्सिडी का इन्सैन्टिव किया गया, उनका उत्पाद 61.3 प्रतिशत ज्यादा था बनिस्पत उन इण्डस्ट्री के, जिन्हें सब्सिडी का लाभ नहीं दिया गया था।**

हुआ है, जबकि अन्य कंपनियां अभी नुकसान का आकलन कर रही हैं। वे सभी औद्योगिक इकाइयाँ, जिन्होंने अपने निवेश, विस्तार और वित्तीय योजनाएं इस आधार पर बनाई कि उन्हें सरकार से वादे के अनुसार प्रोत्साहन मिलेंगे, अब उन्हें सीधे आर्थिक नुकसान और योजना में व्यवधान का सामना करना पड़ रहा है।

पश्चिम बंगाल का उद्योगों से टकराव कोई नया नहीं है। राज्य ने 35 वर्षों तक वामपंथी शासन देखा, जिसके बाद सत्ता तृणमूल कांग्रेस के हाथ में गई।

वामपंथी विचारधारा के अनुसार, कॉरपोरेट घरानों को "शोषक वर्ग" का हिस्सा माना गया और उन्हें सहयोग नहीं दिया गया। पूर्व मुख्यमंत्री ज्योति बसु का कथन है कि "पूंजीपति वर्ग शत्रु है, जिससे किसी सहानुभूति की अपेक्षा नहीं करनी चाहिए।

हड़तालें, यूनियनवाद और हिंसा वामपंथी शासन में आम थीं। साथ ही उद्योगों पर हमले, आगज़नी और श्रमिक उग्रता भी काफी ज्यादा थी। परिणामस्वरूप, कई उद्योगों ने राज्य छोड़ दिया, सिंघानिया दिल्ली चले गए, बिड़ला मुंबई और जो राज्य कभी भारत का दूसरा सबसे बड़ा औद्योगिक राज्य था, वह पतन की ओर चला गया।

वामपंथियों की जगह जब ममता बनर्जी की अगुआई में तृणमूल कांग्रेस सत्ता में आई, तो उम्मीद जगी थी। लेकिन सिंगूर में टाटा मोटर्स के खिलाफ आंदोलन, जिसने अंततः कंपनी को राज्य से बाहर कर दिया, ने ममता की उद्योग विरोधी छवि बना दी। विडंबना यह रही कि सिंगूर संयंत्र की शुरुआत

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

समुद्र में देश की पहली सुरंग का निर्माण पूरा

नयी दिल्ली, 20 सितम्बर। रेलवे ने मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के घनसोली और शिलफाटा में किये गये सुरंग निर्माण को बड़ी सफलता करार देते हुए कहा है कि यह देश की पहली परियोजना है जिसके

- **मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजैक्ट के तहत घनसोली और शिलफाटा के बीच यह सुरंग बनाई गई है।**

तहत समुद्र के नीचे सुरंग का निर्माण किया गया है।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल परियोजना में की यह भारतीय

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

CMYK

मुख्यमंत्री भजनलाल ने पीएम मोदी के आगमन की तैयारियों का जायजा लिया

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आगामी 25 सितंबर को बांसवाड़ा में माही बांसवाड़ा न्यूक्लियर पावर प्रोजेक्ट समेत कई विकास योजनाओं का शिलान्यास करेंगे

बांसवाड़ा/जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगामी 25 सितंबर को बांसवाड़ा के नापला में प्रस्तावित कार्यक्रम के तहत माही बांसवाड़ा न्यूक्लियर पावर प्रोजेक्ट समेत कई महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण करेंगे। इस आयोजन की तैयारियों का जायजा लेने शनिवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा स्वयं नापला पहुंचे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कार्यक्रम स्थल, हेलीपैड, पार्किंग क्षेत्र सहित पूरे आयोजन स्थल का दौरा कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी तैयारियां समय पर पूरी की जाएं और कार्यक्रम में आने वाले आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो। मंच, डोम, सुरक्षा व्यवस्था और यातायात प्रबंधन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश भी दिए गए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बांसवाड़ा के नापला में तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान मंत्री बाबूलाल खराड़ी, विधायक कैलाश मीना, मुख्य सचिव सुधांश पंत, डीजीपी राजीव शर्मा मौजूद रहे।

- मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल, हेलीपैड, पार्किंग क्षेत्र सहित पूरे आयोजन स्थल का दौरा कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की

इस दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का यह दौरा प्रदेश के लिए ऐतिहासिक रहेगा। माही बांसवाड़ा परमाणु ऊर्जा संयंत्र राजस्थान की ऊर्जा क्षमता को नई ऊंचाई देगा और यह प्रोजेक्ट ऊर्जा क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के साथ जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी, विधायक कैलाश मीना, शंकरलाल डेचा, मुख्य सचिव सुधांश पंत, डीजीपी राजीव कुमार शर्मा, अतिरिक्त मुख्य सचिव अभय कुमार, शिखर अग्रवाल, प्रवीण गुप्ता सहित कई वरिष्ठ अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

पत्नी पर शक के चलते रिश्तेदार युवक की चाकू से हमला कर हत्या

- ससुराल पहुंचकर पति ने पत्नी, युवक व सास पर चाकू से हमला किया, घायल महिला व उसकी मां का उपचार अस्पताल में चल रहा है

कोटा, (निसं)। बोरखेड़ा थाना इलाके में शनिवार को पति ने अपने ससुराल कोटा आकर पत्नी व उसके रिश्तेदार साथी युवक व अपनी सास पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। हमले में घायल हुए युवक की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई एवं घायल महिला व उसकी मां का उपचार अस्पताल में चल रहा है।

जानकारी के अनुसार पूरे घटनाक्रम के पीछे मामला सामने आया है कि हमलावर पति अपनी पत्नी के ऊपर शक करता था, और उसको रिश्तेदार युवक का घर में आना-जाना भी पसंद नहीं था। हमले की सूचना पाकर बोरखेड़ा पुलिस मौके पर पहुंची और मौके पर ही एफएसएल, एमओबी व अन्य टीम को बुलाकर साक्ष्य जुटाये गये। बोरखेड़ा थानाधिकारी देवेश भारद्वाज ने बताया कि इलाके के मंडीपाडा निवासी रेखा रानी कुशवाह की शादी अंता के नागदा गांव निवासी चंद्रप्रकाश कुशवाहा के साथ हुई थी। दोनों पति-पत्नी के बीच कोई कहासुनी को लेकर अनबन हो गई और महिला अपने पीहर मंडीपाडा में अपनी मां के पास रहने लगी। थानाधिकारी ने बताया कि चंद्रप्रकाश कुशवाह शनिवार को अपने ससुराल अपनी पत्नी रेखा रानी से मिलने के लिये आया था, घर में उसकी पत्नी के मौसी का पोता दीपक कुशवाह मौजूद था। थानाधिकारी ने बताया कि चन्द्रप्रकाश अपनी पत्नी के ऊपर शक करता था जिसके चलते उसने पत्नी रेखा रानी कुशवाह (30) दीपक (32) पर अचानक से चाकू से हमला कर दिया, शोर सुनकर रेखा रानी की मां रूकमणी (62) बीच बचाव के लिये आई तो चन्द्रप्रकाश ने अपनी सास के ऊपर पर भी चाकू से हमला कर दिया। थानाधिकारी ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंचे, हमले में घायल तीनों को उपचार के लिये अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां घायल दीपक कुशवाह की मौत हो गई। थानाधिकारी ने बताया कि मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है। आरोपी के खिलाफ हत्या सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

दस हजार का इनामी तस्कर गिरफ्तार

- आरोपी को पकड़ने के लिए पुलिस को दो किलोमीटर तक खेतों में दौड़ना पड़ा

जोधपुर, (कासं)। जिले की बिलाड़ा पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के आरोप में फरार चल रहे दस हजार के इनामी अपराधी को गिरफ्तार किया है। वह चार साल से फरार था। आरोपी को पकड़ने के लिए पुलिस को दो किलोमीटर तक खेतों में दौड़ना पड़ा।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक नारायण टोगस ने बताया कि वांछित अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बिलाड़ा पुलिस ने खुडाला झंवर निवासी बुधाराम को गिरफ्तार किया है। वह चार साल से फरार चल रहा था। उसके खिलाफ बिलाड़ा में एनडीपीएस एक्ट का प्रकरण था। एसपी भोपाल सिंह के सुपरविजन में जिला विषेष टीम के प्रभारी श्रवणकुमार भंवरिया मय टीम द्वारा कांस्टेबल देवीलाल की सूचना पर पुलिस टीम वांछित अपराधी की दस्तयाबी के लिए दबिश दी गई। वह पुलिस को देखकर खेतों में भाग गया, तब दो किलोमीटर तक पीछा कर आखिरकार पकड़ा गया।

कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी ने खेतों में बीज उत्पादन घोटाला पकड़ा

- कागजों में ग्वार और मूंग का बीज उत्पादन दिखाने वाली कंपनियों के खेतों में मौके पर नरमा (कपास) की फसल पाई गई
- किसानों की शिकायत पर कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ जिलों में खेतों का निरीक्षण किया

जयपुर/हनुमानगढ़। किसानों की शिकायत पर कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने शनिवार को श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ जिलों में खेतों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान बीज उत्पादन को लेकर बड़े फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ। कागजों में ग्वार और मूंग का बीज उत्पादन दिखाने वाली कंपनियों के खेतों में मौके पर नरमा (कपास) की फसल पाई गई। मंत्री ने इसे किसानों के साथ खुला धोखा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'दुगुनी आय' योजना पर सीधा हमला बताया।

निरीक्षण के दौरान पियाली नेचुरल्स प्राइवेट लिमिटेड, कृभको और जयशंकर सीड्स जैसी कंपनियों के दस्तावेजों और जमीनी स्थिति में भारी अंतर सामने आया। कहीं ग्वार के नाम पर मूंग और नरमा की फसल लगी मिली, तो कहीं जिस किसान के नाम पर फसल दिखाई गई, वह उस गांव का ही नहीं निकला। एक खेत में तो किसान रामस्वरूप ने साफ कहा कि कंपनी ने उसके बेटे के नाम पर समझौता दिखाया, जबकि उसका ऐसा कोई बेटा है ही नहीं।

कृषि मंत्री ने बताया कि यह पूरा खेल कागजों में बीज उत्पादन दिखाने, अनाज की मंडी से सस्ता अनाज खरीदकर उसे प्रोसेस कर सर्टिफाइड बीज के नाम पर महंगे दामों में बेचने का है। कंपनियां 40-50 रुपए किलो में अनाज खरीदती हैं और फिर उसे नीले टैग के साथ 700-800 रुपए किलो में किसानों को बेच देती हैं। इससे न केवल किसानों को नुकसान होता है, बल्कि सरकारी सब्सिडी का भी दुरुपयोग होता है। डॉ. मीणा ने कहा कि इस घोटाले में कई सरकारी संस्थाएं भी शामिल हैं, जिनमें एनआईएल, कृभको, इफको, आरएसएससी, एनएससी, नैफेड आदि के नाम सामने आए हैं। उन्होंने बताया कि बीज प्रमाणीकरण की प्रक्रिया में भी लापरवाही सामने आई है, जिसके तहत फर्जी फसल पर भी प्रमाणन टैग जारी कर दिए गए। शनिवार को कृषि मंत्री ने बीज उत्पादन से जुड़ी करीब 20 फाइलों की जांच की, जिनमें गंभीर गड़बड़ियां पाई गईं। उन्होंने बताया कि रविवार को 50 और फाइलों की जांच होगी और सैकड़ों लंबित फाइलों की भी विस्तृत जांच की जाएगी। दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी और अमानक बीज उत्पादन व वितरण करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। डॉ. मीणा ने साफ कहा कि किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज मिलना उनका हक है और सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि बीज के नाम पर अब कोई किसान ठगा न जाए।

लोकतंत्र में अभद्रता का कोई स्थान नहीं है : शेखावत

- जोधपुर पहुंचे केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कांग्रेस नेताओं की हालिया टिप्पणियों को लेकर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की

जोधपुर, (कासं)। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत शनिवार को जोधपुर दौरे पर पहुंचे, जहां उन्होंने अपने निवास पर पत्रकारों से बातचीत की। दिल्ली से आगमन के कुछ ही समय बाद शेखावत ने कांग्रेस नेताओं की हालिया टिप्पणियों को लेकर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की और संयमित भाषा के उपयोग पर जोर दिया। शेखावत ने कहा कि लोकतंत्र में अभद्रता का कोई स्थान नहीं है। बाबा साहेब अंबेडकर ने जो संविधान रचा, उसमें इस तरह की भाषा को कोई मान्यता नहीं दी गई। महात्मा गांधी ने भी सदा संयम और मर्यादित वाणी का संदेश दिया है।

कांग्रेस पर निशाना साधते हुए केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि जो नेता बाबा साहेब और गांधीजी की शपथ लेकर राजनीति में आते हैं, वही जब असभ्य भाषा का प्रयोग करते हैं, तो यह चिंता का विषय है। लगता है कि यह संस्कार उन्हें वर्तमान पीढ़ी के नेताओं से मिले हैं।

कांग्रेस जिला अध्यक्ष सलीम खान की विवादास्पद टिप्पणी को लेकर पूछे गए सवाल पर शेखावत ने कहा कि हमारे संस्कार अभद्र भाषा का प्रतिकार करने की अनुमति नहीं देते, लेकिन कांग्रेस को आत्मावलोकन की जरूरत है। अगर वह समय रहते आत्मचिंतन नहीं करती, तो जनता चुनाव में इसका जवाब जरूर देगी। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुपारस भंडारी का नाम लेकर उनकी प्रशंसा की। शेखावत ने कहा कि भंडारी ने गलत को स्वीकार कर क्षमा मांगने की बात कही, यह एक स्वस्थ लोकतांत्रिक संकेत है। दिल्ली यूनिवर्सिटी छात्रसंघ चुनाव परिणामों पर प्रतिक्रिया देते हुए शेखावत ने कहा कि दिल्ली में राष्ट्रवादी विचारधारा की जीत हुई है। यह देश के संकल्पों और युवाओं के सपनों की जीत है।

महात्मा गांधी सर्वोदय विचार परीक्षा 28 को

अजमेर, (कासं)। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित महात्मा गांधी सर्वोदय विचार परीक्षा 2024 का 28 सितम्बर प्रदेशभर के जिला मुख्यालयों पर निर्धारित परीक्षा केन्द्रों पर होगी। परीक्षार्थियों के प्रवेश पत्र बोर्ड की वेबसाइट पर अपलोड कर दिए हैं।

बोर्ड सचिव कैलाश चन्द्र शर्मा ने बताया कि महात्मा गांधी सर्वोदय विचार परीक्षा 2024 का 28 सितम्बर को सुबह 10 से 11:30 बजे तक प्रदेशभर के जिला मुख्यालयों पर निर्धारित परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित होगी। परीक्षा के लिए सभी तैयारी पूर्ण कर ली गई है। ग्रुप प्रथम में कक्षा 6 से 8, ग्रुप द्वितीय में कक्षा 9 से 12 और ग्रुप तीन में महाविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थी शामिल होंगे। सचिव शर्मा ने बताया कि स्कूल के प्रधान तथा महाविद्यालय के प्राचार्य आवेदन करते समय उपयोग की गई यूजर आईडी एवं पासवर्ड से प्रवेश पत्र डाउनलोड कर हार्ड कापी निकाल लें।

बीकानेर नगर निगम

नगर निगम मार्ग, बीकानेर (राजस्थान) फैक्स :- 0151-2226906, फोन :- 0151-2226902, 0151-2226905
E-Mail Address :- nagarnigambikaner@gmail.com, Web Site :- www.bikanermc.org

क्रमांक/निर्माण/2025-26/16101 दिनांक 18.09.2025

अल्पकालीन ई- निविदा-सूचना सं0 105/2025-26

नगर निगम बीकानेर की ओर से विभिन्न कार्यो (कुल 01 कार्य) के लिये केन्द्र व राज्य सरकार के अभियांत्रिकी विभागों में "ऐऐ", "ए" श्रेणी में पंजीकृत संवेदको एवं नगर निगम में उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत निविदादाताओं से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूमेंट प्रक्रिया से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट http://www.bikanermc.org Web site www.SPPP.raj.nic.in से व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

निविदा की कुल लागत 34.61 लाख
UBN Number DLB2526WSOB18864

आयुक्त
राज.संवाद/सी/25/10616 नगर निगम, बीकानेर

बीकानेर नगर निगम

नगर निगम मार्ग, बीकानेर (राजस्थान) फैक्स :- 0151-2226906, फोन :- 0151-2226902, 0151-2226905
E-Mail Address :- nagarnigambikaner@gmail.com, Web Site :- www.bikanermc.org

क्रमांक/निर्माण/2025-26/16101 दिनांक 18.09.2025

अल्पकालीन ई- निविदा-सूचना सं0 105/2025-26

नगर निगम बीकानेर की ओर से विभिन्न कार्यो (कुल 01 कार्य) के लिये केन्द्र व राज्य सरकार के अभियांत्रिकी विभागों में "ऐऐ", "ए" श्रेणी में पंजीकृत संवेदको एवं नगर निगम में उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत निविदादाताओं से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूमेंट प्रक्रिया से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट http://www.bikanermc.org Web site www.SPPP.raj.nic.in से व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

निविदा की कुल लागत 34.61 लाख
UBN Number DLB2526WSOB18864

आयुक्त
राज.संवाद/सी/25/10616 नगर निगम, बीकानेर

आर्मी जवान को अज्ञात वाहन ने कुचला, मौत

- सिर के ऊपर से निकला टायर, दोस्त गंभीर घायल, सात दिन पहले छुट्टी पर आए थे

नोखा, (निसं)। यहां छुट्टी पर घर आए आर्मी जवान की हादसे में मौत हो गई। दोस्त के साथ होटल पर खाना खाने जाते समय जवान की बाइक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसा देर रात करीब 11 बजे हुआ चरकड़ा के पास हुआ।

एसआई सुरेश भादू ने बताया कि माडिया गांव निवासी सीताराम बिश्नोई (28) साल 2014 में सेना में भर्ती हुए थे। वे आर्मी की 19 पंजाब यूनिट में सिक्किम में चाइना बॉर्डर पर गंगटोक में पोस्टेड थे। 7 दिन पहले छुट्टी पर घर आए थे। रात को वह बीकासर निवासी अपने दोस्त मनीष के साथ बाइक पर चरकड़ा के पास एक होटल पर खाना खाने जा रहे थे। इसी दौरान एक अज्ञात वाहन ने इनकी बाइक को टक्कर मार दी। वाहन का टायर जवान सीताराम के सिर के ऊपर से निकल गया, जिससे उनकी मौत हो गई। वहीं मनीष को गंभीर चोट आई है। वहां से गुजर रहे लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों को नोखा के जिला अस्पताल लाए, जहां से मनीष को बीकानेर रेफर कर दिया। वहीं जवान सीताराम के शव को मोचरी में रखवा दिया। एसआई ने बताया कि पुलिस ने सेना और परिजनों को सूचना दी। सेना के अधिकारियों के आने के बाद पोस्टमॉर्टम किया गया। पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश कर रही है।

मुआवजा नहीं मिलने से किसानों में नाराजगी

सरवाड़, (निसं)। सरवाड़ में बारिश के चलते फसलें बर्बाद होने के बावजूद शहर के किसानों को कोई मुआवजा नहीं मिलने से नाराजगी प्रकट की। सरवाड़ पटवार हल्का क्षेत्र के किसानों ने बताया कि खरीफ फसल वर्ष 2024 में अतिवृष्टि होने के बावजूद किसानों के खाते में अनुदान नहीं आने से किसानों में रोष देखने को मिल रहा है। किसानों ने बताया कि क्षेत्र के कई बार पटवारी अधिकारियों को अवगत करवाने के बावजूद उनकी लापरवाही के चलते किसानों को उचित मुआवजा नहीं मिलने से संकट पैदा हो गया। वहीं इस वर्ष भी बारिश ने सभी फसलों को बर्बाद कर दिया, जिसके चलते पशुपालन संकट हो गया। वहीं दो दिन हुई बारिश के बाद खेतों में पानी भरने से कटी हुई फसलें नष्ट हो गई जिससे किसानों पर दुख का संकट पैदा हो गया।

पिकअप व ऑटो की भिड़ंत में एक युवक की मौत

सादुलपुर, (निसं)। सादुलपुर-सिद्धमुख सड़क पर स्थित गांव किशनपुरा के नजदीक शुक्रवार व शनिवार की देर रात्रि हुए दर्दनाक सड़क हादसे में पिकअप और ऑटो की हुई जबरदस्त भिड़ंत में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो युवक गंभीर रूप से घायल होने के साथ-साथ ऑटो चालक घायल हो गया। युवक बीकानेर से परीक्षा देकर तथा ऑटो किराए पर कर अपने गांव जा रहे थे।

थाना अधिकारी राजेश कुमार सिहाग ने बताया कि सुमित कुमार निवासी किशनपुरा ने मामला दर्ज करवाकर बताया कि गांव किशनपुरा निवासी अमित अपने साथियों मनफूल, सोनू सिंह के साथ 19 सितंबर को परीक्षा देकर रात्रि के समय टेंपो से सादुलपुर से अपने गांव लौट रहे थे। रात करीब 11.35 बजे बामणों वाले कुण्ड के पास सामने से आ रही पिकअप के चालक ने तेज गति व लापरवाही से गलत साइड में वाहन चलाते हुए ऑटो को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ऑटो दो हिस्सों में बंट गया। हादसे में किशनपुरा निवासी अमित की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि मनफूल को गंभीर चोटों के चलते पहले शहर के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां से उसे हिसार रेफर किया गया। सोनू सिंह को पहले राजगढ़ और फिर चूरू अस्पताल में भर्ती कराया गया। सुनील को हल्की चोटें आई और उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। ऑटो चालक अब्दुल रफीक भी घायल हुआ है, जिसका इलाज चल रहा है। घटना के बाद पिकअप चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने घटना का मौका निरीक्षण किया तथा मृतक युवक के शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव उसके परिजनों को सौंप दिया और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सरकारी टीचर ने छात्रा से छेड़छाड़ का प्रयास किया

- एक महीने से परेशान करने का आरोप, पॉक्सो में केस दर्ज

अनूपगढ़, (निसं)। यहां एक सरकारी स्कूल के शिक्षक पर नाबालिग छात्रा से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। घड़साना पुलिस थाने में पीड़िता और उसके परिजनों ने शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, सरकारी स्कूल में कक्षा 7 में पढ़ने वाली 12 वर्षीय छात्रा के साथ टीचर जयपाल मीणा ने अश्लील हरकतें कीं। आरोपी शिक्षक पिछले एक महीने से छात्रा को गलत नीयत से छू रहा था। छात्रा घर पहुंची, तो वह डरी और सहमी हुई थी। शुरुआत में उसने कुछ नहीं बताया। मां के बार-बार पूछने पर उसने पूरी घटना बताई। छात्रा ने बताया कि शिक्षक ने उसे किसी को नहीं बताने की धमकी भी दी थी। एसएचओ महावीर प्रसाद बिश्नोई ने बताया कि आरोपी शिक्षक के खिलाफ पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

कार्यालय नगरपालिका तारानगर (चूरू) राज.

Office Telephone No. 01561-240245, E-mail- eotrn2009@gmail.com

क्रमांक :- /न.पा.ता./2025-26/3235-39 दिनांक :- 17.09.2025

ई-निविदा सूचना 07/2025-26

सर्व साधारण एवं पंजीकृत ठेकेदारों/फर्मो की जानकारी हेतु प्रसारित किया जाता है कि तारानगर नगरपालिका क्षेत्र में नगरपालिका तारानगर द्वारा स्वीकृत कार्य ऑनलाईन निविदाऐ आमंत्रित की जाती है। नगरपालिका तारानगर द्वारा नगरपालिका, राज्य व केन्द्र सरकार के सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों को कार्य हेतु पंजीकृत संवेदकों से टेण्डर के माध्यम से दिनांक 19.09.2025 से दिनांक 03.10.2025 को निविदा ऑनलाईन आमंत्रित की जायेगी। जिसकी निविदा से सम्बन्धित अन्य विवरण व शर्ते वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in & https://sppp.rajasthan.gov.in/ पर देखी जा सकती है।

NIB CODE	UBN NO.
DLB2526A6133	DLB2526WSOB18921
	DLB2526WSOB18923
	DLB2526WSOB18929
	DLB2526WSOB18934

अधिशाषी अधिकारी
राज.संवाद/सी/25/10592 नगरपालिका तारानगर

जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड

Website : http://energy.rajasthan.gov.in/jvvnl, कार्यालय सहायक अभियन्ता (कोटा संभाग)

ई - निविदा सूचना

जयपुर डिस्कॉम के क्षेत्राधिकार में निम्न कार्य हेतु दो भागों में ई-निविदा (तकनीकी-वाणिज्यिक) एआरडी 2023 पर योग्य निविदादाताओं से भरण दर पर आमंत्रित किये जाते है- बूंदी वृत्त में सहायक अभियंता (पवस), जेपीडी, लाखेरी के अधीन मैसर्स उत्तराना लिफ्ट सिंचाई परियोजना, सहायक अभियंता, जल संसाधन विभाग, बूंदी के पक्ष में टीएन-37/2025-26 के अंतर्गत नव 845 एचपी (डीडी 630 केवीए) एचटी-एलआईपी कनेक्शन जारी करने हेतु। (UBN:VVN2526WSOB00428)। झालावाड़ वृत्त में टीएन-38/2025-26 के अंतर्गत सहायक अभियंता (पवस), जेपीडी, खानपुर के अधीन पवन परियोजना के कनेक्शन जारी करने के लिए मौजूदा 33/11 केवी सबस्टेशन मालनवासा से पंपिंग स्टेशन-1 (खानपुर) तक 2 किलोमीटर 11 केवी लाइन के निर्माण कार्य हेतु। (UBN:VVN2526WSOB00429), कोटा वृत्त में टीएन-39/2025-26 के अंतर्गत सहायक अभियंता (पवस) जेपीडी, दीगोद के अधीन अधीशाषी अभियंता, जल संसाधन परवन परियोजना, खसरा नं0 149 एवं 150 डाबाद (हरिपुरा), दीगोद के पक्ष में CL 3600 KW तथा CD 4000 KVA क्षमता का नया एचटी-एलआईपी कनेक्शन जारी करने हेतु। (UBN:VVN2526WSOB00430) योग्य निविदादाता सम्पूर्ण निविदा सम्बन्धित दस्तावेज ई-प्रोक्योरमेन्ट पोर्टल http://www.eproc.rajasthan.gov.in पर दिनांक 23.09.2025 से डाउनलोड कर सकते है। टीएन-37 व टीएन-38 के लिए निविदाएं ऑनलाईन ई-पोर्टल पर दिनांक 29.09.2025 को सांय 05:00 बजे तक व टीएन-39 के लिए दिनांक 06.10.2025 को सांय 05:00 बजे तक ही प्रस्तुत की जा सकती है। निविदा सम्बन्धी जानकारी, कार्य का विवरण इत्यादि जयपुर विद्युत वितरण निगम की वेबसाईट http://energy.rajasthan.gov.in/jvvnl, http://www.sppp.rajasthan.gov.in & http://www.eproc.rajasthan.gov.in से प्राप्त की जा सकती है।

राज.संवाद/सी/25/10620 जेडीजेसी - 3060 (2025) संभागीय मुख्य अभियंता (कोटा संभाग)
बिजली शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6507

स्कार्पियो गाड़ी से 10 लाख रूपये का डोडा पोस्त एवं नौ जिंदा कारतूस बरामद

ब्यावर, (निसं)। पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ कार्रवाई कर स्कार्पियो गाड़ी से सवा क्विंटल अवैध मादक पदार्थ डोडा-पोस्त एवं नौ जिन्दा कारतूस बरामद किये हैं। जब्त अवैध मादक पदाथ डोडा-पोस्त की अनुमानित बाजार कीमत करीब 10 लाख रूपये बताई गई है।

जिला पुलिस अधीक्षक रतन सिंह आईपीएस के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भूपेन्द्र शर्मा, आरपीएस एवं वृत्ताधिकारी वृत्त मसूदा सज्जन सिंह आर.पी.एस के निकटतम सुपरविजन में थाना अधिकारी पुलिस थाना बिजयनगर मय टीम द्वारा अवैध मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक स्कार्पियो एन से 125.510 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा-पोस्त व नौ बारह बोर गन के नौ जिन्दा कारतूस बरामद किये है। गौरतलब है कि 19 सितम्बर को पुलिस थाना बिजयनगर पर विशेष सूत्र से सूचना मिली कि हनुतियां माताजी मन्दिर रोड बिजयनगर पर एक सफेद रंग की स्कार्पियो एन लावारिस खड़ी है, जिसमें भारी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ भरा हो सकता है, जिस पर पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए हनुतियां माताजी मन्दिर रोड पहुंचे, जहां पर सूचना अनुसार एक स्कोर्पियो एन खड़ी मिली, जिसके वाहन चालक की आस-आस तलाश की गई तो वाहन चालक फरार हो चुका था, जिससे गाड़ी संदिग्ध प्रतीत होने पर तलाशी ली गयी तो गाड़ी के अन्दर सात कट्टों मे डोडा-पोस्त भरा मिला, जिनका वजन किया गया तो कुल 125.51 किलोग्राम हुआ। गाड़ी के अन्दर बारह बोर गन के नौ जिंदा कारतूस मिले जिनको जब्त कर अज्ञात आरोपियों की तलाश शुरू की गई। पुलिस टीम में इन्द्र सिंह स.उ.नि. थाना प्रभारी बिजयनगर गोपीराम हैड कांनि. और कांस्टेबल नीरज कुमार, बलवीर सिंह आदि थे।

पुलिस ने स्कार्पियो गाड़ी से सवा क्विंटल डोडा-पोस्त बरामद किया।

- सड़क पर खड़ी लावारिस स्कार्पियो एन में भारी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ भरा होने की सूचना पर कार्रवाई की

अफीम दूध के साथ एक गिरफ्तार : जोधपुर में जिला ग्रामीण की स्पेशल टीम ने अवैध अफीम के दूध के साथ एक तस्कर को पकड़ा है। उसके पास से पुलिस ने दो किलो 70 ग्राम अवैध अफीम का दूध बरामद किया है। आरोपी को पकड़ने के लिए पुलिस को घेरा डालना पड़ा। कार्रवाई में खेड़ापा पुलिस भी साथ रही।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक नारायण टोगस ने बताया कि अवैध मादक पदार्थ की तस्करी की रोकथाम के लिए डीएसटी व पुलिस थाना खेड़ापा ने संयुक्त कार्रवाई कर अफीम तस्कर खेड़ापा के अरनियानाडा निवासी सुरेश पुत्र रमेशराम विश्नोई को पकड़ा है। विशेष अभियान के तहत एसपी भोपाल सिंह लखावत के निकट सुपरविजन एवं उपाधीक्षक भूराराम खिलेरी के निर्देशन में जिला विशेष टीम के कांस्टेबल राकेश नेहरा की सूचना पर यह कार्रवाई की गई। कस्बा बावड़ी में खेड़ापा थानाधिकारी लाखाराम, डीएसटी प्रभारी श्रवण कुमार भवंरिया के नेतृत्व में अणवाणा तिराहा के पास एचपी पेट्रोल पम्प के सामने संदिग्ध व्यक्ति की घेराबंदी कर नाम-पता पूछा तो अपना नाम सुरेश पुत्र रमेशराम विश्नोई होना बताया।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता एवं परियोजना प्रबंधक वाटरशेड सेल कम डाटा सेन्टर जिला परिषद जालोर

क्रमांक : एफ( )/निविदा/2025-26/1854-1858 दिनांक 18.09.2025

NOTICE INVITING BID
NIT NO 24-28/ 2025-26

Bids for NRM Works Under PMKSY-2.0 project area in Jalore and Sanchore of estimated Value INR 1259.58 Lacs are invited from interested bidders Up to 3.00 PM 08-10-2025, Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https//eproc.rajasthan.gov.in or https://Sppp.rajasthan.gov.in/) of the state.

NIT NO.	Work Name & Block	NIB NO.	UBN NO.
NIT-24/2025-25	Sub Surface Beriour, Nadi, Anicut, Khadin and Rooftop Tanka (Ahore)	WSC2526A0736	WSC2526WSRC01278
NIT-25/2025-25	Sub Surface Beriour, Nadi, Anicut, Sunken Pond, Khadin with pakka weist wear, Farm Pond, Tanka with Agor and Rooftop Tanka (Ahore)	WSC2526A0738	WSC2526WSRC01280
NIT-26/2025-25	Tanka and Farm Pond Nirman (Sanchore)	WSC2526A0739	WSC2526WSRC01281
NIT-27/2025-25	Anicut/Pakka check Dam, Farm Pond, Khadin, Amritsarovar, Mini Parcolation Tank, Parcolation Tank, Earthen Check Dam, Sunken Pond and Recharge Shaft (Jaswantpura)	WSC2526A0740	WSC2526WSRC01282
NIT-28/2025-25	Anicut/Pakka check Dam, Farm Pond, Khadin, Amritsarovar, Mini Parcolation Tank, Parcolation Tank, Earthen Check Dam, Sunken Pond and Recharge Shaft (Chitalwana)	WSC2526A0741	WSC2526WSRC01284

(Laxman Singh Sandu)
SE & PMWCDC,
ZILA PARISHAD, JALORE
DDO CODE NO. 28606

Raj.Samwad/C/25/10621

एक करोड़ रु. से ज्यादा की स्मैक जब्त, दो महिला तस्कर गिरफ्तार

530 ग्राम अवैध मादक ''स्मैक'' के साथ पुलिस ने पकड़ा

जयपुर (कासं)। जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल जिला स्पेशल टीम (क्राइम ब्रांच सीएसटी) ने प्रताप नगर थाना इलाके में ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ स्मैक की तस्करी करने वाली दो महिला तस्करों को गिरफ्तार कर उनके पास से 530 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक जब्त किए है। पुलिस के अनुसार जब्त की गई स्मैक की अंतर्राष्ट्रीय बाजार कीमत एक करोड़ 10 लाख रुपये है। जो झालावाड़ से जयपुर सप्लाई होने आई थी। फिलहाल आरोपित महिला तस्करों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त (अपराध) अभिजीत सिंह ने बताया कि जयपुर पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत प्रताप नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ स्मैक की तस्करी करने वाली महिला तस्कर 30 वर्षीय रेखा सांसी और 28 वर्षीय नगीना सांसी को गिरफ्तार किया है और दोनों ही आरोपित महिलाएं लाडनू जिला नागौर हाल कानोता जयपुर की रहने वाली है। पुलिस ने आरोपित महिलाओं के पास से 530 ग्राम ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक भी जब्त किए गए है। पुलिस जांच में सामने

■ **झालावाड़ से नशे की खेप जयपुर में सप्लाई करने आई थी दोनों तस्कर**

आया कि आरोपित महिलाएं यह स्मैक अमिता सांसी उर्फ मोटी पत्नि धरमू सांसी निवासी जयपुर के लिए झालावाड़ जिले से लेकर आना बताया है। जो इलाके में एक-एक ग्राम की पुड़िया बना कर आते-जाते ग्राहकों को बेचती है। वहीं जब्त स्मैक की अंतर्राष्ट्रीय बाजार कीमत एक करोड 10 लाख रुपये है। पुलिस आरोपित महिला तस्करों से अवैध मादक पदार्थ स्मैक की खरीद-फरोख्त के बारे में पूछताछ कर रही है।

वैशाली नगर इलाके में कितने हैं अतिक्रमण और उन्हें हटाने की क्या है कार्य योजना?

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने जेडीए से पूछा है कि शहर के वैशाली नगर इलाके को जोड़ने वाली सड़कों पर कितने अतिक्रमण हैं और उन्हें हटाने की क्या कार्य योजना है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह और जस्टिस भुवन गोयल की खंडपीठ ने यह आदेश हर्ष कुमार की अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। वहीं खंडपीठ ने जेडीए सचिव को शपथ पत्र पेश कर बताने को कहा है कि यहां की क्वींस रोड, गांधी पथ, आम्रपाली मार्ग और वैशाली मार्ग की रोड की कितनी चौडाई है।

सुनवाई के दौरान अदालती आदेश की पालना में जेडीए के मुख्य प्रवर्तन अधिकारी आदर्श चौधरी और उपायुक्त रामवतार सिंह ताखर अदालत में पेश हुए। मुख्य प्रवर्तन अधिकारी ने अतिक्रमण को लेकर जवाब पेश करने के लिए अदालत से समय मांगा। इस पर अदालत ने उन्हें समय देते हुए जेडीए सचिव से अतिक्रमण और रोड की चौडाई को लेकर जानकारी पेश करने को कहा है। याचिका में अधिवक्ता वैष्णवी ने बताया कि वैशाली नगर से जुडी सड़कों पर अतिक्रमण को लेकर हाईकोर्ट ने इस संबंध में पेश अभ्यावेदन को तय करने और अतिक्रमण हटाने को कहा था। इसके बावजूद भी जेडीए की ओर से प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई।

वहीं जेडीए की ओर से अधिवक्ता अमित कुड़ी ने अदालत को बताया कि एरिया की कई कॉलोनियों में गेट बने हुए हैं। ट्रैफिक कंट्रोल बोर्ड में निर्णय लिया गया है कि सुरक्षा की दृष्टि से इन गेटों को अनुमति दी जा सकती है। वहीं अन्य अतिक्रमण को लेकर उचित कार्रवाई की जाएगी। इस पर अदालत ने जेडीए सचिव को एरिया को जोड़ने वाली वाले इन चार मुख्य रास्तों की चौड़ाई की जानकारी मांगने के साथ ही मौके पर मौजूद अतिक्रमणों संख्या और उन्हें हटाने की कार्य योजना पेश करने को कहा है।

सार-समाचार

महिलाओं-बालिकाओं को किया जागरूक

जयपुर । महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ होने वाली छेड़छाड़, छींटाकशी इत्यादि घटनाओं की प्रभावी रोकथाम के लिए पुलिस मुख्यालय राजस्थान जयपुर की ओर से तीस सितम्बर तक चलाये जा रहे जन जागरूकता अभियान ऑपरेशन गरिमा चलाया जा रहा है। इस अभियान के दौरान जयपुर शहर में आमजन, महिलाओं एवं बालिकाओं को जागरूक किया जा रहा है। जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसेफ ने बताया कि अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर योगेश दाधीच के निर्देशन में अभियान के तहत कालिका पेट्रोलिंग यूनिट महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा करते हुए तत्पर दिखाई दे रही है। विभिन्न सार्वजनिक स्थानों यथा शैक्षिणक संस्थान, गर्ल्स हॉस्टल, पीजी, मॉल्स, पार्क व भीड़भाड़ वाले स्थानों पर ड्यूटी करते हुए महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ छेड़छाड़, छींटाकशी कर अश्लील हरकत करने व कॉलेज एवं स्कूल में पढ़ने वाली बालिकाओं का पीछा कर परेशान करने तथा छेड़छाड़ करने वाले असामाजिक तत्वों और मनचलों के खिलाफ कार्यवाही करते हुए एवं निर्भया हेल्पलाइन नंबरों पर प्राप्त शिकायतों का त्वरित निस्तारण करते हुए अभियान के दौरान कुल दो मनचलों / असामाजिक तत्वों के खिलाफ कार्यवाही कर विभिन्न थानों में गिरफ्तार करवाया। अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर योगेश दाधीच के निर्देशन में अभियान के तहत कालिका पेट्रोलिंग यूनिट विभिन्न स्कूल, कॉलेज, कॉलोनी, मोहल्ला इत्यादि में जाकर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन कर एवं बस स्टैण्ड, परिवहन संसाधन लो फ्लोर बस सिटी बस, मिनी बस, अन्य पब्लिक ट्रांसपोर्ट संसाधनों में यात्रा करते हुए महिलाओं एवं बालिकाओं को उनकी सुरक्षा के प्रति व कानूनों के बारे में जानकारी देकर 22,055 महिलाओं और बालिकाओं को जागरूक किया गया। इसके साथ ही प्रोग्राम का सुपरविजन कर रही अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, रानू शर्मा के नेतृत्व में अभियान ऑपरेशन गरिमा के तहत निर्भया स्क्वॉड की मास्टर ट्रेनर द्वारा विभिन्न स्कूल, कॉलेज, महाविद्यालय में जाकर 10 हजार 133 छात्र-छात्राओं को आत्मरक्षा प्रशिक्षण व हेल्पलाइन नम्बरों की जानकारी दी गई व 840 महिलाओं और बालिकाओं को राजकोप सिटीजन एप के बारे में जानकारी देकर डाउनलोड करवाया गया।

शेफ डॉ.सौरभ शर्मा को अवार्ड मिला

जयपुर । राजस्थानी पाक-कला में उल्लेखनीय कार्य कर रहे सेलिब्रिटी डॉ शेफ सौरभ शर्मा को 'एमयूजे एक्सीलेंस अवॉर्ड्स - डॉ. रामदास एम पाई अवार्ड फॉर प्रोफेशनल एक्सीलेंस' से सम्मानित किया गया। मणिपाल यूनिवर्सिटी जयपुर की ओर से आयोजित हुए इस कार्यक्रम में शेफ को 2024-25 में विश्वविद्यालय के समग्र विकास में उत्कृष्ट प्रदर्शन और असाधारण क्षमता का प्रदर्शन करने हेतु इस सम्मान से नवाजा गया। मणिपाल यूनिवर्सिटी से प्रोवोस्ट प्रोफे नीतू भटनागर, यूनिवर्सिटी के प्रो प्रेसिडेंट प्रोफे करुणाकर ए. कोटेगर ने शेफ को सम्मान प्रदान किया। इस दौरान यूनिवर्सिटी प्रेसिडेंट प्रोफ़े नीति निपुण शर्मा, रजिस्ट्रार डॉ अमित सोनी, डीन प्रोफे ब्रजेश कुमार सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। अपनी इस उपलब्धि के बारे में शेफ सौरभ ने कहा कि मुझे काफ़ी ख़ुशी है कि राजस्थानी पाक में मेरी कोशिशों को इस तरह सरहाया जा रहा है। यह सम्मान केवल मेरी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं बल्कि एक साझा सम्मान है। एमयूजे की प्रतिभाशाली टीम के साथ इस अद्भुत यात्रा को आगे बढ़ाने के लिए मैं सदेव तत्पर हूं।

अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस समारोह आज

जयपुर । राजधानी जयपुर पहली बार गवाह बनेगा अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस समारोह का, जो अल्बर्ट हॉल म्यूजियम प्रांगण में रविवार सुबह 6 से 7:30 बजे तक आयोजित होगा। वैश्विक आध्यात्मिक गुरु और आर्ट ऑफ लिविंग के प्रणेता श्री श्री रविशंकर के इस वक्तव्य और आचरण से प्रेरित होकर इस आयोजन का नेतृत्व आर्ट ऑफ लिविंग जयपुर की ओर से किया जायेगा। इस कार्यक्रम में संगीतमय प्रस्तुतियाँ, ध्यान सत्र और शांति और सद्भाव का सामूहिक संदेश दिए जाएंगे। आर्ट ऑफ लिविंग राजस्थान मीडिया प्रभारी डॉ आभा पाराशर ने बताया, 'यह केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि पूरी दुनिया को एक शक्तिशाली संदेश है – कि जयपुर शांति, करुणा और एकता के लिए खड़ा है।' गौरतलब है कि गुरुदेव श्री श्री रविशंकर आगामी नवम्बर माह में जयपुर पधारेंगे।

बनाना चैट का आयोजन आज

जयपुर । बनाना चैट के दसवें संस्करण का आयोजन रविवार को शाम 5:30 बजे यहां नारायण निवास पैलेस के द कनोता कोट्यार्ड में होगा। सत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, भविष्य, अमूर्त्तता, नवाचार और भविष्य पर चर्चा होगी। एकेएफडी स्टूडियो और अनंतया, अर्बन स्टूडियो की ओर से होने वाले इस सत्र का संचालन अतिथि वक्ता अर्बन स्टूडियो की सह-संस्थापक आर्किटेक्ट अमीषा करेंगी। डिजाइन और वास्तुकला में नए दृष्टिकोण लाने के लिए अमूर्त्तता नवाचार को कैसे आकार देती है, इसी विषय पर गहन चर्चा होगी।

'पं. उपाध्याय की नीतियां प्रासंगिक'

जयपुर । विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शनिवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति व्याख्यान के पोस्टर का विमोचन किया। यह कार्यक्रम पंडित दीनदयाल स्मृति समारोह समिति द्वारा आयोजित किया गया। देवनानी ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय की नीतियां आज भी पूरी तरह प्रासंगिक हैं। स्वावलंबन और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में उनके विचार मार्गदर्शक हैं। उन्होंने बताया कि 25 सितंबर को पंडित उपाध्याय की 109वीं जयंती धानक्या में राष्ट्रीय स्मारक स्थल पर मनाई जाएगी। समिति अध्यक्ष प्रो. मोहनलाल छीपा ने बताया कि जयंती कार्यक्रम में राज्यपाल हरिभाऊ बागडे मुख्य अतिथि होंगे। उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा विशिष्ट अतिथि और विजेंद्र सिंह अध्यक्षता करेंगे, जबकि मुख्य वक्ता अरुण जैन होंगे। इस अवसर पर उपाध्याय पर शोध करने वाले शोधार्थियों को सम्मानित भी किया जाएगा।

देवनानी की सांसद सिरोया से मुलाकात

जयपुर । विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से शनिवार को यहां कांस्टीट्यूशन क्लब ऑफ़ राजस्थान में कर्नाटक से राज्यसभा सांसद लहर सिंह सिरोया ने शिष्टाचार मुलाकात की। देवनानी का सिरोया ने पुष्प गुच्छ भेंट कर अभिवादन किया। देवनानी की सिरोया से राज्यसभा, कर्नाटक और राजस्थान के संबंध में बातचीत हुई। इसी प्रकार देवनानी से राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की अखिल भारतीय कार्यकारिणी के सदस्य सुरेश सोनी की शिष्टाचार मुलाकात हुई। देवनानी ने सोनी को विधानसभा में नवाचारों का एक वर्ष और भारत की महान राष्ट्रीय विभूतियां पुस्तक भेंट की।

चेन स्नैचर सोनू सिंह गिरफ्तार

जयपुर । जवाहर नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन माह से फरार चल रहे एक शातिर चेन स्नैचर को धर-दबोचा है। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है। थानाधिकारी महेश चंद्र गुर्जर ने बताया कि तीन माह से फरार चल रहे शातिर चेन स्नैचर सोनू सिंह निवासी छोटी चौपड जयपुर को गिरफ्तार किया है।

लिव-इन-पार्टनर पर दुष्कर्म का आरोप

जयपुर । जामडोली इलाके में तीन साल से लिव इन रिलेशन शिप में रहे रहीं युवती ने अपने पार्टनर पर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। थानाधिकारी मनोज कुमार ने बताया जयसिंहपुरा खोर निवासी 23 वर्षीय युवती ने मामला दर्ज कराया है कि आरोपी उसकी के गांव का रहने वाला है। जिसके चलते आरोपी से बातचीत होती रहती थी। इसी दौरान दोनो में दोस्ती हो गई और फिर प्यार हो गया। प्रेम जाल में फंसा कर आरोपी उसे घर से भगा लाया । जिसके बाद वो दोनो लिव इन रिलेशनशिप में रहने लगे। इसी दौरान आरोपी तीन साल तक उसे शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करता रहा। पीड़िता ने शादी का दबाव बनाया तो आरोपी ने शादी करने से इनकार कर दिया और मारपीट कर उसे घर से बाहर निकाल दिया। धोखे का एहसास होने पर पीड़िता ने आरोपी लिव-इन पार्टनर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

विधायक सराफ ने लगाए मेडिकल कैंप

जयपुर । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर चल रहे सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत मालवीय नगर विधायक कालीचरण सराफ ने शनिवार को वार्ड 126 स्थित शिव पार्क, मालवीय नगर और वार्ड 149 स्थित गुरु गोविंद सिंह पार्क, राजा पार्क में निशुल्क मेडिकल कैंप की शुरुआत की। इस अवसर पर विधायक सराफ ने बताया कि यह सेवा अभियान पूरे मालवीय नगर विधानसभा क्षेत्र में चलाया जाएगा। उन्होंने कहा, ''आज दो वार्डों से शुरुआत की गई है, जल्द ही सभी 26 वार्डों में इसी तरह के निशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाए जाएंगे। कार्यक्रम में नटवर कुमावत ने जानकारी दी कि दोनों कैंपों में 400 लोगों ने स्वास्थ्य जांच कराई और डॉक्टरों से परामर्श लिया। इस अवसर पर महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष सुमन शर्मा, जयपुर शहर उपाध्यक्ष ब्रह्म कुमार सैनी, पार्षद ओम स्वामी समेत कई लोग मौजूद थे।

परीक्षा में देरी से पहुंचे तो पुलिस ने गेट पर ही रोका

चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी भर्ती परीक्षा के दूसरे दिन शनिवार को कुछ युवा सीकर रोड स्थित शहीद मेजर योगेश अग्रवाल राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल में देरी से पहुंचे। परीक्षा केन्द्र में एंट्री का समय पूर्ण होने के बाद स्कूल के दरवाजे बंद कर दिए गए, ऐसे में कुछ युवा परीक्षा में शामिल नहीं हो पाए। पुलिसकर्मियों ने भी उनसे समझाइश कर वापस घर लौटाया।

नशीली कोल्ड ड्रिंक पिलाकर दुष्कर्म किया

जयपुर (कासं)। चाकसू इलाके में एक परिचित ने युवती को बाइक पर बिठाया और नशीली कोल्ड-ड्रिंग पिलाकर बेहोशी की हालत में उसके साथ दुष्कर्म किया। आरोपी ने नशे की हालत में युवती का अश्लील विडियो भी बनाया और वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करने लगा। धमकियों से परेशान होकर युवती ने मामले की जानकारी परिजनों को दी। जिसके बाद परिजनों ने युवती को थाने ले जाकर आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया। पुलिस ने युवती के बयानों के आधार पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज उसकी तलाश शुरु कर दी है।

पुलिस ने बताया कि थाना इलाके में रहने वाली 18 साल की युवती का आरोप है कि 15 अगस्त को वह पैदल अपने घर लौट रही थी। तभी रास्ते में परिचित मिला और उसे घर छोड़ने का झांसा देकर बाइक पर बिठा लिया। सीतापुरा इलाके में ले जाकर आरोपी ने धोखे से नशीली कोल्ड ड्रिंक पिलाई और बेहोशी की हालत में उसके साथ दुष्कर्म किया । इसी दौरान आरोपी ने मोबाइल में अश्लील फोटो-वीडियो बना लिए। इस बारे में किसी को बताने पर अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी दी। अश्लील वीडियो से ब्लैकमेल कर टॉर्चर करने लगा। परेशान होकर पीड़िता ने परिजनों को आपबीती बताई। पुलिस ने युवती के बयानों के आधार पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरु कर दी है।

फंदा लगाकर विवाहिता ने की आत्महत्या

जयपुर । रामगंज थाना इलाके में फंदा लगाकर एक विवाहिता ने आत्महत्या की है। बताया जा रहा है कि दहेज के लिए ससुराल वाले विवाहिता को प्रताड़ित कर रहे थे। मरने से पहले उसने अपनी बहन को कॉल कर पति के मारपीट करने की बताया था। पुलिस ने एसएमएस अस्पताल में पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। मृतक विवाहिता के भाई ने दहेज हत्या का मामला दर्ज करवाया है।

पुलिस ने बताया कि अजमेर के मदार की रहने वाली प्रियंका (32) ने आत्महत्या की है। जिसकी फरवरी-2021 में जौहरी बाजार में रहने वाले हरीश तनेजा से प्रियंका की शादी हुई थी। राजापार्क में हरिश सरस डेयरी बूथ चलाता है। पति हरिश तनेजा ने दहेज की मांग को लेकर प्रियंका के साथ मारपीट की। जिसके बाद प्रियंका ने अपनी बड़ी बहन टीना को फोन कर कहा कि हरिश शराब पीकर मारपीट कर रहा है। लात-घूंसों से पीट रहा है। बोल रहा है मां-बाप से 1 लाख रुपए लाकर दे। झगड़े के बाद प्रियंका ने अपने कमरे में चुन्नी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों के कमरे में जाने पर प्रियंका फंदे से लटकी मिली। आत्महत्या की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मेडिकल बोर्ड से पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने मृतक प्रियंका के भाई मनीष की शिकायत पर दहेज हत्या का मामला दर्ज करवाया है।

स्मैक-गांजा सप्लायर पुलिस के हत्थे चढ़े

जयपुर । जिला स्पेशल टीम (डीएसटी) जयपुर पूर्व ने ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत जामडोली और खोह नागोरियान थाना इलाके में कार्रवाई करते हुए

अवैध मादक पदार्थ स्मैक और गांजे की सप्लाई करने वाले दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। जिनके पास से अवैध मादक पदार्थ स्मैक और गांजा जब्त किया है। फिलहाल आरोपितों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर (पूर्व) संजीव नैन ने बताया कि पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत डीएसटी (पूर्व) ने जामडोली और खोह नागोरियान थाना इलाके में कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ स्मैक और गांजे की सप्लाई करने वाले राजकुमार मीणा और तेजराम मीणा उर्फ टी. आर. को गिरफ्तार किया गया है। जिनके पास से पुलिस ने 50 ग्राम स्मैक और उच्च क्वालिटी का 112 ग्राम गांजा जब्त किया है। पुलिस आरोपितों से अवैध मादक पदार्थों की खरीद-फरोख्त के बारे मे पूछताछ करने में जुटी है।

अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त नाटक ''कर्ण'' का मंचन

जयपुर । महात्मा गांधी यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी, जयपुर के संस्थापक न्यासी स्वर्गीय श्री रामजी लाल स्वर्णकार की 22वीं पुण्य स्मृति पर शनिवार को भव्य सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अभिषेक नारायण कृत एवं कुलविंदर बख्शीश निर्देशित महाराष्ट्र श्रेष्ठ नाट्यय पुरस्कार विजेता हिंदी नाटक कर्ण का मंचन हुआ। महाभारत के महान योद्धा और दानवीर कर्ण पर आधारित इस नाटक ने उनके अदम्य साहस, दानशीलता, आत्मसम्मान और मानवीय मूल्यों को दर्शकों के सामने प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। कर्ण की भूमिका विनीता जोशी, कृष्ण की भूमिका नौहारिका भटेजा तथा अर्जुन की भूमिका फरहा ने निभाई। नाटक कर्ण के लेखक अभिषेक नारायण तथा निर्देशक ने बताया कि कर्ण की कथा अस्तित्व के संघर्षों को उकेरती है, जो नैतिक दुविधाओं की भुलभुलैया से गुजरती तो जरूर है परंतु फिर भी सत्य, ईमानदारी और अडिग प्रतिबद्धता के सिद्धांतों से विचलित नहीं होती, भले ही उसे अपने कारणों की नैतिक अस्पष्टता से सामना ही क्यों नहीं करना पड़े। नाटक कर्ण अद्वितीय वीर और महादानी कर्ण के जीवन संघर्ष, परिस्थितियों की कठोरता और नैतिक जटिलताओं को उजागर करता है, परंतु साथ ही यह भी दर्शाता है कि कर्ण सत्य, ईमानदारी और आत्मसम्मान के प्रतीक बने रहते हैं। तीन महिला कलाकारों द्वारा अभिनीत इस नाट्यय प्रस्तुति में पारंपरिक भारतीय लोक एवं मार्शल कलाओं-मयूरंज छऊ, मणिपुरी थांग-ता और कलारिपयट्टु-का समावेश किया गया, जिसने इसे और भी विशिष्ट बना दिया। नाटक कर्ण के पात्र के सशक्त अभिनय ने ने दर्शकों को आत्ममंथन, करुणा और गहन संवेदनशीलता के आवरण में ढक दिया।

संस्थापक चेयरपर्सन डॉ. एम एल स्वर्णकार ने कहा कि कार्यक्रम कला संरक्षण और युवा पीढ़ी को संस्कृति से जोड़ने का एक प्रयास है।

हैरिटेज निगम ने पांच जर्जर भवन सीज किए

जयपुर । हैरिटेज निगम की किशनपोल जोन ने पांच जर्जर भवनों को अस्थाई सीज कर दिया। कारवाई के दौरान जर्जर भवनों में रहने वाले लोगों को निकलने में निगम दस्ते को भारी मशक्कत करनी पड़ी। हंगामा बढ़ता देख निगम के अधिकारियों ने स्थानीय पुलिस प्रशासन का सहयोग किया और समझाइश कर सुरक्षित स्थान पर भेजा। कार्रवाई में एक जर्जर पार्षद कार्यालय भी सीज किया गया है। जोन उपायुक्त दिलीप भंभानी ने बताया कि पांच असुरक्षित भवनों में से तीन भवनों को खाली कराए जाने पर इन भवनों में रहने वाले लोगों ने विरोध किया। इस पर सतर्कता शाखा और स्थानीय पुलिस का सहयोग लिया। अतिरिक्त जाब्ता मंगाकर लोगों से समझाइश की गई। भवन मालिकों ने शपथ पत्र देकर 15 दिन में जर्जर हिस्से को ध्वस्त करने और शेष भवन की मरम्मत करने का आश्वासन दिया है। निगम टीम की ओर से जर्जर भवनों पर पूरी निगरानी रखी जा रही है।

सेवा पखवाड़े में सफाई अभियान चलाया

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर ''सेवा पखवाड़ा'' कार्यक्रम के तहत शनिवार को सांगानेर विधानसभा के रिद्धि-सिद्धि मण्डल के वार्ड नंबर 86 में सफाई अभियान चलाया गया। ग्रेटर निगम के उपमहापौर पुनीत कर्णावट, रिद्धि-सिद्धि मंडल अध्यक्ष दीपा नाथावत, पूर्व चेयरमैन गणेश मीना, संयोजक विकास मीना, सह संयोजक हरीश शर्मा, सह संयोजक रमाकांत कटारा, कार्यक्रम संयोजक मनोज गोतोड़, पूर्व पार्षद हुकुम कंवर और सभी बूथ कार्यकर्ता, मंडल पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने इस स्वच्छता अभियान कार्यक्रम में भाग लिया।

एस.के.आई.टी. में एलुमनाई इंटरेक्शन सैशन

जयपुर (कासं)। स्वामी केशवानंद इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मैनेजमेंट एंड ग्रामोथान (एसकेआईटी) के इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग में शनिवार को एलुमनाई इंटरेक्शन सैशन का आयोजन हुआ। कार्यक्रम के अतिथि संस्थान की पूर्व छात्रा एवं नेशनल इंटरनेट एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एनआईएक्सआई) में कार्यरत नवनीत कौर रही। कार्यक्रम की शुरुआत में डॉ. स्वाति अरोड़ा ने अतिथि का स्वागत किया तथा विभागाध्यक्ष प्रो. प्रवीण कुमार जैन ने नवनीत कौर को सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में एलुमनाई एसोसिएशन के प्रमुख प्रो. रोहित मुखर्जी ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए अपना संदेश दिया,कि एलुमनाई इंटरेक्शन सेशन छात्रों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं क्योंकि इससे

उन्हें पूर्व छात्रों के अनुभवों से सीखने और उद्योग की वास्तविक जरूरतों को समझने का अवसर मिलता है।

इस अवसर पर नवनीत कौर ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए इंटरनेट गवर्नेंस और इंटर्नशिप अवसरों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा- 'आज का युग डिजिटल है, और इंटरनेट गवर्नेंस की समझ हर इंजीनियर के लिए जरूरी है। यदि छात्र सही समय पर सही दिशा में मेहनत करें तो उनके लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर करियर की असीम संभावनाएँ हैं।' सत्र के दौरान छात्रों ने उत्साहपूर्वक प्रश्न पूछे जैसे कि 'इंटर्नशिप पाने का सबसे आसान तरीका क्या है?', 'इंटरनेट गवर्नेंस का आने वाले समय में कितना महत्व होगा?' जैसे सवालों पर नवनीत कौर ने विस्तार से उत्तर दिए। पूरा सैशन संवादात्मक माहौल में संपन्न हुआ, जहाँ विद्यार्थी केवल श्रोता नहीं रहे बल्कि सक्रिय भागीदार भी बने। फैकल्टी सदस्यों ने भी छात्रों को प्रोत्साहित किया कि वे ऐसे अवसरों का भरपूर लाभ उठाएँ। कार्यक्रम के अंत में विभागाध्यक्ष और शिक्षकों ने सुश्री नवनीत कौर का आभार व्यक्त किया। विद्यार्थियों ने इस इंटरेक्टिव सेशन को प्रेरणादायी और करियर के लिए उपयोगी बताया।

'प्रोबेशन पर कार्यरत कर्मचारी भी कोटे में नियुक्ति के हकदार'

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने जूनियर अकाउंटेंट व तहसील राजस्व अकाउंटेंट संयुक्त भर्ती-2023 से जुडे मामले में प्रोबेशन पर कार्यरत मंत्रालयिक कर्मचारियों को भी विभागीय मंत्रालयिक कोटे के 12.5 फीसदी पदों पर नियुक्ति का हकदार माना है।

वहीं प्रार्थियों को वरिष्ठता व अन्य पारिणामिक परिलाभ सहित दो महीने में नियुक्ति देने के निर्देश दिए हैं। अदालत ने विभिन्न न्यायिक फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि यदि किसी कर्मचारी की नियुक्ति नियमित चयन प्रक्रिया के जरिए स्थाई खाली पदों पर हुई है तो केवल प्रोबेशन के आधार पर उन्हें अस्थाई नहीं माना जा सकता। जस्टिस आनंद शर्मा ने यह आदेश मयंक तिवारी व अन्य की याचिकाओं को मंजूर करते हुए दिए। अदालत ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि वह प्रार्थियों की हद तक 24 दिसंबर 2024 की अंतिम चयन सूची को संशोधित करें। मामले से जुड़े अधिवक्ता अजातशत्रु मीना व मोविल जीनवाल ने बताया कि याचिकाकर्ता पीडब्ल्यूडी विभाग में एलडीसी के पद पर प्रोबेशन पर कार्यरत हैं। इस दौरान उन्होंने जूनियर अकाउंटेंट भर्ती-2023 में भाग लिया और इसकी मेरिट में भी आ गए, लेकिन उन्हें मंत्रालयिक कर्मचारी कोटे के पदों पर यह कहते हुए पात्र नहीं माना कि वे प्रोबेशन पर थे। इसे हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए कहा कि वे विधिक प्रक्रिया के तहत ही भर्ती में चयनित हुए हैं।

A Toast to Chai and Togetherness

National Chai Day, observed on September 21, 2025, is a celebration of one of the world's most beloved beverages, chai. Known for its comforting aroma and blend of spices like cardamom, ginger, cinnamon, and cloves, chai is more than just a drink; it's a cultural experience that brings people together. In India, a steaming cup of chai is part of everyday life, whether shared with family, friends, or colleagues at roadside stalls and homes alike. The day encourages tea lovers everywhere to savor this timeless brew, appreciate its heritage, and enjoy the warmth and connection it inspires across communities.

A Man For Men For Women And More...

Redford acted well into his later years, reuniting with Jane Fonda in the 2017 Netflix film "Our Souls at Night." The following year, he starred in "The Old Man & the Gun" at age 82, a film he said would be his last, although he said he would not consider retiring. "To me, retirement means stopping something or quitting something," he told CBS Sunday Morning in 2018. "There's this life to lead, why not live it as much as you can, as long as you can?"

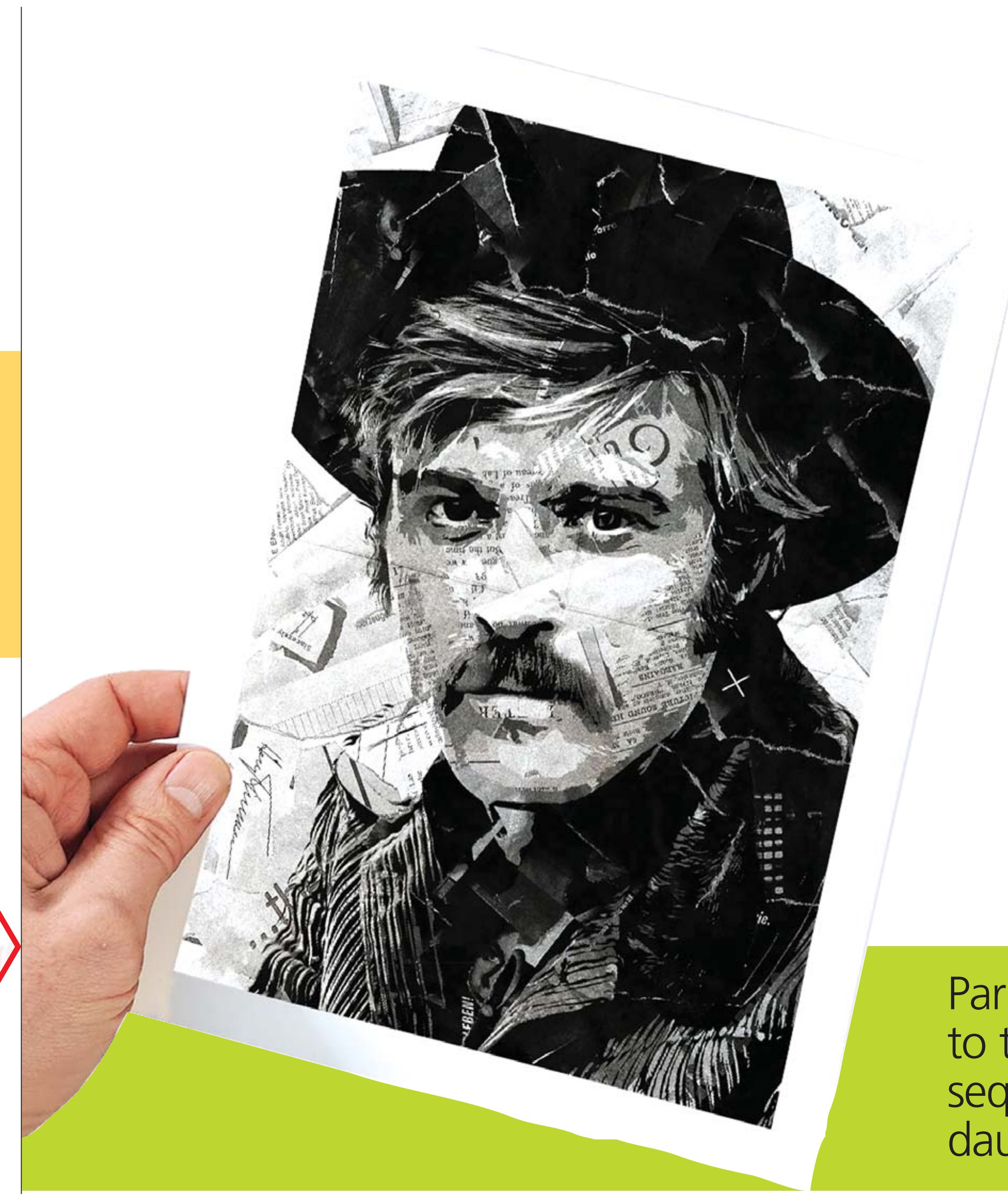

A trench coat, corduroy and earthy tones felt grounded rather than polished. It remains the reference point for men who want authority without looking styled.

Denim, dirt and western ease. Redford made utility romantic. Ralph Lauren lifted it and built an empire.

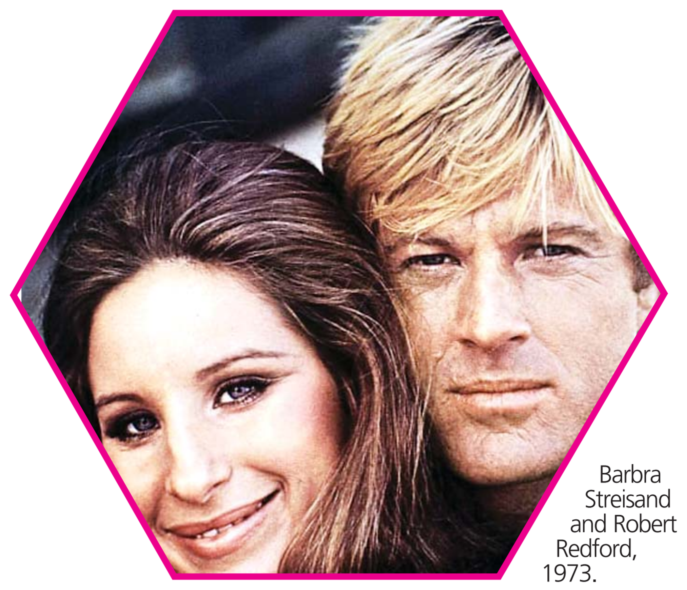

Barbra Streisand and Robert Redford, 1973.

Robert Redford and Jane Fonda pose in a promotional photo for the 1967 romantic comedy film Barefoot in the Park.

Robert Redford and Meryl Streep during production for the film Out Of Africa.

Parker revealed that she dreamt of playing Redford's daughter in a sequel to the classic Sydney Pollack film. "In Hollywood, they spoke about doing a sequel to The Way We Were, and I always thought I should play the daughter (of Redford and Barbra Streisand)," she said.

Anjali Sharma
Senior Journalist & Wildlife Enthusiast

After Paul Newman died of lung cancer at the age of 83 in 2008, Robert Redford talked to ABC about their longstanding friendship. Its inception, he explained, was their starring together in the hit 1969 film 'Butch Cassidy and the Sundance Kid.'

"It was just that connection of playing those characters and the fun of it that really began the relationship," Redford said at the time. "And then once the film started, once we went forward, we then discovered other similarities that just multiplied over time, a common ground that we both had between us, interests and so forth, and differences."

"Butch Cassidy and the Sundance Kid" was a hybrid western-buddy comedy that featured the actor pair as affable outlaws involved in a train robbery gone awry. The film went on to win four Academy Awards, including best original screenplay.

Much like their bonded onscreen characters in the film, what would follow in real life would be decades of love and admiration between the pair, who could have easily been rivals, given their positions as Hollywood heartthrobs-turned-leading men.

Redford died Tuesday "at his home at Sundance in the mountains of Utah, the place he loved, surrounded by those he loved," according to a statement from his publicist Cindi Berger, chairman and chief executive officer of Rogers and Cowan PMK. He was 89.

The two men had plenty in common. Like Newman, Redford began his career on the stage before transitioning to the silver screen. Each took their craft very seriously and it was Redford's talent, he recalled, that led Newman to fight for the younger star to play the Sundance Kid opposite his Butch Cassidy.

"He said, 'I want to work with an actor,'" Redford said. "And that was very complimentary to me, because that's, I think, how we both saw our profession, that acting was about craft and we took it seriously." Redford often credited Newman with helping to make him the multi-hyphenate star that he became because he had gone to bat for him on that film.

Their buddy energy carried them into another movie, also now considered a classic, 1973's "The Sting," which further cemented their friendship. Both wanted to be respected for their craft more so than their considerable good looks.

They were devoted family men, and at one point, lived about a mile apart from each other in Connecticut. They also both leaned into philanthropy, with Redford focusing on the environment and independent filmmaking, and Newman founding the food company *Newman's Own* whose profits he donated to charity.

Redford once reflected on Newman's commitment to The Hole in the Wall Gang Camp, which Newman first founded in 1988 to aid chronically ill children. In a video supporting the camp, Redford said that even before he started working with Newman, he thought of him as "not so much a hero, but a guy who stood up for what he believed was right."

"Playing friends, we became friends," Redford said. "And I got to experience firsthand what that meant to Paul." "So, I couldn't say enough good things about Paul, except that he had a terrible sense of humor," Redford added. "And the worst of it was that he would laugh at his bad jokes." The love was mutual. During an appearance on 'Film 82,' Newman shared that casting Redford was initially the idea of Newman's wife, the actress Joanne Woodward, who he said after reading the script and declaring it 'marvelous' told him that "the only guy who can play it is Bob Redford."

The dashing actor and Oscar-winning director who eschewed his status as a Hollywood leading man!

Known for his starring roles in "Butch Cassidy and the Sundance Kid" and "All the President's Men," Redford also directed award-winning films such as "Ordinary People" and "A River Runs Through It."

His passion for the art of filmmaking led to his creation of the Sundance Institute, a nonprofit that supports independent film and theater and is known for its annual Sundance Film Festival.

Redford was also a dedicated environmentalist, moving to Utah in 1961 and leading efforts to preserve the natural landscape of the state and the American West.

Redford acted well into his later years, reuniting with Jane Fonda in the 2017 Netflix film "Our Souls at Night." The following year, he starred in "The Old Man & the Gun" at age 82, a film he said would be his last, although he said he would not consider retiring.

"To me, retirement means stopping something or quitting something," he told CBS Sunday Morning in 2018. "There's this life to lead, why not live it as much as you can, as long as you can?"

David James Redford, the third of four children born to Robert Redford and former wife Lola Van Wagenen, had followed in his father's footsteps as an activist, filmmaker and philanthropist.

Pastel linen and the infamous pink suit embedded summer tailoring into the imagination. Every linen-suit editorial since has been chasing this look.

Butch Cassidy and the Sundance Kid.

#ROBERT REDFORD

A restless youth

Born in Santa Monica, California, near Los Angeles, in 1936, Redford's father worked long hours as a milkman and an accountant, later moving the family to a larger home in nearby Van Nuys. "I didn't see him much," Redford recalled of his father, on "Inside the Actor's Studio" in 2005.

"We have lot of fun together," Newman said of Redford. "We bounce off of each other very well." The two men had a habit of playing 'eccentric practical jokes' on each other, Newman added.

According to him, Redford once sent him a Porsche for his birthday, but one that had crashed into a tree at 130 mph without a transmission.

"It was just left in my driveway with a big bow around it," Newman recalled. "So, I had the whole thing compacted."

But that wasn't all. With the aid of the real estate agent who had rented Redford the house he was living in at the time, Newman got into the home and left the large compacted car inside his vestibule.

"It took five guys to carry this thing into his house," Newman said. "And, of course, he finally won that one because he never admitted that anything was in his house."

The heart-throb

Sarah Jessica Parker once dreamed of working with Robert Redford. The actress opened up about the legendary movie star just a few months before his death, and revealed that as a teen, she had a crush on him. In a video interview with W magazine published in June 2025, Parker, 60, was asked who she had a crush on when she was growing up. The Sex and the City star did not hesitate to name the Oscar-winning actor. "Robert Redford," Parker said in the resurfaced video clip. "Specifically, in The Way We Were. Hubbell Gardiner. I had a life-size poster of him. He has a magical kind of beauty, I don't know if you've noticed this, but when he smiles, the light does flash off his front tooth."

Parker revealed that she dreamt of playing Redford's daughter in a sequel to the classic Sydney Pollack film. "In Hollywood, they spoke about doing a sequel to The Way We Were, and I always thought I should play the daughter (of Redford and Barbra Streisand)," she said. "There was a rumor about 20 years ago that they had cast somebody else, and I thought I was going to have to be taken to a hospital. I was like, what?! It seemed so obvious to me that I was their daughter."

Fans reacted to Parker's remarks about Redford on Instagram. "Omg. Carrie…the love child of Katie and Hubbell ????," one fan wrote. "She definitely could have been cast as their daughter. I can't unsee it now," another wrote.

"This is so darling. Love her. And she's not wrong. Absolutely Hubbell and Katie's daughter," another fan agreed. "Your girl is lovely, Hubbell," another fan wrote.

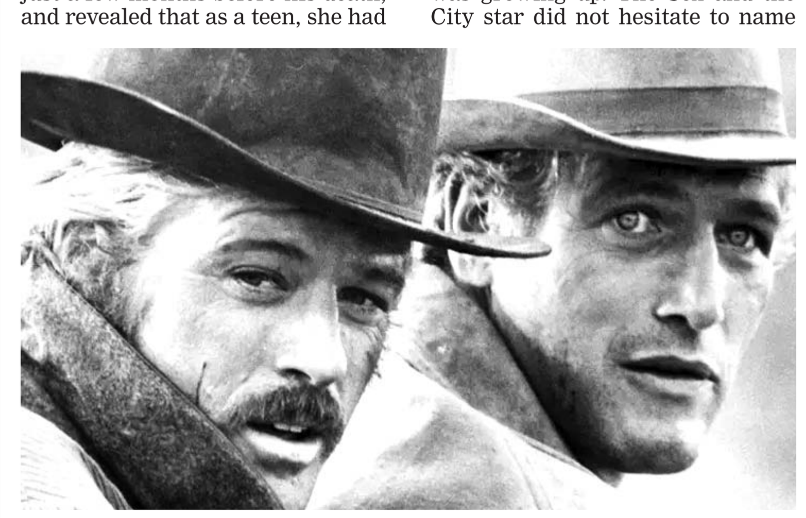

Robert Redford and Paul Newman formed one of Hollywood's great screen partnerships.

Sarah Jessica Parker's 'SATC' Scene Reenacted

In a 2014 interview with Vogue, Parker was asked to name her favourite movie of all time, and she replied, 'The Way We Were.'

The Way We Were was released in 1973, when Parker was just eight years old. The romantic drama starred Redford as the conservative Hubbell opposite Streisand as his politically active love interest, Katie. The two have a daughter, Rachel, near the end of the film, but the doomed couple's relationship does not last.

The last scene of the movie takes place in front of Plaza Hotel, where Katie and Hubbell briefly reunite one final time, and she tells him his new girl is 'lovely.'

In the W interview, Parker was asked if her love for Redford inspired the iconic Sex and the City Season 2 scene in which Parker's character, Carrie Bradshaw, confronts Mr. Big (Chris Noth) outside of his engagement party at the Plaza Hotel after he chooses a younger woman, Natasha (Bridget Moynahan), over her. After catching big off guard with a 'why wasn't it me?' question, Carrie confuses him with an epic goodbye line.

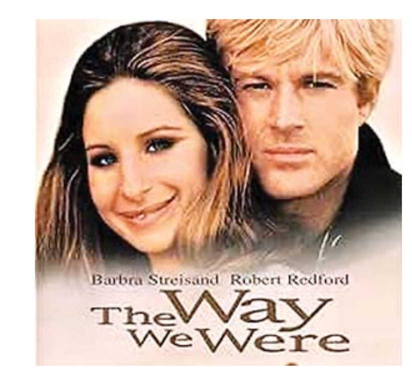

"Your girl is lovely, Hubbell," Carrie says in the scene.

Parker insisted that the scene was 'unrelated' to her crush on the The Way We Were star.

"No. Unrelated," Parker revealed, adding, "I've never seen an episode more than once, and some of them I've never seen at all. But I always remember that one line: Mr. Big says, 'I don't get it.' And she says, 'And you never did.'"

From Gatsby's pastels to Condor's spy peacoat, Redford didn't just dress characters. He taught men how to get dressed and made it look effortless.

Teaching men how to dress

His institute and film festival opened a stage for independent voices while showing men how to dress without ever treating clothes like costumes.

The timing helped. Redford rose when men began actually caring about clothes, and he arrived looking like a template for every archetype: cowboy, journalist, spy, politician. He made them all stylish enough to outlive the scripts. Even his obituaries read like magazine spreads, windswept hair, sunlit tailoring, and proportions that menswear still copies.

The herringbone jacket over chambray, striped tie, knit layers and light denim was Redford's lesson in sharp subtlety. The navy peacoat with a ribbed turtleneck hard-wired the image of the quietly stylish spy into menswear history.

Effortless, engineered

The irony is his ease was calculated. The Condor jacket came from Barneys and was tailored. The Levi's were cropped with a Hollywood hem to keep the cuffs. Nothing was accidental, which is why the clothes still look effortless fifty years on.

Why it still matters

Redford's wardrobe is menswear's greatest-hits album. Peacoats, corduroy, repp ties, double denim. He made jeans refined, knitwear heroic, tailoring lived-in. He wasn't dressing up, he was just being himself. That is something we rarely see in today's Hollywood.

rajeshsharma1049@gmail.com

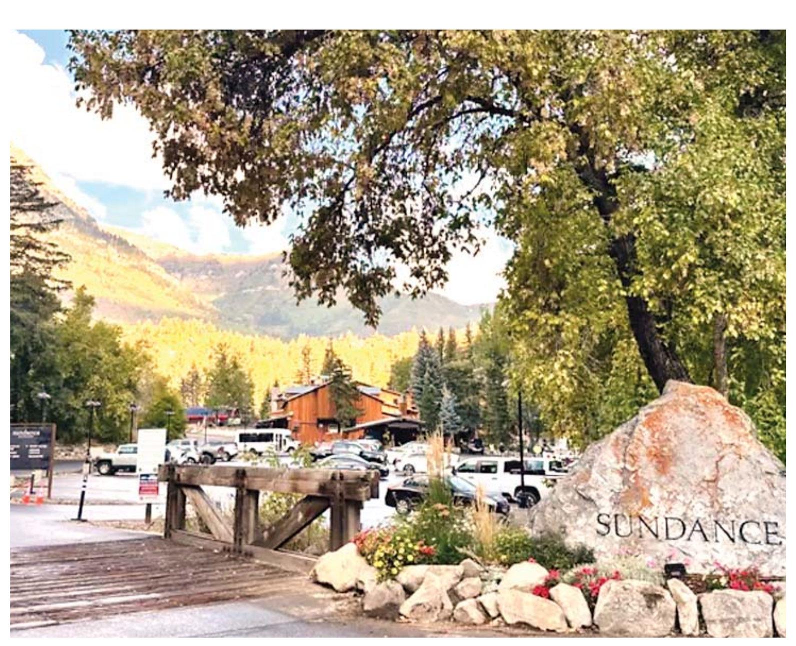

THE WALL

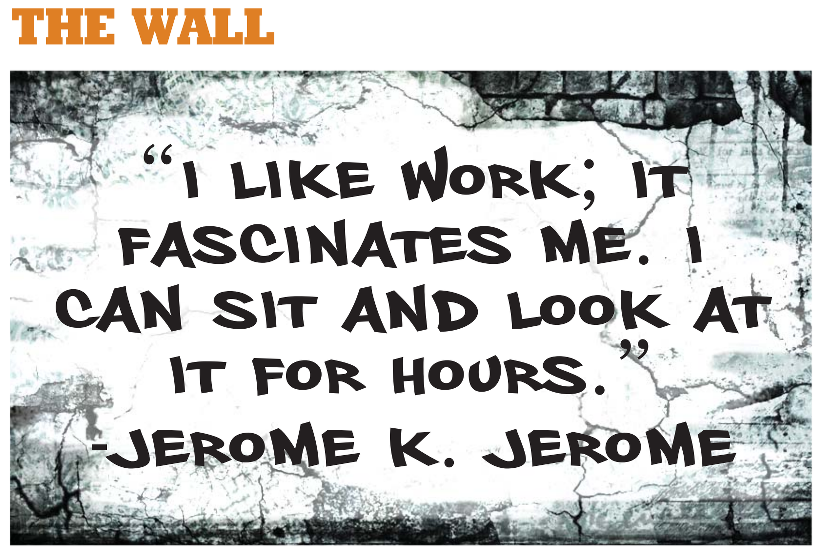

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

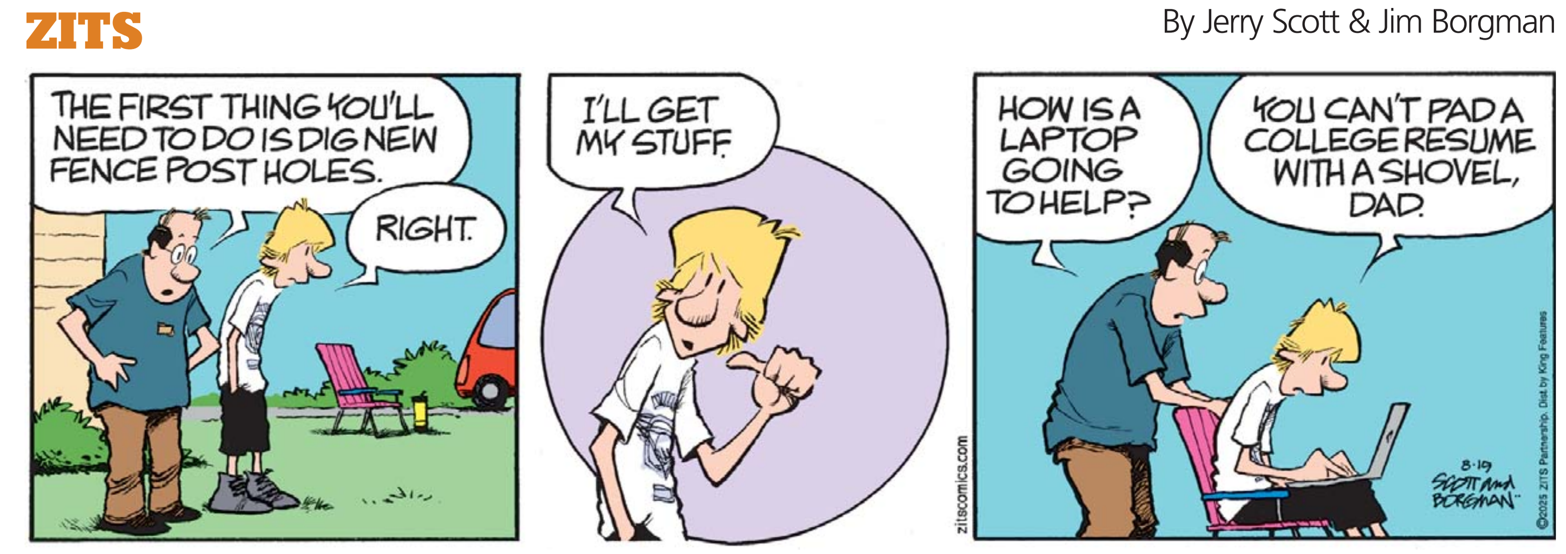

कोर्ट के आदेश की पालना नहीं करने पर डीडवाना एसडीएम की गाड़ी कुर्क

अपर जिला न्यायाधीश के आदेश पर उपखंड अधिकारी डीडवाना की गाड़ी कुर्क की गई

डीडवाना, (निसं)। डीडवाना में वक्फ से जुड़े एक मामले में आठ साल बाद भी कोर्ट के आदेश की पालना नहीं करने पर शनिवार को अपर जिला न्यायाधीश के आदेश पर बड़ी कार्रवाई करते हुए उपखंड अधिकारी डीडवाना की सरकारी गाड़ी को कुर्क कर दिया। इस दौरान कोर्ट के आदेश पर एडीजे न्यायालय के नाजिर ने पुलिस की मौजूदगी में सुबह 10 बजे उपखंड अधिकारी की गाड़ी को कुर्की वारंट आदेश 21 नियम 32 के तहत की कुर्क कर लिया और उसे अपने कब्जे में लेकर कोर्ट परिसर में ही खड़ा कर दिया। इसके बाद अब जिला कलेक्टर और तहसीलदार की गाड़ियां भी कुर्क की जाएंगी, जिसके लिए भी कानूनी कार्रवाई शुरू हो गई है।

■ **वक्फ कमेटी बनाम राज्य सरकार के मामले में कार्रवाई की गई**

जानकारी के अनुसार अपर सेशन न्यायाधीश राजेश कुमार गजरा ने वक्फ कमेटी डीडवाना बनाम राज्य सरकार के मामले में दायर इजराय याचिका पर सुनवाई करते हुए डीडवाना जिला कलेक्टर, उपखंड अधिकारी और तहसीलदार के वाहनों को कुर्क करने का आदेश दिया था। कोर्ट ने इस मामले में प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा 8 सालों से बार बार जारी कोर्ट के आदेशों की पालना नहीं करने को कोर्ट की अवमानना का दोषी मानते हुए तीनों अधिकारियों की गाड़ियों को कुर्क करने के आदेश दिए थे। कोर्ट ने अपने फैसले में जिला कलेक्टर, उपखंड अधिकारी और तहसीलदार तीनों को ही लापरवाह अधिकारी बताया। कोर्ट ने कहा कि न्यायालय में 8 सालों से लंबित प्रकरण में बार-बार आदेश जारी होने के पश्चात भी प्रशासनिक अधिकारी केवल खानापूर्ति कर अगली तारीख प्राप्त कर मामले को टरकाने का प्रयास कर रहे हैं और अपने कर्तव्य से विमुख हो रहे हैं। यह अधिकारी जान बुझाकर कोर्ट के आदेशों की पालना नहीं कर रहे हैं। ऐसे में प्रशासन के इन लापरवाह अधिकारियों को न्यायालय के आदेश न मानने की खुली छूट नहीं दी जा सकती।

गौरतलब है कि राजस्थान वक्फ न्यायाधिकरण जयपुर ने सिविल वाद संख्या 43/2003 में 21 दिसंबर 2015 को फैसला सुनाते हुए यह आदेश दिया था कि गजट नोटिफिकेशन में डीडवाना में वर्णित भूमि कब्रिस्तान की वक्फ जायदाद है तथा गजट नोटिफिकेशन के अनुसार जिला कलेक्टर, उपखंड अधिकारी व तहसीलदार इस कब्रिस्तान की भूमि को राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज करें तथा कब्रिस्तान की भूमि में किसी प्रकार की तब्दील करने व उसको किसी को अंतरण करने के लिए वह शाश्वत कल तक विरत रहेंगे। उक्त निर्णय की पालना के लिए अपर जिला न्यायाधीश की अदालत में वर्ष 2016 में इजराय याचिका दायर की गई थी। इस याचिका के बाद न्यायालय ने राजस्थान वक्फ न्यायाधिकरण के निर्णय की पालना के लिए उपखंड अधिकारी, जिला कलेक्टर व तहसीलदार को बार-बार पत्र लिखे।

वहीं 4 जून 2025 को जिला कलेक्टर डीडवाना-कुचामन को उक्त आदेश की क्रियान्विति के लिए तहरीर भी जारी की थी। जबकि 7 जुलाई 2025 को उक्त आदेश की पालना हेतु हुकमनामा भी जारी किया गया था। इसके बावजूद डीडवाना-कुचामन प्रशासन की ओर से इजराय की पालना में कोई कार्य नहीं किया गया, जबकि इस न्यायालय के आदेश समीचीन है। कोर्ट ने माना कि ऐसा प्रतीत होता है कि इस प्रकरण में पारित निर्णय की प्रशासनिक अधिकारी क्रियान्वित करना ही नहीं चाहते, जबकि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा इजराय प्रकरणों को 6 माह में निस्तारित करने का आदेश है। साथ ही हस्तगत प्रकरणों में सर्वोच्च न्यायालय के लक्षित प्रकरणों के संबंध में राष्ट्रीय कार्य योजना (चतुर्थ) में भी यह प्रकरण अपना स्थान रखता है। यह प्रकरण भी 8 सालों से लंबित है और बार-बार आदेश जारी होने के पश्चात भी प्रशासन कोई कार्रवाई नहीं कर रहा। इस पर कोर्ट ने इस मामले में जारी हुकुम नामों की पालना न करने को अवमानना की श्रेणी में मानते हुए कहा कि प्रशासन के लापरवाह अधिकारियों को न्यायालय के आदेश न मानने की खुली छूट नहीं दी जा सकती, लिहाजा न्यायालय ने इजरायल की पुष्टि के लिए धारा 51 सीपीसी सपठित आदेश 21 नियम 32 के तहत डिक्री की पालना के लिए जिला कलेक्टर डीडवाना-कुचामन, उपखंड अधिकारी डीडवाना और तहसीलदार डीडवाना के वाहनों को कुर्क करने का आदेश दिया।

पप्पू चीता हत्याकाण्ड में फरार चल रहा आरोपी गिरफ्तार

मुख्य आरोपी सहित दो आरोपी पूर्व में गिरफ्तार हो चुके हैं

ब्यावर, (निसं)। पुलिस ने पप्पू चीता हत्याकाण्ड में फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार किया है। वहीं मुख्य आरोपी सहित दो आरोपी पूर्व में गिरफ्तार हो चुके हैं। वहीं पुलिस आरोपी से पूछताछ कर मामले की जांच में जुटी हुई है।

पुलिस ने हत्या के आरोपियों को गिरफ्तार किया।

जिला पुलिस अधीक्षक रतन सिंह आईपीएस के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भूपेन्द्र शर्मा, आरपीएस एवं वृत्ताधिकारी राजेश कसाना आरपीएस के निकटतम सुपरविजन में थानाधिकारी पुलिस थाना सिटी मय टीम द्वारा पप्पू चीता हत्याकाण्ड में फरार चल रहे आरोपी शाहरूख खान को गिरफ्तार किया गया है।

जानकारी के अनुसार नौ सितंबर को सजन निवासी नुन्द्री मेहन्द्रतान ने पुलिस थाना सिटी पर एक रिपोर्ट पेश की कि आठ सितंबर की रात्रि में पिताजी के पास मेरे छोटे भाई पप्पू चीता का फोन आया और उसने बताया कि मेरे साथ मील गेट पर कुछ लोग मारपीट कर रहे हैं। मैं व मेरा भाई अजय चीता मील गेट पहुंचे तो करीबन 7-8 लड़के व औरतें मेरे भाई पप्पू चीता के साथ मारपीट कर रहे थे। औरतों ने मेरे भाई को पकड़ रखा था और आमीर खान, शाहरुख खान, साहिल खान, आसीफ खान व कालू खान इन सभी के हाथों में धारदार हथियार थे।

इन्होंने मेरे भाई के साथ प्राणघातक मारपीट की, जिसकी इलाज के दौरान मौत हो गई थी, जिस पर प्रकरण दर्ज किया जाकर घटना की गंभीरता को देखते हुए थाना स्तर पर एक विशेष टीम का गठन किया जाकर टीम द्वारा सूचना संकलन के आधार पर आरोपी शाहरूख खान पुत्र कालु उर्फ रमजान कायमखानी निवासी सनातन धर्म सभा कॉलोनी नून्द्री मेहन्द्रतान रोड ब्यावर को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की। उक्त प्रकरण में मुख्य आरोपी सहित दो आरोपियों को पूर्व में गिरफ्तार किया जा चुके है। पुलिस टीम में आशुतोष पाण्डे पु.नि थानाधिकारी सिटी, रोडुराम उ.नि. और कांस्टेबल सोभाग आदि थे।

कॉलेज छात्रा पर बाइक सवार युवक ने चाकू से हमला किया

लोगों ने युवक को पुलिस के हवाले किया, युवती हायर सेंटर रेफर

तारानगर (निसं)। तारानगर में पंचायत समिति के पास कॉलेज में प्रैक्टिकल देने जा रही 22 वर्षीय छात्रा पर बाइक पर आए उसके प्रेमी युवक ने चाकू से वार कर उसे घायल कर दिया। जिसे तारानगर के आपातकालीन वार्ड में लाया गया, जहां उसे प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया। घटना के बाद अस्पताल में लोगों की भीड़ लग गई। मौके पर डीएसपी रोहित सांखला व एसएचओ गौरव खिड़िया मय जाप्ते के घटना स्थल पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली।

डीएसपी सांखला ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि गांव की 22 वर्षीय युवती कॉलेज में प्रैक्टिकल देने जा रही थी, पंचायत समिति के पास गांव भलाऊ टिब्बा निवासी विकास आया और उसने युवती के गले पर कई वार कर दिए, जिससे युवती गंभीर घायल हो गई जिसका तारानगर के गवर्नमेंट हॉस्पिटल में प्राथमिक उपचार के बाद उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। उन्होंने बताया कि युवक-युवती का पिछले 5-6 वर्षों से प्रेम प्रसंग चल रहा था। पिछले कुछ दिनों में उनके बीच कहासुनी हो गयी थी। इस बात से खफा युवक द्वारा यह कदम उठाया गया। उन्होंने बताया कि आरोपी युवक को राउंडअप कर लिया गया है। पुलिस हर एंगल से मामले की जांच कर रही है एफएसएल टीम को मौके पर बुलाकर साक्ष्य जुटाए गए हैं।

डूंगरपुर में आधे घंटे तेज बारिश, गर्मी से राहत मिली

डूंगरपुर, (निसं)। डूंगरपुर में शनिवार दोपहर के समय जाते हुए मानसून की बरसात हुई। सुबह के समय आसमान में बादल छाए रहे, लेकिन धूप निकलने के साथ उमस का असर बढ़ गया। दोपहर को आसमान में घनघोर काले बादलों के साथ बरसात का दौर शुरू हो गया। इससे लोगों को गर्मी ओर उमस से राहत मिली।

■ **मौसम विभाग की ओर से शनिवार को डूंगरपुर में बारिश का येलो अलर्ट जारी किया हुआ था**

मौसम विभाग की ओर से शनिवार को डूंगरपुर में बारिश का येलो अलर्ट था। सुबह दिन खुलने के समय आसमान में बादल छाए रहे। लेकिन दिन बढ़ने के साथ धूप निकल आई और गर्मी की वजह से उमस का असर बढ़ गया।

लोग पसीने से भी तरबतर रहे। दोपहर ढाई बजे के बाद आसमान में घनघोर काले बादल छा गए। फिर हल्की बूंदाबादी शुरू हो गई। ठंडी हवाओं और बादलों की गर्जना के साथ बरसात का दौर शुरू हो गया। करीब आधे घंटे तक तेज बरसात का दौर चला। बारिश की वजह से दिनभर की उमस से राहत मिली। सड़कों पर भी पानी बहने लगा। बारिश का दौर कम होने के बाद भी आसमान में बादल छाए रहे। डूंगरपुर शहर समेत आसपास के कई इलाकों में बरसात हुई है।

नशीली दवा के साथ चार युवक गिरफ्तार, बाइक जब्त

आरोपियों के कब्जे से ट्रामाडोल के 7000 कैप्सूल बरामद किये गये

पावटा, (निसं)। प्रागपुरा थाना पुलिस व जिला स्पेशल टीम ने संयुक्त कार्रवाई कर नशीली दवा के साथ चार युवकों को गिरफ्तार किया है। वहीं दो बाइक जब्त की है। आरोपियों के कब्जे से ट्रामाडोल के 7000 कैप्सूल बरामद किये गये हैं।

जिला पुलिस अधीक्षक कोटपूतली-बहरोड देवेंद्र विश्नोई ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले में अवैध गतिविधियों की रोकथाम हेतु चलाए जा रहे अभियान की पालना में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोटपूतली वैभव शर्मा के निर्देशन वृत्त अधिकारी विराटनगर शिप्रा राजावत के सुपरविजन एवं प्रागपुरा थाना प्रभारी किरण सिंह व जिला स्पेशल टीम के नेतृत्व में टीम का गठन कर अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध कार्रवाई के दौरान प्रागपुरा थाना प्रभारी किरण सिंह द्वारा डीएसटी टीम की सूचना पर दो मोटरसाइकिलों पर अवैध मादक पदार्थ ट्रामाडोल के 7000 कैप्सूल सहित अभियुक्त रिंकू यादव पुत्र तेजराम निवासी बड़नगर, रवि मीणा पुत्र भींवाराम निवासी पोस्ट ऑफिस के पास विराटनगर, सचिन सिंह पुत्र कृष्ण सिंह निवासी दूल्हे सिंह वाली ढाणी तन बड़नगर, रवि सिंह पुत्र सुंदर सिंह निवासी तुलसीपुरा को गिरफ्तार किया। वहीं परिवहन में काम में ली गई दो मोटरसाइकिलों को जप्त कर एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर अनुसंधान जारी है।

विधायक ने मीणा की कुशलक्षेम जानी

बौंली-बामनवास, (निसं)। विधायक इंदिरा मीणा झालावाड़ हादसे में पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने के लिए नौ दिन से आमरण अनशन कर रहे युवा नेता नरेश मीणा से मिलने एसएमएस अस्पताल जयपुर पहुंची एवं उनकी कुशलक्षेम पूछकर स्वास्थ्य की जानकारी ली। कांग्रेस मीडिया प्रभारी अमन खान ने बताया किविधायक इंदिरा मीणा ने जयपुर के एसएमएस चिकित्सालय पहुंच कर नौ दिन से आमरण अनशन कर रहे युवा नेता नरेश मीणा को भरोसा दिलाया मासूम बच्चों की आवाज मजबूती से उठाएंगे।

दो अध्यापिकाएं राजकीय सेवा से बर्खास्त

बीकानेर, (निसं)। शिक्षा विभाग में लंबे समय से अनुपस्थित रहने वाले प्रकरणों को गंभीरता से लिया जा रहा है। बीकानेर जिले के सरकारी स्कूलों में कार्यरत दो अध्यापिकाओं को बिना सूचना लंबे समय से अनुपस्थित रहने पर राजकीय सेवा से बर्खास्त कर दिया है। जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक किशन दान चारण ने इस संबंध में आदेश जारी किए हैं। महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय सुरनाणा में कार्यरत अध्यापिका रेणू तथा शिवप्रताप बजाज प्राथमिक विद्यालय उदयरामसर में कार्यरत अनीता मीणा पिछले चार साल से स्वैच्छिक अनुपस्थित चल रही थी। इन दोनों अध्यापिकाओं ने कोई अवकाश स्वीकृत नहीं करा रखा था। शिक्षा विभाग की ओर से कई बार इन्हें नोटिस जारी किए गए, लेकिन दोनों शिक्षिकाओं की ओर से कोई जवाब नहीं देने पर अब शिक्षा विभाग ने राजस्थान सेवा निगम 86(4)के तहत इनको राजकीय सेवा से बर्खास्त कर दिया है।

प्रतियोगिताएं आज से

सीकर। जिला खेल अधिकारी प्रकाश राम ने बताया कि सेवा पखवाड़ा का आयोजन 21 सितम्बर से 25 सितम्बर तक आयोजित किया जायेगा। जिसके तहत सांसद खेल कूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जायेगा।उन्होंने बताया कि फूटबाल 21 सितम्बर 2025 को यालसर, हैडबाल 21 सितम्बर से 23 सितम्बर 2025 तक, बास्केटबाल 22 सितम्बर से 23 सितम्बर 2025 तक, कबड्डी 24 सितम्बर से 25 सितम्बर 2025 तक जिला स्टेडियम सीकर में आयोजित किया जायेगा। इस केंद्र पर कार्यरत समस्त प्रशिक्षकों को निर्देश हैं कि इस तिथियों में अपने खिलाड़ियों के साथ उपस्थित होवें।

पैंथर को शिकार करता देख चरवाहा पहाड़ी से गिरा, उपचार के दौरान मौत

बौंली-बामनवास, (निसं)। क्षेत्र की ग्राम पंचायत झनूण के पास पहाड़ी पर अपने मवेशियों को चराने गया चरवाहा रामगोपाल रैगर (65) निवासी झनूण अचानक पैंथर द्वारा बकरी का शिकार करते समय बचाव के दौरान पहाड़ी से गिरकर घायल हो गया।

■ **पैंथर ने बकरी का शिकार कर लिया था, चरवाहे ने पैंथर को भगाने का प्रयास किया था, बचाव के दौरान चरवाहा पहाड़ी से गिरकर घायल हो गया**

घायल को शुक्रवार रात्रि को करीब 11 बजे परिजन व ग्रामीण उपचार के लिए बौंली चिकित्सालय ले गए। चरवाहे ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। मृतक चरवाहे का शनिवार को पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रामगोपाल रैगर अपने मवेशियों को लेकर पहाड़ी पर चराने गया था। इसी दौरान अचानक पैंथर ने एक बकरी का शिकार कर लिया, चरवाहे ने चिल्ला-चिल्लाकर पैंथर को भगाने का प्रयास किया, लेकिन हड़बड़ाहट एवं भय के कारण चरवाहे का पैर फिसल गया, जिससे वह गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया।

देर शाम तक भी उसके घर नहीं लौटने पर परिजनों व ग्रामीणों ने उसकी पहाड़ी क्षेत्र में खोजबीन शुरू की, तो दो चट्टानों के मध्य चरवाहा गंभीर हालत में घायल पड़ा मिला। जिसे परिजन व ग्रामीण बौंली चिकित्सालय लेकर आए, प्राथमिक उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। सूचना पाकर बौंली तहसीलदार रामचंद्र मीणा, पूर्व सरपंच रणजीत मीणा व वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची एवं जानकारी ली।

पहाड़ी से गिरे चरवाहा के शव का अस्पताल में पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंपा।

इस मामले को लेकर बौंली रेंज के फॉरेस्टर भूपेंद्र सिंह जादौन ने बताया कि वन विभाग की टीम सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची एवं शिकार की गई बकरी की तलाश की गई, लेकिन अभी तक उसके अवशेष नहीं मिले हैं। मृतक के शरीर पर किसी प्रकार के पैंथर द्वारा हमले के निशान नहीं मिले हैं। वन विभाग की टीम वन क्षेत्र में पैंथर व शिकार की हुई बकरी की तलाश कर रही है। फिर भी मृतक गरीब को जो भी आर्थिक सहायता होगी वह वन विभाग से दिलाई जाएगी।

अपहरण किये व्यक्ति को दस्तयाब कर तीन आरोपी गिरफ्तार किये

पुलिस टीम ने बारां अन्ता तक पीछा कर आरोपियों को दबोचा, घटना में प्रयुक्त बाइक जब्त

कोटा, (निसं)। आरकेपुरम पुलिस टीम ने अपहरण के मामले में तत्परता दिखाते हुए घटनाक्रम के कुछ ही घंटों में वारदात का खुलासा करते हुए अपहरण किये गये व्यक्ति को सोरसन-अंता रोड़ पर दस्तयाब किया एवं तीन आरोपियों सहित एक नाबालिग को निरूद्ध किया। मामले में सामने आया कि अपहरणकर्ताओं ने अपहरण किये गये व्यक्ति को रूपये उधार दिये थे, जिनको नहीं लौटाने पर आरोपियों ने वारदात को अंजाम दिया।

आरकेपुरम पुलिस टीम ने अपहरणर्कताओं को गिरफ्तार किया।

■ **अपहरणकर्ताओं ने अपहरण किये गये व्यक्ति को रूपये उधार दिये थे, जिनको नहीं लौटाने पर वारदात को अंजाम दिया**

पुलिस टीम ने घटना में प्रयुक्त वाहन को भी जब्त किया है।

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि 19 सितम्बर को फरियादी तनिष जैन ने आरकेपुरम थाने में रिपोर्ट दी। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि उसके पिता ताराचंद जैन ने विष्णु नाम के व्यक्ति से दुकान खोलने के लिये कुछ दिन पहले रूपये उधार लिये थे, रूपये नहीं लौटाने के कारण 18 सितम्बर की रात्रि को विष्णु ने उसके पिता ताराचंद जैन का अहरण कर लिया और इसकी सूचना फोन करके उसके ताऊ विमल जैन को दी और कहा कि उधार के रूपये ब्याज सहित नही लौटाए तो कोई भी घटना कारित हो सकती है। शहर एसपी ने बताया कि फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया।

शहर एसपी ने बताया कि अपहरण का मामला सामने आने के बाद मामले को गंभीरता से लेते हुए शहर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिलीप सैनी के निर्देशन में पुलिस उपअधीक्षक मनीष शर्मा के सुपरविजन में आरकेपुरम थानाधिकारी महेन्द्र मारू के नेतृत्व में टीम गठित की गई। शहर एसपी ने कहा कि गठित टीम को मुखबीर की सूचना से आरोपियों के देवली मांझी सांगोद क्षेत्र में होने की जानकारी मिली। शहर एसपी ने बताया कि सूचना पर गठित टीम ने आरोपियों की सांगोद क्षेत्र में तलाश करते हुए मुखबीर की सूचना व तकनिकी सहायता से आरोपियों का पीछा करते हुए सोरसेन से अंता की ओर जाने वाली रोड़ पर कार्यवाही करते हुए अपहरण किये गये व्यक्ति ताराचंद जैन को बाइक पर अपहरण करके ले जाते हुए आरोपी विष्णु ऐरावल को मय बाइक सहित गिरफ्तार कर लिया। पुलिस टीम ने कार्यवाही करते हुए अपहरण के मामले में दो सहयोगी रामप्रताप योगी व मनोज कुमार ऐरावल को पानाहेड़ा गांव से डिटेन कर अपराध में संलिप्त होने पर प्रकरण में गिरफ्तार किया, साथ ही एक बालक को निरूद्ध किया गया। पकड़े गये आरोपियों से अनुसंधान जारी है।

शहर एसपी तेजस्वनी गौतम ने बताया कि अपहरण किये गये व्यक्ति ताराचन्द जैन ने बताया कि 18 सितम्बर की रात्रि को स्कूटी से सब्जी लेकर घर की तरफ जाते समय रामलीला मैदान के समीप विष्णु ऐरावल व रामप्रताप ने उसे रोककर जबरदस्ती अपनी मोटरसाइकिल पर बैठा लिया और उसका अपहरण कर दुदिया खेड़ी माताजी के जंगल में ले गये और रातभर उधार लिये गये रूपयों को ब्याज सहित लौटाने का दबाव बनाकर जान से मारने की धमकी देते रहे। उन्होंने बताया कि अगले दिन सुबह दुदिया खेड़ी के जंगलों से सांगोद होते हुए सोरसन की तरफ ले जा रहे थे, और उसके भाई को भी फोन करके ब्याज सहित 3 लाख रूपये देने को कहा। शहर एसपी ने कहा कि पुलिस टीम ने मामले में तत्परता दिखाते हुए मामले का खुलासा किया।

सांवलियाजी सेठ के भंडार से प्रथम दिन 9 करोड़ 70 लाख रुपए निकले

मंडफिया, (निसं)। भगवान श्रीसांवलियाजी सेठ मंडफिया के दरबार का भंडार चतुर्दशी शनिवार को मंदिर बोर्ड अध्यक्ष हजारी दास वैष्णव एवं अतिरिक्त जिला कलेक्टर एवं सांवलियाजी मंदिर की मुख्य निष्पादन अधिकारी प्रभा गौतम की उपस्थिति में खोला गया। चतुर्दशी को खोले गए भंडार गिनती से प्रथम दिन 9 करोड़ 70 लाख रुपए नगद प्राप्त हुए। भंडार की शेष रही राशि की गिनती दूसरे चरण में 22 सितंबर सोमवार को की जाएगी।

वहीं राजस्थान सरकार में कैबिनेट मंत्री हेमंत मीणा सांवलिया जी सेठ के दर्शन करने मंडफिया पहुंचे। कैबिनेट मंत्री हेमंत मीणा का मंदिर बोर्ड अध्यक्ष हजारी दास वैष्णव ने ऊपरना ओढ़ाकर भगवान का महाप्रसाद एवं तस्वीर भेंट कर स्वागत एवं सम्मान किया। दर्शन पश्चात कैबिनेट मंत्री मीणा ने मंदिर में चल रही भंडार गिनती का अवलोकन किया। मंदिर अध्यक्ष हजारी दास वैष्णव ने मंत्री मीणा को मंदिर इतिहास एवं विकास कार्यों की जानकारी दी।

भंडार गिनती में मंत्री हेमंत मीणा व मंदिर अध्यक्ष वैष्णव मौजूद रहे।

■ **भंडार की शेष रही राशि की गिनती दूसरे चरण में 22 सितंबर को की जाएगी**

■ **कैबिनेट हेमंत मंत्री मीणा ने भगवान सांवलियाजी सेठ दर्शन कर भंडार गिनती का अवलोकन किया और मंदिर के इतिहास की जानकारी ली**

भंडार गिनती में मंदिर बोर्ड सदस्य किशनलाल अहीर, पवन तिवारी, हरिराम गाडरी, रामलाल गुर्जर, लेखाधिकारी राजेंद्र सिंह, संपदा एवं मंदिर प्रभारी भैरूगिरी गोस्वामी, सुरक्षा प्रभारी गुलाब सिंह राजपूत, संस्थापन प्रभारी लेहरी लाल गाडरी, बिहारी लाल गुर्जर, भैरूलाल गुर्जर, दीपक तिवारी, जितेन्द्र त्रिपाठी सहित मंदिर के चुनिंदा कर्मचारी एवं बैंकों के कर्मचारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त

पानी के तेज बहाव में डूबने से दो की मौत

टोंक। जिले के बीसलपुर बांध में बढ़ाई गई पानी की निकासी के बाद राजमहल रपट को पार करते समय एक बाइक पर सवार दो युवक बह गये, जिन्हे बाद में ग्रामीणो ने बचा लिया। लेकिन उनकी बाइक बनास नदी में बह गई। शनिवार को राजमहल रपट पर दो युवक बनास नदी पार कर राजमहल आ रहे थे, तभी पानी के तेज बहाव का इनकी बाइक का संतुलन बिगड़ गया और बाइक के साथ बहने लगे। इस दौरान एक युवक तो रपट पर ही खडा रह गया, दूसरा युवक बाइक के साथ ही बहकर बनास नदी में गिर पड़ा। बाद में उसे वहा खड़े ग्रामीणो ने पानी से बाहर निकाला। इसी प्रकार निवाई के राहोली गांव में शनिवार को श्राद्ध तर्पण के दौरान 15 साल का लडका नदी के गहरे पानी में चला गया, बेटे को बचाने के लिए नदी में पिता उतरा तो वह भी बह गया, जहां हादसे में दोनों की मौत हो गई। मौके पर प्रहुचे राहोली थानाधिकारी राजेंद्र प्रसाद ने बताया मृतक अशोक वाल्मीकि पुत्र रामजस उम्र 33 साल जो अपने 3 भाईयों, बेटे और भतीजे के साथ श्राद्ध तर्पण करने बांडी नदी किनारे पहुंचा था। इसी दौरान उसका बेटा आशीष उम्र 15 गहरे पानी में चला गया। बेटे को बचाने के लिए अशोक ने भी नदी में छलांग लगा दी, लेकिन तेज बहाव में वह भी फंस गया और पानी में डुब गया। बाद में ग्रामीणों ने तुरंत नदी में उतरकर मशक्कत के बाद दोनों को बाहर निकाला और मौके पर पहुंची 108 एंबुलेंस से दोनों को निवाई उप जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टर ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया। जहां पुलिस ने शवों को मॉर्च्युरी में रखवाया दिया।

दस्तावेज सत्यापन सोमवार को

कोटपूतली। यहां के राजकीय एलबीएस पीजी महाविधालय में स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर के प्रवेशार्थियों का दस्तावेज सत्यापन का कार्य आगामी 23 सितम्बर सोमवार को प्रात: 10 बजे से सायं 05 बजे तक किया जायेगा। प्रवेशित प्रवेशार्थी स्वयं उपस्थित होकर बधाई पत्र, मूल आवेदन पत्र की हार्ड कॉपी, अंकतालिका (10वीं, 12वीं.) मूल तथा फोटो कॉपी (स्वप्रमाणित), अंकतालिका (स्नातक) मूल तथा फोटो कॉपी (स्वप्रमाणित), जाति प्रमाण पत्र, मूल निवास प्रमाण पत्र, आधार कार्ड मूल तथा फोटो कॉपी (स्वप्रमाणित), बोनस प्रमाण पत्र मूल तथा फोटो कॉपी (स्वप्रमाणित), मूल प्रमाण पत्र टी.सी., चरित्र व आय घोषणा पत्र आदि दस्तावेजों के साथ महाविद्यालय में दस्तावेज सत्यापन का कार्य करवायें।

शुद्धिकरण की समस्या का समाधान

कोटपूतली। सेवा पर्व पखवाड़ा के अंतर्गत बानसूर उपखंड की ग्राम पंचायत चूला में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर में ग्रामवासियों के दशकों पुराने राजस्व विवादों का समाधान किया गया। शिविर में बानसूर विधायक देवी सिंह शेखावत, जिला कलक्ट प्रियंका गोस्वामी, उपखंड अधिकारी अनुराग हरित एवं तहसीलदार गजेन्द्र राठौड एवं अन्य अधिकारियों की तत्परता से ग्राम चूला निवासी जैनाराम एवं उनके पांच भाइयों से संबंधित लगभग 50 वर्ष से लंबित भू-नक्शा शुद्धिकरण का मामला सभी पक्षकारों की सहमति से निपटाया गया। राजस्व अधिकारियों द्वारा मौके पर ही अभिलेखों का परीक्षण कर भू-नक्शा शुद्धिकरण पूर्ण किया गया। अधिकारियों की तत्परता और संवेदनशीलता से समस्या का तत्काल समाधान होने पर लाभार्थियों के चेहरे प्रसन्नता से खिल उठे।

एबीवीपी की जीत पर मिठाई बांटी

कोटपूतली। स्थानीय एबीवीपी के कार्यकर्ताओं द्वारा दिल्ली विश्वविद्यालय में एबीवीपी की ऐतिहासिक जीत पर हर्ष व्यक्त करते हुये आतिशबाजी कर मिठाईयों का वितरण किया गया। इस मौके पर कार्यकर्ताओं ने यहां के राजकीय एलबीएस पीजी महाविद्यालय के मुख्य द्वार दिल्ली विश्वविद्यालय में छात्रसंघ चुनाव में एबीवीपी प्रत्याशी आर्यन मान के अध्यक्ष पद पर, कुणाल चौधरी के सचिव पद पर एवं दीपिका झा के संयुक्त सचिव पद पर प्रचंड बहुमत के साथ शानदार जीत होने पर भारत माता वंदे मातरम के उद्घोषों के साथ आतिशबाजी कर मिठाइयां वितरित की। इस दौरान बड़ी संख्या में एबीवीपी कार्यकर्ता मौजूद थे।

नम्बर मिलाइए
9587884433
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

जन समस्याओं के समाधान के प्रति हम कृतसंकल्पित हैं : मंत्री झाबर सिंह खर्रा

किशनगढ़ बास में सेवा पखवाड़ा अंतर्गत चल रहे शिविर का निरीक्षण करने पहुंचे मंत्री जाफर सिंह खर्रा का भाजपा कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया।

■ भिवाड़ी और अलवर में मंत्री ने किया शिविर का निरीक्षण, अधिकारियों को दिए निर्देश कहा अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक पहुंचे शिविर का लाभ

किशनगढ़ बास । प्रदेश सरकार की ओर से सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम अंतर्गत नगरीय स्वायत्त विभाग की ओर से शुरू किए गए शहरी सेवा शिविर का शनिवार को नगरीय स्वायत्त शासन मंत्री झाबरसिंह खर्रा ने अलवर सहित किशनगढ़ बास और भिवाड़ी में चल रहे शिविर का निरीक्षण किया और लाभार्थियों को पट्टा एवं प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत चेक वितरण कर अधिकारियों को सरकार की मनसा के अनुरूप लाभ दिए जाने के लिए निर्देश दिए।

किशनगढ़ बास नगर पालिका की ओर से बास कृपाल नगर के संस्कृत विद्यालय में लग रहे शिविर का निरीक्षण करने के लिए पहुंचे नगरीय स्वायत्त मंत्री झाबर सिंह खर्रा व राष्ट्रीय परिषद भाजपा सदस्य पूर्व विधायक रामहेत यादव, जिला प्रमुख बलबीर छिल्लर, भाजपा जिलाध्यक्ष महा सिंह चौधरी का नगर पालिका चेयरमैन तारामणि सतीश सिंघल व भाजपा मंडल अध्यक्ष मनोज मित्तल, ईओ राहुल अठावाल सहित जनप्रतिनिधियों एवं पार्टी पदाधिकारीयों ने बड़ी माला से सम्मान किया।

इस दौरान कार्यक्रम में राष्ट्रीय परिषद भाजपा सदस्य पूर्व विधायक रामहेत यादव ने मंत्री झाबरसिंह खर्रा का स्वागत करते हुए कहा कि खैरथल व किशनगढ़ बास को मिलाकर ट्विन सिटी के रूप में विकसित करने की मांग रखते हुए किशनगढ़ बास या खैरथल में यूआईटी स्थापित कराने एवं पुरानी गैर मुमकिन आबादी 69 ए के पट्टों में शिथिलता बरतने की बात कही जिससे खैरथल और किशनगढ़ बास क्षेत्र का विकास हो सके।

इसके साथ यादव ने कोटकासिम नगर पालिका क्षेत्र की समस्या से अवगत कराया और बताया कि भिवाड़ी डेवलपमेंट अथॉरिटी बीड़ा द्वारा पट्टे जारी किए जाते हैं जो कि आमजन की पहुंच से बाहर होते हैं इसलिए कोटकासिम की नगर पालिका को वो सभी अधिकार दिए जाए जिससे वह पट्टे जारी कर सकें।

मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने सम्बोधन में आश्वस्त किया कि वे जन समस्याओं के समाधान के प्रति कृतसंकल्पित हैं और क्षेत्र का विकास उनकी प्राथमिकता है। ठामीण सेवा शिविर पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के सिद्धांत को धरातल पर उतारने के प्रयासों का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पिछले 11 वर्षों से देश को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने, आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करने और राष्ट्र को विकास की दिशा में आगे ले जाने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। बीते 20 महीनों में राजस्थान सरकार ने बिजली और पानी के क्षेत्र में ऐतिहासिक कार्य किए हैं।

इस दौरान उन्होंने नगर पालिका अधिकारी कार्मिकों को सुविधाओं को अंतिम छोर तक बैठे व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए पाबंद किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार ने यह शिविर आमजन को सीधा लाभ पहुंचाने के लिए लगाए हैं इसमें पीएम स्वनिधि योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना जैसी अनेक लाभकारी योजनाओं में अधिक से अधिक लोगों को लाभ मिले इसकी जिम्मेदारी नगरपालिका कर्मचारियों की है।

उन्होंने कहा शिविरों में जो भी समस्या आई हो वह स्वायत्त शासन निदेशक वह मुझे पत्र के माध्यम से अवगत कराए मैं उन सभी समस्याओं का समाधान करूंगा। शिविर के दौरान उन्होंने 10 आवासीय पट्टो का वितरण किया। साथ ही प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना एवं मुख्यमंत्री स्वनिधि योजना के तहत 19 लाभार्थियों को स्वीकृत ऋण के चेक का वितरण एवं प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 के तहत 25 लाभार्थियों को 50000 की पहली किश्त की जारी की गई।

इसके अलावा नगर परिषद भिवाड़ी में आयोजित कैंप में 5 आवासीय पट्टो का वितरण किया। 5 नामांतरण, 7 फायर एनओसी, यूडीआईडी कार्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 के तहत 14 लाभार्थियों को 50000 की पहली किश्त, प्रधानमंत्री आवास योजना 1.0 के तहत 11 लोगों को तृतीय एवं चतुर्थ किस्त का प्रतीकात्मक चेक वितरित किए। इसी के साथ 10 नि-क्षय पोषण किट, एक स्कूटी एवं एक व्हीलचेयर का वितरण भी किया गया।

इसके उपरांत मंत्री ने भिवाड़ी में जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र, जिला प्रशासन एवं लघु उद्योग भारती के तत्वावधान में आयोजित 12वाँ इंडिया इंडस्ट्रियल फेयर 2025 आयोजन के अंतर्गत आयोजित भिवाड़ी गौरव सम्मान समारोह में शिरकत की। इस अवसर पर मंत्री खर्रा ने मेले में विभिन्न औद्योगिक इकाइयों एवं संस्थानों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया तथा प्रदर्शित उत्पादों की जानकारी ली व सामाजिक और उत्कृष्ट कार्यों में योगदान देने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया । इस दौरान अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट, डिप्टी पुलिस अधीक्षक किशनगढ़ बास राजेंद्र कुमार, उपखंड अधिकारी किशनगढ़ बास मनीष कुमार जाटव, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका किशनगढ़ बास राहुल अठावाल ,मंडल अध्यक्ष किशनगढ़ बास मनोज मित्तल, मंडल अध्यक्ष खैरथल मनीष शर्मा, उपसभापति खैरथल वरुण डाटा, जिला

सोशल मिडिया पर पोस्ट से फैली सनसनी

टोंक। मुख्यालय के बहीर क्षेत्र में शुक्रवार रात्रि को सोशल मीडिया पोस्ट पर अशोभनीय कमेंट को लेकर एक समुदाय के सैकडों लोग बहीर क्षेत्र में सड़क पर उतर गए और प्रदर्शन किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार सोशल मीडिया पर धार्मिक पोस्ट पर एक व्यक्ति द्वारा अशोभनीय टिप्पणी का आरोप लगाते हुए समुदाय के लोग प्रदर्शन पर उतर गए।

बाद में सूचना पर टोंक अति.पुलिस अधीक्षक पुलिस जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे और लोगों से समझाईश की। इस दौरान समुदाय के असामाजिक तत्वों द्वारा माली समाज के एक व्यक्ति की बहिर स्थित कारखाने और बाहर खडी बाइक में तोड़फोड़ कर कारखाने को नुकसान पंहुचाया। जिससे मालिक को लाखों का नुकसान हो गया।

मुस्लिम समाज के धर्मगुरु और अन्य लोगो ने बताया कि सोशल मीडिया पर अशोभनीय टिप्पणी की, जिससे नाराज समुदाय के लोग सड़कों पर उतर गए। मौके पर पहुंचे एएसपी बृजेन्द्र सिंह भाटी, टोंक डीएसपी राजेश विद्यार्थी ने व्यवस्था संभाली तथा लोगों को समझाया। पुलिस ने लोगों से विवादित पोस्ट की जानकारी मांगी, लेकिन वास्तविक पोस्ट पुलिस के सामने नहीं आई। इस दौरान शुक्रवार की रात असामाजिक लोगों ने एक कारखाने में घुसकर तोड़फोड़ करने पर गुस्साए लोगों का शनिवार दोपहर को गुस्सा फूट पड़ा। पीड़ित परिवार, माली समाज, बीजेपी कार्यकर्ता और पदाधिकारियों ने घंटाघर पहुंच कर प्रदर्शन किया।

कांग्रेस का वोट चोर गद्दी छोड़ अभियान शुरु

वोट चोर गद्दी छोड़ अभियान के तहत टोंक कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने रैली निकाली।

टोंक। कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा शहर एवं देहात ब्लॉक टोंक की ओर से संयुक्त वोट चोर गद्दी छोड़ हस्ताक्षर अभियान को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी टोंक में बैठक आयोजित की गई। जिसमें मुख्य रूप से हस्ताक्षर अभियान के प्रभारी सुनील परवानी, टोंक विधानसभा संगठन प्रभारी डॉ. सुमित गर्ग, जिलाध्यक्ष हरिप्रसाद बैरवा, संगठन महासचिव दिनेश चौरसिया की उपस्थिति में बैठक सम्पन्न हुई । बैठक में सुनील परवानी ने कहा कि बीजेपी वोट चोरी के माध्यम से देश से लोकतंत्र खत्म करना चाहती है, वोट लोकतंत्र का आधार है। उन्होंने कहा कि आगामी दिनों में यह अभियान मंडल स्तर तक तथा इकाई स्तर तक ले जाया जाएगा, उन्होने कार्यकर्ताओं व पदाधिकारीयों का आह्वान किया कि वोट चोर गद्दी छोड़ अभियान को गांव गांव ढाणी ढाणी तक पहुंचाएं और लोगों को यह बताएं कि किस तरह उनका वोट चोरी करके उनके वोट के अधिकार को खत्म किया जा रहा है। वही विधानसभा प्रभारी गर्ग ने कहा कि बीजेपी संविधान को बदलना चाहती है, इसके लिए उन्होंने वोट चोरी को रास्ता बनाया। इस दौरान जिलाध्यक्ष हरिप्रसाद बेरवा ने कहा कि पिछले 10 सालों में भाजपा की सरकार ने देश से सामाजिक ताने-बाने को बिगड़ने का काम किया है, उन्होंने कहा कि भाजपा राज्य सरकार पूरी तरह नाकाम रही है, भाजपा वोट चोरी के माध्यम से सत्ता में बना रहना चाहती है। इस मौके पर संगठन महासचिव दिनेश चौरसिया, सलीमुद्दीन खान, शहर ब्लॉक अध्यक्ष इरशाद बेग, देहात ब्लॉक अध्यक्ष कैलाशी देवी मीणा, महमूद शाह सेवादल, अध्यक्ष अब्दुल खालिक कमलेश चावला, मूलचंद बैरवा आदि ने वोट चोर गद्दी छोड़ अभियान पर अपने विचार व्यक्त किये।

'आमजन को पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के बारे में जागरूक कर सोलर लगवाएं'

कोटपूतली। जिला कलेक्टर प्रियंका गोस्वामी ने शुक्रवार को उपखंड बानसूर के ग्राम में हाजीपुर एवं चूला में आयोजित शिविर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने अधिकारियों को शिविर में आ रहे आमजन के लिए छाया, पानी व बैठने की पर्याप्त व्यवस्था करने के निर्देश दिए साथ ही आमजन के साथ संवाद करते हुए फीडबैक भी लिया।

इस दौरान शिविर में आए हुए कई लाभार्थियों ने व्यवस्थाओं को सराहा तथा समस्याओं के तत्काल निस्तारण पर राज्य सरकार को धन्यवाद भी दिया। इस दौरान बानसूर विधायक देवीसिंह शेखावत और जिला कलेक्टर ने शिविर में लाभार्थियों को पट्टे, चैक व प्रमाण पत्र भी वितरित किए। उन्होंने विद्युत निगम अधिकारियों को निर्देशित किया कि पीएम सुर्यघर योजना के तहत 150 यूनिट नि:शुल्क बिजली योजना के संबंध में आमजन को अधिकाधिक जागरूक करें, उन्हें बताएं की सरकार की उक्त योजना में जो मुख्यमंत्री नि:शुल्क बिजली योजना में पंजीकृत उपभोक्ता है और जिनका 2024-25 का औसत मासिक उपभोग 150 यूनिट अथवा उससे कम है उनसे जयपुर डिस्कॉम उनके घर की छत पर 1.1 किलोवाट का रूफटॉप सोलर लगाने हेतु सहमति पत्र लेगा तथा डिस्कॉम का वेंडर उनके यहां मुक्त में सोलर लगाएगा। उन्होंने कहा कि राजस्व कार्यो में गति लाएं, दिव्यांगो को ई केवाईसी में आ रही दिक्कतों को रसद अधिकारी से संपर्क कर तुरंत निपटारे के निर्देश दिए। जिला कलेक्टर ने निर्देशित किया कि सेवा शिविरों के माध्यम से केन्द्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक जरूरतमंद तक पहुंचाया जाए।

शिविरों में रास्ते खोलना, आपसी सहमति से विभाजन एवं नामान्तकरण, लम्बित नोटिसों की तामीली एवं फार्मर रजिस्ट्री संबंधी कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मूल निवास, जाति प्रमाण-पत्र एवं स्वामित्व योजना के तहत स्वामित्व पट्टा वितरण और किसान गिरदावरी एप द्वारा गिरदावरी का कार्य गंभीरता से किया जाए। उन्होंने कहा कि सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना, पालनहार योजना और मुख्यमंत्री घुमंतू आवास योजना जैसी योजनाओं के लंबित प्रकरणों का निस्तारण प्राथमिकता से करें। इस दौरान जिला कलेक्टर ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। इस दौरान उन्होंने शिविर में विभिन्न विभागों की स्टॉल्स का निरीक्षण किया तथा अधिकारियों से योजनाओं और उनकी क्रियान्विति के संबंध में सम्पूर्ण जानकारी ली। शिविर में उपखंड अधिकारी अनुराग हरित, तहसीलदार गजेन्द्र सिंह राठौड़ सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

आम-सूचना अनिल कुमार पुत्र स्वर्गीय श्री कृष्ण चन्द्र, उम्र-45 वर्ष, जाति-जाट, हाल निवासी-वार्ड नम्बर-14, गोलूवाला, 22 जे.आर.के., तहसील-पीलबंगा, जिला-हनुमानगढ़ (राजस्थान) ने मेरी अभिभाष्य फर्म बुनियादी विकास गृह निर्माण सहकारी समिति लि0, जयपुर की योजना अशोक वाटिका, माचवा, जयपुर के भूखण्ड संख्या-405 का क्षेत्रफल 112.8 वर्गगज व भूखण्ड संख्या-406 का क्षेत्रफल 113.1 वर्गगज के हस्तान्तरण हेतु मूल आवंटी का मृत्यु प्रमाण पत्र, रजिस्टर्ड मुख्त्यारनामा, शपथ पत्र, मूल दस्तावेज प्रस्तुत किये तथा उक्त भूखण्डों के हस्तान्तरण हेतु समिति को कहा गया है। यदि उक्त भूखण्डो के हस्तान्तरण के सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति, बैंक, संस्था, समिति या संगठन को कोई आपत्ति हो तो वो समिति कार्यालय में या मेरे कार्यालय में उक्त सूचना के प्रकाशन से 7 दिवस की अवधि में सम्पर्क करें; अन्यथा समिति द्वारा उक्त भूखण्डों का हस्तान्तरण कर दिया जायेगा, बाद मियाद गुजरने के कोई उज्ज मान्य नहीं होगा।
(हेमन्त कुमार पलोड़) एडवोकेट, मोबाईल नं. 9314511091

आम सूचना [illegible] तथा बाकी 10 प्लाटो पर तीन मंजिला तामिरात निर्मित कर उनके डवलपमेन्ट एवं विकास के लिए करोड़ो रुपया खर्च कर दिया है गणेश राम चौधरी के द्वारा आठ भूखण्डो के पट्टे मेरे अभिभाष्य एवं उसके परिजनों के नाम से जारी करके दे दिये हैं परन्तु प्लाट संख्या 45,91 व 48, 87 के पट्टे बार बार मांग करने पर जारी कर के नही दे रहा है, जबकि उक्त प्लाटो पर कब्जा एवं निर्माण उपयोग उपभोग मेरे अभिभाष्य के द्वारा आज दिनांक तक किया जा रहा है, तथा प्रतिफल की कोई राशि बकाया नही है, परन्तु अब गणेश राम चौधरी संयोजक द्वारा उक्त भूखण्डो को लोभ लालच व बहकावे मे आकर अन्य व्यक्तियो को पुनः बेचान किये जाने का प्रयास किया जा रहा है। कोई भी दीगर शख्स उक्त विक्रेता से उक्त प्लाट्स नही खरीदें। यदि कोई भी व्यक्ति उक्त विक्रेता से ऊपर वर्णित प्लाट्स को खरीदने बाबत कोई इकरारनामा, विक्रय पत्र या किसी भी प्रकार का कोई संव्यवहार करेगा तो वह पूर्णतया गैर कानूनी व मेरे अभिभाष्य के हकों तक शून्य माना जावेगा तथा ऐसा संव्यवहार करने वाला व्यक्ति भविष्य मे उत्पन्न होने वाली कठिनाईयो हर्जे खर्चे एवं परिणामो के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा।
(सुरेन्द्र चन्द जांगिड) एडवोकेट, मो.नं.-9829790463

खोया पाया

मेरी शिवा को-ऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड जयपुर प्लॉट नं.11, भूदेव कॉलोनी, श्रीजी नगर, दुर्गापुरा, टोंक रोड, जयपुर द्वारा दिनांक 1.5.1981 को जारी पट्टे की रसीद दिनांक 20.9.2020 को दुर्गापुरा में कहीं खो गई है। मिलने पर सूचित करें। मयंक शर्मा 9828130058

मेरे प्लाट नं.ए-201 रोहिणी एंक्लेव जेडीए स्कीम जयपुर का मूल आवंटन पत्र, कब्जा पत्र, मानसरोवर में कहीं खो गया है मिलने पर सूचित करें-संतोष-9672555545

कार्यालय ग्राम पंचायत जीनापुर, पंचायत समिति स.मा.जिला सवाई माधोपुर

क्रमांक-2025-26/32 **ई-निविदा सूचना-05/2025-26** दिनांक-15/09/2025

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि महात्मा गांधी नरेगा एवं ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग की समस्त विकास योजनाओं में कार्यों के लिए निर्माण सामग्री आपूर्ति करने हेतु उपापन में पारदर्शिता अधिनियम 2012 व नियम 2013 एवं जी.एस.टी.अधिनियम 2017 के अन्तर्गत पंजीकृत विक्रेताओं/निविदादाताओं से वार्षिक दर दिनांक 31.3.2026 के लिए निविदा दरें ई-प्रोक्योरमेन्ट पद्धति से द्विस्तरीय आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित नियम, शर्तें एवं सम्बन्धित दस्तावेज इन साईट पर http://eproc.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.rajasthan.gov.in पर देखे एवं डाउनलोड किये जा सकते है।

ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत जीनापुर, पं.स.सवाई माधोपुर — प्रशासक, ग्राम पंचायत जीनापुर, पं.स.सवाई माधोपुर

कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर 35/2025
(नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)

चूंकि श्री कृष्ण शर्मा पुत्र श्री शम्भू दयाल शर्मा निवासी ग्राम सरूण्ड तहसील कोटपुतली जिला कोटपुतली-बहरोड ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अन्तर्गत प्रन्यास मंदिर श्री देवी जी (सरूण्ड माता) ट्रस्ट, ग्राम सरूढ तहसील कोटपुतली जिला कोटपुतली-बहरोड के न्यास विधान में संशोधन कर संशोधित ट्रस्ट डीड एवं न्यासी परिवर्तन को दर्ज अभिलेख हेतु जांच किये जाने के लिए प्रपत्र-8 में आवेदन-पत्र दिया है।

अतएवं धारा 23 में प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास में हुवे परिवर्तन / संशोधन जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से तीस दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 17.09.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइन्दा तारीख पेशी 29.10.2025

मोहर अदालत — सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर

प्रपत्र संख्या 7 (देखिये नियम 21) कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/636
चूंकि प्रार्थी श्री KAMAL KUMAR KOTHARI, 101/5 JLN MARG NEAR POLICE MEMORIAL JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास जयपुर ज्वैलरी शो, TF-01 GOLDSOUK, JAGATPURA ROAD NEAR JAWAHAR CIRCLE, JAIPUR 302017 के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।

अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 18-09-2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 26/11/2025

मोहर अदालत — सहायक आयुक्त, देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7 (देखिये नियम 21) कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/643
चूंकि प्रार्थी मेवा भारती, 56, डिफेंस कॉलोनी, निवारू रोड, झोटवाडा, जयपुर, राजस्थान-302012 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास मेहनतकश कल्याण एवं संदर्भ केंद्र संस्था, 56, डिफेंस कॉलोनी, निवारू रोड, झोटवाड़ा, जयपुर, राजस्थान-302012 के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।

अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 18-09-2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 26/11/2025

मोहर अदालत — सहायक आयुक्त, देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7 (देखिये नियम 21) कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/658
चूंकि प्रार्थी श्री BHAWANI SHANKAR MALI, B-1, NEW SANGANER ROAD, HEERA FARM, DEEP NAGAR, SHYAM NAGAR, SODALA, JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्न्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास राजस्थान प्रदेश माली सैनी महासभा, 26, HEERA BAG, NEAR HEERA VALLEY RESORT, SWEJ FARM, SODALA, JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।

अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 18-09-2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 25/11/2025

मोहर अदालत — सहायक आयुक्त, देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

नाम परिवर्तन

मैंने अपना नाम विमला देवी जैन से बदलकर विमला जैन पत्नी प्रवीण चंद झारचुर रख लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाए। 112, जय जवान कॉलोनी सैकंड, टोंक रोड, जयपुर

मैं सरिता निर्मल पत्नी स्व. श्री विनय निर्मल निवासी ए-131, नेहरू नगर पानी पेच जयपुर यह घोषणा करती हूँ पहले मेरा नाम सरिता सुरोलिया था जो की शादी के बाद सरिता निर्मल हो गया था, मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जावे।

मैं गजेन्द्र सिंह राठौड आर्मी नं. 15617717F रैंक HAV (CLK) यूनिट 7 गार्डस, पिन- 910907, C/O-56 APO में कार्यरत मेरे आर्मी सर्विस रिकॉर्ड में मेरे पिताजी का नाम भूल से राजेन्द्र सिंह राठौड गलत दर्ज हो गया। सही नाम राजेन्द्र सिंह मेहरतिया है। सर्विस रिकॉर्ड में सही नाम दर्ज करे।

मैं गजेन्द्र सिंह राठौड आर्मी नं. 15617717F रैंक HAV (CLK) यूनिट 7 गार्डस, पिन- 910907, C/O-56 APO में कार्यरत मेरे आर्मी सर्विस रिकॉर्ड में मेरी माताजी का नाम भूल से गोविन्द गलत दर्ज हो गया। सही नाम गोविन्द कंवर है। सर्विस रिकॉर्ड में सही नाम गोविन्द कंवर दर्ज करे।

मैं, उजमा खान पुत्री नसीरुद्दीन गौरी निवासी 2, नारायणपुरी बी, दरबारस्कूल, निवारूरोड़, जयपुर, मेरे शैक्षिणक दस्तावजो में पिताजी का नाम नसरुद्दीन दर्ज है जो गलत है मेरे पिताजी का सही नाम नसीरुद्दीन गौरी है। अतः मेरे सभी शैक्षिणक दस्तावजो में पिताजी का नाम नसीरुद्दीन गौरी करवा रही हूँ।

I have changed my name from Sneha Seth to Sneha Arora W/o Tushar Arora R/o H No 53/129, V.T. Road, Mansarovar Jaipur (Raj)- 302020. In future I should be recognized by my new name.

नियम 6 (7) देखिए — कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी : नगर पालिका कालाडेरा (जयपुर)

क्रमांक - न.पा.का./25/ **लोक सूचना** दिनांक

भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात् सर्व साधारण को सूचित किया जाता है ने निम्नांकित भूमि का गैर कृषिक प्रयोजन औद्योगिक के उपयोग हेतु ऐसी

खातेदार का नाम	तहसील का नाम	राजस्व ग्राम	खसरा न	क्षेत्रफल
1. श्रवण लाल यादव पुत्र लादूराम	चौमू	कालाडेरा	5468/5207	कुल किता 1 रकबा 0.0867 है0 गैर कृषक भूमि से औधोगिक

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नही है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा।

प्राधिकृत अधिकारी (अधिशाषी अधिकारी) नगरपालिका कालाडेरा, जयपुर

उच्च न्यायालय, मध्यप्रदेश, जबलपुर

प्रत्यर्थी को अपील की सूचना (नोटिस)
(अधिनियम क्रमांक 5, सन् 1908 का आदेश इकतालिस, नियम 14) अपील क्रमांक FA/1934/2024
Process ID" 198944/2025
Khushi Patel अपीलार्थी
Lokesh Kumar Meena प्रत्यर्थी
सन् 2024 के RCM-HM क्रमांक 1065 सन् 2023 मे न्यायालय Principal Judge, Family Court Shri Vivek Kumar Gupta, Jabalpur (Madhya Pradesh) की डिक्री/आदेश, दिनाक 29-08-2024 के विरूद्ध अपील।

प्रति,
Lokesh Kumar Meena S/o Shri Megram Meena, House No. 164/275, Education Hub, Pratap Nagar, Sanganer, District-Jaipur Rajasthan

[illegible]

Publication District-Jaipur (Rajasthan) को अग्रेषित आवश्यक आदेशिका अवहित कर ली गई है।

मुहर — प्रधान सहायक, न्यायिक शाखा-FA-DA5

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda

स्टेशन रोड शाखा, रिजर्व पुलिस लाईन के सामने जयपुर, राजस्थान 302001, फोन नं.: 8094018326 ई-मेल: stajai@bankofbaroda.com

BOB/STAJAI/2024/ADV/05-176 दिनांक: 10.09.2025

(1) मैसर्स गोविन्दा टेक्सटाईल जरिये प्रोपराईटर श्री गोविन्द राठी
फैक्ट्री पता- प्लॉट नं. 02, प्रथम तल, श्री राम विहार सांगानेर, रीको कांटा के पास, मानसरोवर, जयपुर, राजस्थान 302020
(2) मैसर्स गोविन्दा टेक्सटाईल जरिये प्रोपराईटर श्री गोविन्द राठी
रजि. पता (जीएसटी)- ए-36, न्यू सचिवालय विहार कल्याणपुरा इंडस्ट्रीयल एरिया केशवाना, जयपुर, राजस्थान 303108
(3) श्री गोविन्द राठी पुत्र ओमप्रकाश

[illegible]

... अधिनियम की धारा 13(8) के प्रावधानों के अनुसार 30 (तीस) दिन का नोटिस देते हैं और आपको बैंक की कुल बकाया राशि रुपये 83,97,222.74 (दिनांक 20.08.2024 तक) प्लस ब्याज, कानूनी शुल्क, अन्य खर्चों को चुकाने और सुरक्षित परिसंपत्तियों को भुनाने की सलाह देते हैं अन्यथा बैंक को उक्त एनपीए खाते में बैंक की बकाया राशि वसूलने के लिए कानूनी वसूली कार्रवाई करने के लिए बाध्य किया जाएगा।

सुरक्षित परिसंपत्तियों/बंधक संपत्ति का विवरण

श्री गोविन्द राठी पुत्र ओमप्रकाश राठी के नाम आवासीय सम्पत्ति जो यूनिट नं. सी-82, द्वितीय तल, टॉवर-सी (रिकॉर्ड टॉवर 3 के अनुसार), भूमि निर्माण क्षेत्र में यथानुपात हिस्सेदारी 847.55 वर्ग फीट, यूनिक न्यू टाऊन फेज-II जो भूमि पार्ट ए का प्लॉट, खसरा नं. 712, 713, 830/714, 715, 716, 717, 831/718, 719, 720, 721, गाँव महल, जगतपुरा, तहसील सांगानेर, जिला जयपुर पर स्थित है। **यूनिट नं. सी-82 की सीमाएं**- उत्तर: फ्लैट नं. सी-92, दक्षिण: गलियारा एवं फ्लैट नं. सी-72, पूर्व: खुला आकाश, पश्चिम: खुला आकाश
भूमि पार्ट ए का प्लॉट, खसरा नं. 712, 713, 830/714, 715, 716, 717, 831/718, 719, 720, 721, गाँव महल, जगतपुरा, तहसील सांगानेर, जिला जयपुर की सीमाएं- उत्तर: अन्य भूमि, दक्षिण: रोड, पूर्व: अन्य भूमि, पश्चिम: अन्य भूमि

भवदीय (नवीन कुमार गर्ग) मुख्य प्रबन्धक एवं प्राधिकृत अधिकारी

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda

एसएफएस मानसरोवर शाखा, एसपी-1, साउथएण्ड स्क्वायर मॉल, रीको औद्योगिक क्षेत्र मानसरोवर, जयपुर, राजस्थान-302020, ई-मेल: sfsman@bankofbaroda.com

अचल संपत्ति के विक्रय हेतु विक्रय नोटिस
''परिशिष्ट-IV-क'' [नियम 8(6) का परन्तुक देखें]

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के परन्तुक के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुर्नगठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन अचल आस्तियों के विक्रय हेतु ई-नीलामी विक्रय नोटिस।

आम लोगों को तथा विशेष रूप से उधार लेने वाले और प्रत्याभूति-दाता को यह नोटिस दिया जाता है कि नीचे वर्णित अचल संपत्ति जो प्रतिभूत लेनदार के पास गिरवी है, का कब्जा प्रतिभूत लेनदार के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया गया है, को **''जैसी है जहां है'',''जो है जैसी है'' और ''जितनी भी उपलब्ध है''** के आधार पर बैंक ऑफ बड़ौदा, प्रतिभूत लेनदार की बकाया राशि नीचे उल्लेखित खातें की वसूली हेतु बेचा जाएगा। ऋणियों/बंधककर्ताओं/जमानतदारों/प्रतिभूत आस्तियों/बकायों/आरक्षित मूल्य/ई-नीलामी की दिनांक व समय, धरोहर राशि एवं बोली वृद्धि राशि का विवरण नीचे वर्णित है-

क्रं./लोट सं.	ऋणियों/जमानतदारों/बंधककर्ताओं के नाम एवं पते	ज्ञात संपत्ति के साथ अचल संपत्ति का संक्षिप्त विवरण, यदि कोई हो	कुल बकाया राशि मांग पत्र के अनुसार	ई-नीलामी की दिनांक / ई-नीलामी का समय प्रारम्भ समय से समाप्ति समय	आरक्षित मूल्य / धरोहर राशि (ईएमडी) / बोली वृद्धि राशि	कब्जे की स्थिति (सांकेतिक/वास्तविक)	संपत्ति निरीक्षण की दिनांक व समय
1.	**मैसर्स हरप्यारी एक्सपोर्ट्स प्राईवेट लिमिटेड** प्लॉट नं. 183, आयकर नगर-II, कल्याणपुरा, सांगानेर, जयपुर, राजस्थान 302020 **निदेशक एवं जमानतदार- श्री पवन कुमार चांडक पुत्र श्री मोती लाल चांडक** फ्लैट नं. बी-2206, स्कॉय टेरेस, वी टी रोड, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर, राजस्थान एवं गाँव तालिया मतोडा, मटर मतोडा, जोधपुर, राजस्थान 342311 **श्रीमती राधिका चांडक पत्नी श्री पवन कुमार चांडक** फ्लैट नं. बी-2206, स्कॉय टेरेस, वी टी रोड, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर, राजस्थान एवं गाँव तालिया मतोडा, मटर मतोडा, जोधपुर, राजस्थान 342311	श्री पवन कुमार चांडक पुत्र श्री मोती लाल चांडक के नाम साम्यिक बंधक अचल सम्पत्ति जो आवासीय प्लॉट नं. 60, स्कीम नं. 9, भृगु नगर स्कीम, अजमेर रोड, जयपुर, राजस्थान पर स्थित हैं, जिसका कुल क्षेत्रफल 269.34 वर्ग गज है। सीमाएं- पूर्व: रोड 30 फीट चौड़ी, पश्चिम: प्लॉट नं. 73, उत्तर: रोड 30 फीट चौड़ी, दक्षिण: प्लॉट नं. 61-ए अन्य ऋण भार: ज्ञात नहीं	रूपये 3,03,60,605.86 दिनांक 30.04.2025 को बकाया (दिनांक 30.04.2025 तक ब्याज शामिल करते हुए) एवं इससे आगे का ब्याज व अन्य वसूली खर्चे इत्यादि।	29.10.2025 / दोपहर 02:00 बजे से सांय 06:00 बजे तक	आरक्षित मूल्य- रूपये 3,01,00,000/- / धरोहर राशि- रूपये 30,10,000/- / बोली वृद्धि राशि- रूपये 20,000/-	वास्तविक	24.10.2025 दोपहर 12:00 बजे से दोपहर 03:00 बजे तक

विक्रय के निबंधन और शर्तों के ब्यौरे के लिए कृपया नीचे दिए गए वेबसाइट अर्थात https://www.bankofbaroda.in/e-auction.htm एवं ऑनलाईन नीलामी पोर्टल https://baanknet.com देखें। इसके अलावा संभावित बोलीदाता प्राधिकृत अधिकारी से मोबाईल नं. 8094018451 पर संपर्क कर सकते है।

दिनांक: 20.09.2025 स्थान: जयपुर — हस्ता. प्राधिकृत अधिकारी बैंक ऑफ बड़ौदा

गांधी हमारे लिए सिर्फ एक चित्र नहीं, बल्कि विचार हैं : सचिन पायलट

सचिन पायलट प्रोफेसर नरेश दाधीच की पुस्तक ''महात्मा गाँधी-एक अत्यंत संक्षिप्त परिचय'' का विमोचन किया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। ए.आई.सी.सी. महासचिव और राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने कहा कि कुछ लोगों के लिए महात्मा गाँधी केवल एक तस्वीर हैं, जिन्हें वे स्वच्छता अभियान या किसी प्रतीकात्मक आयोजन में इस्तेमाल तो कर लेते हैं, परंतु गांधी के विचारों और सिद्धांतों से उनका कोई सरोकार नहीं है। वे गांधी को अडॉप्ट करने की बात करते हैं, जिससे यह साफ़ झलकता है कि वे अब तक गांधी को प्रेम नहीं करते थे और केवल सुविधा पड़ने पर ही गांधी का सहारा लेते हैं। हमारे लिए गांधी एक विचार हैं, एक दृष्टि हैं, एक सोच हैं। जबकि उनके लिए गांधी सलेक्टिव पिकिंग का साधन हैं। खादी, चरखा और सफाई तक तो उन्हें गांधी याद आते हैं, लेकिन गांधी जी की क़ौमी एकता और सर्वधर्म समभाव की बात उन्हें असहज कर देती है। इतना ही नहीं, उनमें गांधी जी के प्रिय भजन ईश्वर अल्लाह तेरो नाम, सबको सन्मति दे भगवान गाने की भी हिम्मत नहीं है। सचिन पायलट शनिवार को जयपुर के कॉन्स्टीट्यूशनल क्लब में प्रोफेसर नरेश दाधीच की पुस्तक "महात्मा गाँधी-एक अत्यंत संक्षिप्त परिचय" के विमोचन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि नरेश दाधीच के लिए गांधी केवल एक विषय नहीं, बल्कि उनका जुनून हैं। वे गांधी के विशुद्ध प्रेमी हैं और गांधी पर उनका गहरा अध्ययन है। वे लगातार गांधी की प्रासंगिकता पर लिखते रहे हैं और आज की नौजवान पीढ़ी को गांधी से जोड़ने के उनके प्रयास सराहनीय हैं।

पायलट ने कहा कि गांधी किसी व्यक्ति या दल की संपत्ति नहीं हैं। उन्होंने विचारधारा से ऊपर उठकर एक मज़बूत राष्ट्र का सपना देखा। जनता उनके शब्दों को इसलिए स्वीकार करती थी क्योंकि उनके व्यक्तित्व में नैतिक बल था, विश्वास था। उन्होंने कभी जनता का भरोसा नहीं तोड़ा और उनका एकमात्र हित देश की भलाई में निहित था। बिना युद्ध लड़े देश को आज़ादी दिलाना, ये गांधी की शक्ति थी। राजनीति में विश्वास सबसे बड़ी ताक़त है। यह वह संपत्ति है जिसे अर्जित करने में वर्षों लगते हैं, और यह किसी बाज़ार में बिकने वाली वस्तु नहीं है।

ए.आई.सी.सी. महासचिव और राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने शनिवार को जयपुर के कॉन्स्टीट्यूशनल क्लब में प्रोफेसर नरेश दाधीच की पुस्तक ''महात्मा गाँधी-एक अत्यंत संक्षिप्त परिचय'' का विमोचन किया। इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक टिप्पणीकार नीरजा चौधरी तथा पुस्तक के लेखक प्रो. नरेश दाधीच समेत कई लोग मौजूद थे।

- **पायलट ने कहा कि ''कुछ लोगों के लिए महात्मा गाँधी केवल एक तस्वीर हैं, जिन्हें वे स्वच्छता अभियान या किसी प्रतीकात्मक आयोजन में इस्तेमाल तो कर लेते हैं, परंतु गांधी के विचारों और सिद्धांतों से उनका कोई सरोकार नहीं है।''**
- **वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक टिप्पणीकार नीरजा चौधरी ने कहा कि ''सचिन पायलट ने राजस्थान में कांग्रेस के लिए अथक परिश्रम किया है। राजस्थान के युवा उत्सुक हैं और उनकी आतुरता है कि सचिन पायलट को अवसर मिले तो वे देश-प्रदेश में नए परिवर्तन ला सकते है।''**

उन्होंने आगे कहा कि आज गांधी को प्रासंगिक बनाना सबसे बड़ी ज़रूरत है। नौजवान पीढ़ी में गांधी के प्रति जिज्ञासा पैदा करना अनिवार्य है। इस पीढ़ी के पास लंबी किताबें पढ़ने का धैर्य नहीं है, इसलिए यह संक्षिप्त जीवनी उनके लिए उपयोगी सिद्ध होगी।

उन्होंने लोकतंत्र और सत्ता पर कटाक्ष करते हुए कहा कि सत्ता के मोह से लोकतंत्र की मज़बूती नहीं होती। स्वयं के बारे में बोलते हुए पायलट ने कहा कि राजनीति उनके लिए समाज में सकारात्मक बदलाव और सेवा का माध्यम है।

विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक टिप्पणीकार नीरजा चौधरी ने कहा कि सचिन पायलट ने राजस्थान में कांग्रेस के लिए अथक परिश्रम किया है। उन्होंने कहा कि राजस्थान के युवा उत्सुक हैं और उनकी आतुरता है कि सचिन पायलट को अवसर मिले तो वे देश-प्रदेश में नए परिवर्तन ला सकते हैं। नीरजा चौधरी ने कहा कि उनके मन में सवाल था कि गांधी की मृत्यु के अठत्तर साल बाद एक राजनीति विज्ञानी ने यह किताब क्यों लिखी, और इसका जवाब लेखक ने स्वयं दिया कि यह पुस्तक जनरेशन जी को ध्यान में रखकर लिखी गई है। गांधी का जीवन सुबह से लेकर शाम तक अनुशासित और प्रतिबद्धता से भरा हुआ था। आज की पीढ़ी के लिए गांधी के मूल्यों को फिर से प्रासंगिक बनाना आवश्यक है, और यह किताब उस दिशा में एक नई बहस को जन्म देगी।

पुस्तक के लेखक प्रो. नरेश दाधीच ने स्वागत भाषण में कहा कि सचिन पायलट भविष्य के नहीं, बल्कि वर्तमान के नेता हैं। वे पिछले पच्चीस वर्षों से राजनीति में सक्रिय हैं। वे अथक परिश्रमी, ज़मीन से जुड़े और संयमित वक्ता है।

अपनी पुस्तक पर बोलते हुए दाधीच ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी गांधी से विमुख होती जा रही है, जबकि गांधी ने अपने अधिकांश आंदोलन युवाओं की शक्ति से चलाए थे। स्वतंत्रता आंदोलन में गांधी युवाओं के सबसे बड़े नेता थे, फिर आज क्यों नहीं? इसी प्रश्न ने उन्हें यह पुस्तक लिखने के लिए प्रेरित किया। आज का युवा बदलाव चाहता है और अन्याय का विरोध करना उसकी प्रवृत्ति है। गांधी ने यही सिखाया कि अन्याय का विरोध अहिंसा से किया जाए। पूरी दुनिया आज गांधी को अन्याय के विरोध का प्रतीक मानती है। ज़रूरत है कि युवा पीढ़ी के सामने गांधी को उसी रूप में प्रस्तुत किया जाए जैसे वे वास्तव में थे। गांधी ने अपनी भूलों को स्वीकार किया, और यह वही कर सकता है जिसका दिल और दिमाग बड़ा हो।

शहरी निकाय के चुनाव टालना उचित नहीं, चुनाव कराने के लिए उठाए जरूरी कदम : हाईकोर्ट

हाईकोर्ट ने कहा कि संवैधानिक प्रावधान के बावजूद राज्य सरकार और चुनाव आयोग ने नगर पालिकाओं के चुनाव कराने के लिए निर्धारित समय सीमा का पालन नहीं किया है।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा कि संवैधानिक प्रावधान के बावजूद राज्य सरकार और चुनाव आयोग ने नगर पालिकाओं के चुनाव कराने के लिए निर्धारित समय सीमा का पालन नहीं किया है। याचिकाकर्ताओं का कार्यकाल गत जनवरी माह में पूरा हो चुका है। ऐसे में एसडीओ को प्रशासक लगाया गया, लेकिन यह व्यवस्था केवल छह माह के लिए ही हो सकती है। लंबे समय तक चुनाव नहीं होने से स्थानीय स्तर पर शासन शून्यता पैदा हो सकती है, जिससे शहरी क्षेत्रों में जमीनी स्तर पर गतिविधियां प्रभावित होगी। नगर पालिकाओं के चुनाव में अनुचित देरी की स्थिति में राज्य निर्वाचन आयोग के लिए जरूरी हो जाता है कि वह मामले में हस्तक्षेप करे और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को बहाल करने के लिए जरूरी उपाय करे।

इसके साथ ही अदालत ने उचित कार्रवाई के लिए आदेश का कॉपी मुख्य सचिव, राज्य भारतीय निर्वाचन आयोग और राज्य निर्वाचन आयोग को भेजी है। वहीं अदालत ने याचिकाओं को खारिज करते हुए कहा कि उन्हें अध्यक्ष पद पर बने रहने की अनुमति नहीं दी जा सकती। जस्टिस अनूप कुमार ढंड की एकलपीठ ने यह आदेश उर्मिला अग्रवाल व अन्य की याचिकाओं पर दिए।

- **अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ताओं का कार्यकाल गत जनवरी माह में पूरा हो चुका है। ऐसे में एसडीओ को प्रशासक लगाया गया, लेकिन यह व्यवस्था केवल छह माह के लिए ही हो सकती है। लंबे समय तक चुनाव नहीं होने से स्थानीय स्तर पर शासन शून्यता पैदा हो सकती है, जिससे शहरी क्षेत्रों में जमीनी स्तर पर गतिविधियां प्रभावित होगी।**

याचिकाओं में अधिवक्ता जीएस गौतम सहित अन्य वकीलों ने कहा कि याचिकाकर्ता जनवरी, 2020 में अपनी-अपनी ग्राम पंचायतों में सरपंच बने थे। वहीं जून, 2021 में स्वायत्त शासन विभाग ने कुछ ग्राम पंचायतों को शहरी निकाय में शामिल कर लिया और चुने हुए याचिकाकर्ताओं को सरपंच और उप सरपंचों को शहरी निकाय में अध्यक्ष व उपाध्यक्ष बना दिया। याचिका में कहा गया कि गत 22 जनवरी को राज्य सरकार ने एक अधिसूचना जारी कर कहा कि उनका पांच साल का कार्यकाल पूरा हो गया है और उनके स्थान पर प्रशासनिक अधिकारी को प्रशासक लगा दिया, जबकि कई अन्य ग्राम पंचायतों में कार्यकाल पूरा होने के बाद भी सरपंचों को प्रशासक लगा रखा है। ऐसे में याचिकाकर्ताओं को हटाकर उनके साथ भेदभाव किया गया है। इसका विरोध करते हुए राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि याचिकाकर्ता अदालत से अध्यक्ष व उपाध्यक्ष पद पर बने रहने के लिए आदेश जारी करने की गुहार कर रहे हैं।

जबकि यह आदेश तभी दिया जा सकता है, जब याचिकाकर्ताओं के कानूनी अधिकार की अवहेलना हो। जबकि याचिकाकर्ताओं का कार्यकाल समाप्त हो चुका है। दोनों पक्षों की बहस सुनकर अदालत ने याचिकाओं को खारिज करते हुए जल्दी चुनाव कराने की मंशा जताई है।

सनातन संस्कृति की धड़कन है संस्कृत : देवनानी

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शनिवार को संस्कृत भाषा की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संस्कृत केवल एक भाषा नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति की धकड़न और मानव सभ्यता की नींव है। वे मानसरोवर स्थित परिष्कार कॉलेज में संस्कृत भारती द्वारा आयोजित "भविष्याय संस्कृतम्" विषयक संभाषण शिविर के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

देवनानी ने इस अवसर पर बताया कि राजस्थान विधानसभा के 21 नवनिर्वाचित विधायकों द्वारा संस्कृत में शपथ लेना एक ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण क्षण है, जो संस्कृत के पुनर्जागरण की दिशा में एक सशक्त कदम है।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि संस्कृत, ऋषि-मुनियों की देव भाषा होने के साथ-साथ विज्ञान की दृष्टि से भी सर्वोत्तम मानी जाती है। उन्होंने बताया कि नासा जैसे संस्थान भी कंप्यूटर विज्ञान में संस्कृत की संभावनाओं पर शोध कर रहे हैं। जर्मन वैज्ञानिक संस्कृत ग्रंथों का अध्ययन कर शोध और आविष्कार कर रहे हैं। संस्कृत में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों को देवनानी ने "अभिनव प्रयास" बताया और कहा कि ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से युवा पीढ़ी का जुड़ाव संस्कृत से गहराता जा रहा है, जो भाषा के उज्ज्वल भविष्य का संकेत है। उन्होंने जोर देकर कहा कि संस्कृत केवल परंपरा का विषय नहीं, बल्कि रोजगार का भी सशक्त माध्यम है।

राज्य के विश्वविद्यालयों में ज्योतिष, कर्मकांड जैसे विषयों के विशेष पाठ्यक्रम शुरू किए जाने चाहिए, जिससे युवाओं को रोजगार के अवसर मिल सकें और समाज में संस्कृत का व्यावहारिक उपयोग बढ़े। इस अवसर पर जयपुर नगर निगम की महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर, सुरेश सोनी और जय प्रकाश गौतम ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। समारोह में संस्कृत के विद्वान, शिक्षक और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

सर्व समाज रैली का ऐलान किया

जयपुर। राष्ट्रीय लोकदल ने राजस्थान की राजनीति में तीसरे मजबूत विकल्प के रूप में उतरने का ऐलान करते हुए राजधानी जयपुर और भरतपुर के बयाना में दो बड़े आयोजन करने की घोषणा की है। पार्टी 22 सितंबर को जयपुर के कॉन्स्टिट्यूशनल क्लब में लीडरशिप कैंप आयोजित करेगी, वहीं 5 अक्टूबर को बयाना में एक ऐतिहासिक सर्वसमाज एकता रैली का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी प्रदेश अध्यक्ष जोगिंदर सिंह अवाना ने शनिवार को पिंक सिटी प्रेस क्लब में आयोजित प्रेस वार्ता में दी। उन्होंने कहा कि 1980 के दशक में राजस्थान में 50 से अधिक विधायक और कई मंत्री थे। अब वही दौर दोहराने का समय आ गया है। इस बार पार्टी भाजपा और कांग्रेस को सीधी टक्कर देगी और जनता को एक सशक्त विकल्प देगी। 22 सितंबर को होने वाले लीडरशिप कैंप में पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री त्रिलोक त्यागी और प्रदेश प्रभारी मलूक नागर विशेष रूप से मौजूद रहेंगे। ये दोनों नेता संगठन, अनुशासन, रणनीति और आगामी कार्यक्रमों पर कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण देंगे।

16 देशों के छात्रों ने दिया स्वस्थ जीवन का संदेश

जयपुर में ''रन फॉर आयुर्वेद'' का आयोजन हुआ

जयपुर। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर की ओर से 10वें आयुर्वेद दिवस के अवसर पर आयोजित "रन फॉर आयुर्वेद" रैली ने आमजन को आयुर्वेद से जोड़ने और निरोगी जीवन की प्रेरणा देने का कार्य किया। इस अवसर पर 16 देशों से आए छात्रों समेत लगभग 2000 प्रतिभागियों ने भाग लेकर आयुर्वेद के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। इस जागरूकता रैली की शुरुआत राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान से होकर हवामहल और बड़ी चौपड़ तक हुई। रैली का आयोजन संस्थान के कुलपति प्रो. संजीव शर्मा, संयुक्त निदेशक जेपी शर्मा, उपनिदेशक प्रशासन चंद्रशेखर शर्मा, एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में हुआ।

कार्यक्रम संयोजक प्रो. सुनील यादव ने बताया कि रैली का मुख्य उद्देश्य आम जनता को आयुर्वेद और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करना है। रैली के उपरांत आयोजित प्रेस वार्ता में कुलपति प्रो. संजीव शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से अब हर वर्ष 23 सितम्बर को आयुर्वेद दिवस मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि आयुर्वेद आज न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर लोकप्रिय हो रहा है। वर्तमान में संस्थान में 16 देशों के विद्यार्थी आयुर्वेद चिकित्सा में अध्ययन और अनुसंधान कर रहे हैं। प्रो. शर्मा ने बताया कि संस्थान में आयुर्वेद चिकित्सा के साथ आधुनिक तकनीकों का समावेश किया जा रहा है, जिससे कैंसर, दंत रोग, नेत्र रोग सहित विभिन्न रोगों के इलाज में लोगों को लाभ मिल रहा है। जल्द ही संस्थान में नया अत्याधुनिक ओपीडी ब्लॉक भी शुरू होने जा रहा है। कुलपति ने बताया कि संस्थान द्वारा स्पेशली एबल्ड बच्चों के इलाज हेतु बाल संवर्धन केंद्र, नशा मुक्ति इकाई, और ऑनलाइन ओपीडी रजिस्ट्रेशन जैसी सेवाएं शुरू की गई हैं। इसके साथ ही, पंचकर्म विभाग और अन्य विशिष्ट चिकित्सा विभागों में देश-विदेश से हर साल लाखों मरीज इलाज के लिए आते हैं।

संस्थान में प्राचीन आयुर्वेद ग्रंथों और पांडुलिपियों के संरक्षण हेतु पांडुलिपि विज्ञान विभाग कार्यरत है, जो पूरे भारत में अपनी तरह की एकमात्र नोडल एजेंसी है। इसके अलावा, पेड़-पौधों की चिकित्सा के लिए एक विशेष वृक्ष आयुर्वेद विभाग भी स्थापित किया गया है।

इस मौके पर संस्थान के चिकित्सालय अधीक्षक प्रो. अनुपम श्रीवास्तव, संयुक्त निदेशक जेपी शर्मा, मीडिया प्रभारी डॉ. राकेश नागर, डॉ. रितेश, डॉ. तरुण, और जनसंपर्क अधिकारी विनोद सैन भी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान से हवामहल और बड़ी चौपड़ तक शनिवार को ''रन फॉर आयुर्वेद'' रैली निकाली गई।

पूर्व डी.जी. पुलिस पीसी मिश्रा का निधन

जयपुर। राजस्थान के पूर्व पुलिस महानिदेशक पूर्णचंद मिश्रा (पीसी मिश्रा)का शनिवार सुबह सवाई मानसिंह अस्पताल में देहांत हो गया। वे कुछ महीनों से बीमार चल रहे थे। उनका दाह संस्कार रविवार को किया जायेगा। वे 26 जून 1985 से 31 जनवरी 1988 तक पुलिस महानिदेशक के पद पर रहे। मूलतः गुहावाटि के रहने वाले पीसी मिश्रा अपने पीछे दो पुत्रों समेत भरा पूरा परिवार छोड़ गये है। उनके एक बेटे अमेरिका में है, जबकि दूसरे बेटे कोलकाता में व्यवसाय करते है। स्व. मिश्रा की धर्मपत्नी सविता मिश्रा का वर्ष 2012 में निधन हो गया था।

'हिंदू चिंतन ही विश्व समस्याओं का समाधान'

जयपुर। हिंदू आध्यात्मिक एवं सेवा संस्थान, राजस्थान द्वारा आज जयपुर स्थित होटल रेडिसन, खासा कोठी में एक प्रबुद्धजन गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में भाग्येश भाई झा (चेयरमैन, गुजरात साहित्य अकादमी एवं सेवा निवृत्त अधिकारी) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचारक बाबूलाल उपस्थित रहे। भाग्येश भाई झा ने भारत का भविष्य, मानवीय मूल्य एवं प्रौद्योगिकी विषय पर वक्तव्य देते हुए कहा कि हिंदू दर्शन और चिंतन ही विश्व की सभी समस्याओं का समाधान है। उन्होंने सनातन संस्कृति और तकनीकी के सामंजस्य को शांति और स्थायित्व का आधार बताया।प्रांत प्रचारक बाबूलाल ने विकसित भारत में हिंदुत्व की भूमिका विषय पर बोलते हुए कहा कि विकसित भारत का अर्थ है – स्वदेशी पर गर्व, नागरिक कर्तव्यों का पालन और पारिवारिक व्यवस्था की मजबूती। उन्होंने जनसंख्या असंतुलन जैसे मुद्दों पर समाज स्तर पर संवाद की आवश्यकता बताई। संस्थान के सचिव सोमकांत शर्मा ने हिंदू जीवन पद्धित की प्रासंगिकता को रेखांकित करते हुए कहा कि समाज को पुनः भारतीय परंपराओं को आत्मसात करना चाहिए। उन्होंने मठ-मंदिरों और सामाजिक संस्थाओं के कार्यों को समाज में सामने लाने का आव्हान किया।

बटवाडा का जन्मदिन मनाया

जयपुर। किशनपोल से भाजपा के प्रत्याशी एडवोकेट चन्द्र मनोहर बटवाडा का जन्मदिन उनके निवास पर हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक पूजन और हवन से हुई। दोपहर 2 बजे से देर शाम तक बधाई देने वालों का तांता लगा रहा। जन्मदिन कार्यक्रम में किशनपोल विधानसभा के तीनों मंडलों-चांदपोल, किशनपोल और जौहरी बाजार के मंडल अध्यक्ष कपिल गुर्जर, कुलदीप शर्मा और दीपक शर्मा अपने-अपने पार्षदों, पार्षद प्रत्याशियों और कार्यकर्ताओं के साथ गाजे-बाजे के साथ पहुंचे। तीनों मंडल अध्यक्षों ने बटवाडा को तलवार भेंट कर जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं और केक कटवाया। कार्यक्रम में लगभग 4000 से अधिक कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

चलती कार से हवाई फायरिंग करने वाले गिरफ्तार

जयपुर। रामनगरिया थाना पुलिस ने फायरिंग मामले में दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से अवैध हथियार व वारदात में प्रयुक्त कार जब्त की है। गिरफ्तार आरोपियों ने पूछताछ में सोशल मीडिया से प्रभावित होकर गैंग बनाने और वर्चस्व बढ़ाने के लिए हवाई फायर करना कबूल किया है। फिलहाल आरोपितों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर (पूर्व) संजीव नैन ने बताया कि रामनगरिया थाना पुलिस ने फायरिंग मामले में बदमाश कमलेश कुमार बैरवा (27) निवासी पापड़दा जिला दौसा और नरेश कुमार (24) निवासी जयसिंहपुरा रामनगरिया को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक देसी पिस्टल और दो कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त एक कार भी जब्त की है।

चलते ट्रेलर में अचानक लगी आग, चालक ने नीचे कूदकर जान बचाई

ट्रेलर का केबिन पूरी तरह जलकर कबाड़ में तब्दील, बड़ा हादसा टला

जयपुर। दौलतपुरा थाना इलाके के जयपुर-दिल्ली हाईवे पर शनिवार सुबह चलते ट्रेलर में अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। इस दौरान वक्त रहते चालक ने ट्रेलर से कूदकर अपनी जान बचाई। गनीमत रही कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। वहीं सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने फायर ब्रिगेड की मदद से आग पर काबू पा लिया। हालांकि आग लगने से ट्रेलर का केबिन पूरी तरह जलकर कबाड़ में तब्दील हो गया। पुलिस के मुताबिक शॉर्ट सर्किट होने की कारण ट्रेलर में आग लग गई।

थानाधिकारी प्रभु राम ने बताया कि हादसा शनिवार सुबह 10 बजे जयपुर-दिल्ली हाईवे पर हुआ था। जहां जयपुर से लोहे की पत्तियों का रोल लेकर ट्रेलर दिल्ली की तरफ जा रहा था। हाईवे पर अप्पू घर से आगे निकलते ही इलाके में चलते ट्रेलर के केबिन से धुआं उठने लगा। देखते ही देखते हवा लगने से कुछ ही देर में आग की भीषण लपटें उठने लगी।

- **पुलिस के मुताबिक शॉर्ट सर्किट के कारण ट्रेलर में आग लगी थी,फायर बिग्रेड की मदद से आधे घंटे में आग पर काबू पाया गया**

आग देखकर चालक ने तुरंत ट्रेलर को हाईवे किनारे रोक दिया और कूदकर अपनी जान बचाई। कुछ ही देर में ट्रेलर का केबिन पूरी तरह आग की चपेट में आ गया। जिसकी सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंचीं।

पुलिस ने फायर बिग्रेड की गाड़ी की मदद से करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। पुलिस का कहना है कि शॉर्ट सर्किट से लगी आग के चलते ट्रेलर का केबिन जलकर कबाड़ में बदल गया।

ट्रेफिक जाम और युवाओं की भीड़ में फंसे वाहन चालक

चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी भर्ती परीक्षा के कारण बीते 2 दिनों से राजधानी जयपुर में युवाओं व परीक्षार्थियों का रैला उमड़ा हुआ है। शनिवार शाम को जैसे ही परीक्षा खत्म हुई तो जयपुर के 200 फीट बायपास पर युवाओं की भीड़ एक साथ उमड़ी। यहां पर मेट्रो प्रोजेक्ट के कारण पहले से ही आधी सड़क पर आवाजाही बंद है। ऐसे में एकाएक बढ़ी भीड़ के बीच वाहन चालक फंसकर रह गए, जिन्हें अपने गंत्व्य तक पहुंचने के लिए लंबी कतारों में फंसकर परेशान होना पड़ा। फोटो-राष्ट्रदूत

भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने ओमान के खिलाफ एशिया कप के मुकाबले में बल्लेबाजी नहीं की थी। भारत ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया, लेकिन सूर्यकुमार बल्लेबाजी के लिए नहीं उतरे।

- सुनील गावस्कर

पूर्व भारतीय बल्लेबाज, सूर्यकुमार की कप्तानी को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ अक्षर पटेल

अक्षर पटेल पाकिस्तान के ख़िलाफ रविवार को होने वाले भारत के सुपर फ़ोर मैच में नहीं भी खेल सकते हैं। उन्हें अबु धाबी में ओमान के ख़िलाफ ग्रुप ए मैच में फ़ील्डिंग करते समय सिर पर चोट लगी थी। अक्षर को 15वें ओवर में यह चोट लगी थी। वह मिड-ऑफ़ से दौड़ते हुए हम्माद मिर्ज़ा का कैच लेने की कोशिश में संतुलन खोकर गिर पड़े, जिससे उनका सिर जमीन से टकरा गया। इसके बाद उन्हें सिर और गर्दन को पकड़ते हुए देखा गया और फ़िज़ियो की मदद से मैदान से बाहर ले जाया गया। वे ओमान की पारी के बचे हुए हिस्से में फ़ील्ड पर नहीं लौटे।

क्या आप जानते हैं ?... भारतीय टीम का सामना अब रविवार को पाकिस्तान से होगा। भारतीय टीम टूर्नामेंट में अजेय बनी हुई है और उसने अब तक एक भी मैच नहीं गंवाया है।

दुबई में पाकिस्तान से महाजंग, टीम इंडिया पूरी तरह तैयार : सूर्यकुमार

दुबई, 20 सितम्बर। दुबई में एशिया कप लीग मैच में भारत द्वारा पाकिस्तान को हराने और जानबूझकर हाथ मिलाने से बचने के कुछ ही मिनट बाद, सूर्यकुमार यादव खचाखच भरे प्रेस रूम में पहुंचे। जब उनसे पूछा गया कि उन्होंने मैच की तैयारी के दौरान सोशल मीडिया पर हो रहे शोर से कैसे निपटा, तो उन्होंने कंधे उचका दिए। उन्होंने कहा कि उन्हें ''पता नहीं'' था कि वहां क्या हो रहा है, और फिर उन्होंने आगे कहा कि दुबई पहुंचने पर टीम ने सोच-समझकर फैसला लिया था: ऐप्स डिलीट कर दो, बाहरी शोर को ''70-80 प्रतिशत'' तक कम कर दो। अब, भारत-पाकिस्तान के एक और मुकाबले की पूर्व संध्या पर, सूर्यकुमार प्रेस के सामने फिर से थे। वही सवाल फिर से आया, इस बार उन सब बातों की याद दिलाते हुए जो तब से हुई थीं। ''अपना कमरा बंद करो, अपना फ़ोन बंद करो और सो जाओ,'' उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा। ''मुझे लगता है यही सबसे अच्छा है।'' फिर उन्होंने समझाया: ''देखो, यह कहना आसान है, लेकिन कभी-कभी मुश्किल भी होता है क्योंकि आप बहुत सारे दोस्तों से मिलते हैं, आप डिनर पर जाते हैं और आपके आस-पास बहुत सारे खिलाड़ी भी होते हैं जो ये सब देखना पसंद करते हैं।

''लेकिन मैं सभी खिलाड़ियों के साथ बहुत स्पष्ट रहा हूँ, मुझे लगता है कि अगर आपको इस टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करना है और आगे बढ़ना है, तो यह बहुत जरूरी है, हमें बाहर से आने वाले शोर को रोकना होगा और जो आपके लिए अच्छा है उसे अपनाना होगा। मैं यह नहीं कह रहा कि शोर पूरी तरह बंद कर दो, बल्कि जो तुम्हारे लिए अच्छा है उसे अपनाओ और कोई तुम्हें अच्छी सलाह भी दे सकता है जो खेल में तुम्हारी मदद कर सकती है, जो मैदान पर तुम्हारी मदद कर सकती है। इसलिए मुझे लगता है कि यह मेरे लिए

बहुत जरूरी है और बाकी मुझे लगता है कि हर कोई एक अच्छी जगह पर अच्छा है।''यह बात बहुत मायने रखती थी। एक बार फिर, भारत-पाकिस्तान मैच की पूर्व संध्या पर, ध्यान क्रिकेट के अलावा हर जगह भटक गया था। सूर्यकुमार के जवाबों ने इसे वापस खींच लिया। उन्होंने कहा कि पिछली रात मैदान पर भारत ने जो अंतर दिखाया था, वही बातचीत का विषय था।

भारत के खिलाफ पिछले मैच के बाद पूरे भारत में जश्न के बारे में पूछे जाने पर, उन्होंने सरलता से कहा: ''हम जीत गए, इसलिए वे जश्न मना रहे हैं। मेरा मतलब है, जिस तरह देश हर मैच में हमारा समर्थन करता है, उसी तरह उन्हें इस मैच में भी हमारा समर्थन करना चाहिए। और आज रविवार है, इसलिए मुझे लगता है कि ज़्यादा लोग मैच देखेंगे। ''तो आराम से बैठो और खेल का आनंद लो। और जब हम मैदान पर जाएंगे, तो हम उसी तीव्रता और ऊर्जा के साथ खेलने की कोशिश करेंगे। और हम हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन जारी रखने की कोशिश करेंगे।'' ''और हम पूरे मैदान में यही कोशिश करेंगे।''

प्रतिद्वंद्विता का सवाल भी उठा: क्या यह 2000 के दशक जैसा ही था? ''उस समय, मुझे नहीं पता। मैंने कभी नहीं खेला। इसलिए मैं नहीं कह सकता,'' वह हँसे। लेकिन उन्होंने जल्दी से अपनी बात फिर से दोहराई। ''हमने तीन मैच खेले हैं। हमें तीनों मैच जीतने में उतना ही मज़ा आया जितना हमें पहला मैच जीतने में आया था। इसलिए मुझे लगता है कि हर मैच एक नई चुनौती है। हम इसे सहजता से लेते हैं और अच्छा लगता है। हम जीतते हैं और उससे कुछ सीखते हैं और अगले मैच में भी ऐसा ही करने की कोशिश करते हैं।'' क्या भारत फिर से वही करेगा, इस सवाल पर, हाथ मिलाने वाले एपिसोड की ओर इशारा करते हुए, उन्होंने फिर से क्रिकेट का ज़िक्र किया। ''गेंद और बल्ले का अच्छा मुकाबला होता है। साथ ही, अच्छी तीव्रता का मुकाबला भी होता है।

जैसा कि मैंने पिछले सवाल में कहा था, स्टेडियम खचाखच भरा होता है और आपको अपना समर्थन देने के लिए बेहतरीन दर्शक मिलते हैं। और देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना और खेल का आनंद लेना सबसे अच्छा होता है।'' सूर्यकुमार ने अपने अंदाज में, प्रतिद्वंदी का ज़िक्र किए बिना ही प्रतिद्वंदी, शोर-शराबे और विवादों से जुड़े हर सवाल का जवाब दिया। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि उनका ध्यान क्रिकेट पर था। यह वही संदेश था जो उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ पिछले मैच के बाद दिया था: ऐप्स डिलीट कर दो, ध्यान भटकाने वाली चीज़ें म्यूट कर दो, क्रिकेट खेलो। एक साल पूरे होने की पूर्व संध्या पर भारत-पाकिस्तान मुकाबले के दौरान सूर्यकुमार ने फिर से डिलीट बटन दबाया और कर्सर को गेम पर ही रखा।

भारत की संभावित प्लेइंग : अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), तिलक वर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती

पाकिस्तान की संभावित प्लेइंग : साहिबजादा फरहान, सईम अयूब, मोहम्मद हारिस (विकेटकीपर), फखर जमान, सलमान आगा (कप्तान), हसन नवाज, मोहम्मद नवाज, फहीम अशरफ, शाहीन अफरीदी, हारिस रऊफ, अबरार अहमद

भारत के खिलाफ मैच से पहले पाक ने प्री-मैच प्रेस कॉफ्रेंस रद्द कर दी

दुबई, 20 सितम्बर। पाकिस्तान ने रविवार को भारत के खिलाफ होने वाले सुपर फोर मैच से पहले होने वाली प्रेस कॉन्फ्रेंस रद्द कर दी है। एशियाई क्रिकेट परिषद द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार, एक पाकिस्तानी खिलाड़ी या कोचिंग स्टाफ के सदस्य को स्थानीय समयानुसार शाम 6 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस करनी थी। टीम को दुबई स्थित आईसीसी अकादमी में शाम 6 बजे से तीन घंटे तक प्रशिक्षण भी लेना था। ईएसपीएनक्रिकइंफो को पता चला है कि प्रशिक्षण निर्धारित समय पर ही होगा।

प्रेस कॉन्फ्रेंस रद्द करने का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। इतने ही मैचों में यह दूसरी बार है जब पाकिस्तान ने मैच से पहले मीडिया से बात करने की अपनी पारंपरिक ज़िम्मेदारी रद्द कर दी है। उन्होंने यूएई के खिलाफ अपने जरूरी मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस करने से इनकार कर दिया था, जबकि मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट के साथ हाथ मिलाने का मामला लगातार गरमाता रहा।

इसके बाद, आईसीसी द्वारा पाइक्रॉफ्ट और पाकिस्तान के कोच, कप्तान, मीडिया और टीम मैनेजरों के बीच एक बैठक आयोजित करने के बाद यह विवाद काफी हद तक शांत हो गया, जहां पाइक्रॉफ्ट ने भारत के खिलाफ टॉस के दौरान हुई घटनाओं पर खेद व्यक्त किया। उन्होंने सलमान अली आगा से कहा था कि भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव से हाथ नहीं मिलाया जाएगा, जिसे पाकिस्तान ने पाइक्रॉफ्ट द्वारा आईसीसी की आचार संहिता का पालन न करने के रूप में समझा और उन्हें टूर्नामेंट से हटाने की मांग की।

ऐसा प्रतीत होता है कि इस बैठक ने पीसीबी को कुछ हद तक शांत कर दिया; उन्होंने इसका एक छोटा वीडियो जारी किया, जिसमें कोई ऑडियो नहीं था, और एक बयान में कहा कि पाइक्रॉफ्ट ने माफी मांग ली है। बदले में, ऐसा प्रतीत होता है कि इससे आईसीसी नाराज हो गया, जिसने उस वीडियो की रिकॉर्डिंग और उसके सार्वजनिक वितरण पर आपत्ति जताते हुए पीसीबी को कड़े शब्दों में एक ईमेल लिखा, जिसमें कहा गया कि बोर्ड ने खिलाड़ियों और मैच अधिकारियों के क्षेत्र (पीएमओए) में बिना सहमति के वीडियो बनाकर प्रोटोकॉल का उल्लंघन किया है। इस बात की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं है कि पीसीबी ने उस ईमेल का जवाब दिया या नहीं।

भारत शनिवार को भी प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं करेगा। जैसा कि एक दिन के अंतराल के बाद अगला मैच खेलने वाली टीमों के लिए प्रथागत है, उन्होंने शुक्रवार रात ओमान के खिलाफ मैच समाप्त होने के बाद, पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले से पहले एक प्रतिबंधित प्रेस कॉन्फ्रेंस की। रविवार को सुपर फ़ोर चरण में दोनों टीमों का पहला मैच होगा।

फिर रेफरी होंगे एंडी, पीसीबी की बौखलाहट!

नई दिल्ली, 20 सितंबर। एंडी पाइक्रॉफ्ट एक बार फिर से एशिया कप में भारत और पाकिस्तान बीच होने वाले सुपर 4 मुकाबले में मैच रेफरी होंगे। एंडी पाइक्रॉफ्ट 14 सितंबर को एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए मुकाबले में हाथ मिलाने को लेकर हुए विवाद के केंद्र में थे। भारत के खिलाफ 7 विकेट से मिली करारी हार के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने पाइक्रॉफ्ट को तुरंत हटाने की मांग की थी। पाकिस्तान बोर्ड के अनुसार, पाइक्रॉफ्ट ने कप्तान सलमान आगा और सूर्यकुमार यादव से ग्रुप स्टेज मुकाबले के टॉस के दौरान हाथ न मिलाने को कहा था।

श्रीलंका ने दिया बांग्लादेश को 169 रनों का लक्ष्य

दुबई, 20 सितंबर। दसून शानका (नाबाद 64) और कुसल मेंडिस (35) की शानदार बल्लेबाजी के दम पर श्रीलंका ने शनिवार एशिया कप के पहले सुपर चार मुकाबले में बंगलादेश को जीत के लिए 169 रनों का लक्ष्य दिया।

आज यहां बंगलादेश ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका पुथम निसंका और कुसल मेंडिस की जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 44 रन जोड़े। पांचवें ओवर में तस्कीन अहमद ने निसंका 15 गेंदों में 22 रन को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। दूसरे विकेट के रूप में कामिल मिशारा (पांच) और इसके बाद कुसल परेरा 16 रन बनाकर आउट हुये। 19वें ओवर में कप्तान चरित असलंका (21) रनआउट हुये।

इसी ओवर की चौथी गेंद पर मुस्तफिज़ुर रहमान ने कामिंडु मेंडिस (एक) रन को आउट किया। इसी ओवर की आखिरी गेंद पर वानिंदु हसरंगा (दो) भी मुस्तफिज़ुर रहमान का शिकार बने। श्रीलंका की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट पर 168 रन का स्कोर खड़ा किया। दसून शानका ने 36 गेंदों में पांच छक्के और तीन चौके लगाते हुए (नाबाद 64) रन बनाये। बंगलादेश की ओर से मुस्तफिज़ुर रहमान को तीन विकेट मिले। मेहदी हसन ने दो विकेट लिये। तस्कीन अहमद ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

आरसीए अंडर-19 चैलेंजर ट्रॉफी आज से

जयपुर, 20 सितम्बर। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत के अनुसार बीसीसीआई के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र 2025 - 26 की अंडर 19 प्रतियोगिता में में भाग लेने वाली राजस्थान टीम के संभावितों के चयन हेतु आरसीए के तत्वाधान में आगामी 21 - 24 सितम्बर 2025 को अंडर 19 चैलेंजर ट्रॉफी खेली जाएगी। चैलेंजर ट्रॉफी हेतु 8 टीमों का चयन राजस्थान जूनियर चयन कमेटी ने आरसीए द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय अंडर 19 प्रतियोगिता में खिलाडियों के प्रदर्शन के आधार पर किया।

राज्य स्तरीय अंडर-23 प्रतियोगिता

राज, देव, ग्रोवर, राहुल, सोहन, युवराज व दर्शन के शतक

जयपुर, 20 सितम्बर। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत के अनुसार बीसीसीआई के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र 2025-26 की अंडर 23 प्रतियोगिता में भाग लेने वाली राजस्थान टीम के संभावितों के चयन हेतु आरसीए के तत्वाधान में जयपुर में खेली जा रही राज्य अंडर 23 प्रतियोगिता में जयपुर , जैसलमेर, हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर, सवाई माधोपुर, जोधपुर, बांसवाड़ा, बीकानेर, कोटा, सीकर, करौली, राजसमंद, बाड़मेर, नागौर जीती। आज राज शर्मा, देव यादव, ओसनिक ग्रोवर, राहुल चौधरी, सोहन जैफ ,युवराज मीणा, दर्शन जैन के शानदार शतक, विशाल गोदारा, नरपत , तनवीर , राहुल , मयंक राज की शानदार गेंदबाजी रही।

मेफेयर पोलो और ऑल स्टार पोलो टीमें जीती

जयपुर, 20 सितम्बर। कैवेलरी पोलो ग्राउंड पर अरावली पोलो टीम ओर मेफेयर पोलो टीम के बीच मैच खेला गया जिसमें मेफेयर पोलो टीम ने अरावली पोलो टीम को 5 के मुकाबले 8 गोल से हराया। अरावली पोलो टीम की ओर से हुर्र अली ने 1, दीप सिंह ओर कुलदीप सिंह ने 2- 2 गोल किए। मेफेयर पोलो टीम की ओर से सवीर मेहराज ने 2 गोल किए वहीं बतिस्ता ने अपनी टीम के लिए 6 गोल कर जीत पक्की कर दी। रामबाग पोलो ग्राउंड पर दूसरा मैच ऑल स्टार पोलो टीम ओर जयपुर पोलो टीम के बीच मैच खेला गया जिसमें ऑल स्टार पोलो टीम ने जयपुर पोलो टीम को 10 के मुकाबले 11 गोल से हराया। जयपुर पोलो टीम की ओर से महाराज पद्मनाभ सिंह ने 3 गोल ओर लांस वाटसन ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए 7 गोल करके भी टीम को जीता नहीं सके। ऑल स्टार पोलो टीम की ओर से अशोक चांदना ने 2, मतिहास ने 3 ओर ध्रुवपाल गोदारा ने अपनी टीम के लिए 6 गोल कर टीम को जीताया।

अंतिम रेड पर नीरज को लपक पटना पाइरेट्स ने दबंग दिल्ली केसी का विजय रथ रोका

जयपुर, 20 सितंबर। दबंग दिल्ली केसी का लगातार छह मैचों से चला आ रहा विजय रथ आखिरकार रुक गया है। प्रो कबड्डी लीग के 12वें सीजन के 43वें मुकाबले में शनिवार को तीन बार के चैंपियन पटना पाइरेट्स ने अंतिम रेड में नीरज नरवाल को लपक 33-30 के अंतर से मैच जीत लिया। दिल्ली को पहली हार मिली जबकि पटना को सात मैचों में दूसरी जीत मिली।

सवाई मानसिंह इंडोर स्टेडियम में आज को खेले गए मुकाबले में एक समय 12 अंक से पीछे चल रही पटना की जीत में अंकित (12) का अहम योगदान रहा। उन्होंने मैच में पटना की वापसी कराई और फिर स्कोर बराबर भी किया। दिल्ली के लिए आशू मलिक ने 6 अंक लिए जबकि नीरज नरवाल ने 8 अंक जुटाए।

पटना के लिए कप्तान अंकित ने डिफेंस में 6 अंक जुटाए। दिल्ली ने अच्छी शुरुआत करते हुए तीन मिनट में ही 4-1 की लीड बना ली थी लेकिन सुधाकर ने फजल का शिकार कर फासला दो का कर दिया। फिर अजिंक्य को लपक अंकित ने स्कोर 3-4 कर दिया। सौरव ने मिलन को लपका तो अयान ने डिफेंस में हाथ साफ करते हुए नीरज का शिकार कर स्कोर 4-6 कर दिया। इस बीच दिल्ली ने अयान को लपका और फिर अजिंक्य ने डू ओर डाई रेड पर अंक लेकर 10 मिनट की समाप्ति तक स्कोर 8-4 कर दिया।

अगली रेड पर नीरज ने हालांकि उन्हें रिवाइव करा लिया। फिर नीरज ने ही पटना को आलआउट की ओर धकेला और फिर सुरजीत ने हाफटाइम से ठीक पहले आलआउट लेते हुए दिल्ली को 19-10 की लीड दिला दी। ब्रेक के बाद दिल्ली ने लगातार दो अंक लेकर पकड़ मजबूत की। इस बीच सौरव ने अयान को लपक स्कोर 22-11 कर दिया। इस बीच अंकित ने डू ओर डाई रेड पर सौरव का शिकार कर लिया लेकिन अजिंक्य ने मिलन को आउट कर हिसाब बराबर किया।

दिल्ली का डिफेंस अयान को नहीं चलने दे रहा था लेकिन डिफेंस ने हाथ खोल दिए थे। नवदीप ने अजिंक्य को लपक लिया। पिछली रेड पर नीरज को आउट करने वाले अंकित ने अगली दो रेड पर सुरजीत और फजल को आउट कर स्कोर 16-25 कर दिया। फिर डिफेंस ने नीरज को लपक दिल्ली को सुपर टैकल की स्थिति में ला दिया। अंकित ने इसके बाद डू ओर डाई रेड पर संदीप का शिकार कर दिल्ली को आलआउट की ओर धकेला।

अंकित ने अगली रेड पर दो शिकार के साथ दिल्ली को आलआउट कर स्कोर 22-26 कर दिया। आलइन के बाद आशू ने नवदीप को बाहर किया। इस बीच अंकित ने बोनस लिया और फिर आशू ने दो अंक की रेड क साथ स्कोर 29-23 कर दिया। फिर अंकित के बोनस के बाद पटना के डिफेंस ने अजिंक्य को लपक फासला 5 का कर दिया। फिर अंकित ने सौरव का शिकार कर सुपर-10 पूरा किया। अगली रेड पर हालांकि वह लपक लिए गए। एक सेकेंड बचा था और दिल्ली के लिए अंतिम खिलाड़ी के तौर पर नीरज रेड पर गए और लपक लिए गए। इस तरह पटना ने दिल्ली की जीत का सिलसिला तोड़ दिया।

प्ररूप-13 नियम 13 (2) देखिए

प्राधिकृत अधिकारी कार्यालय नगरपालिका मण्डल, देवली (टोंक) राज.

क्रमांक न.पा.दे. / कृषि भूमि/2025-26/12937 दिनांक :-20/09/2025

लोक सूचना

अधोहस्ताक्षरी की जानकारी में यह लाया गया है कि नगरपालिका देवली के ड्राफ्ट मास्टर प्लान-2045 के पेराफेरी क्षेत्र में स्थित भूमि या उसके भाग का 31 दिसम्बर, 2021 से पूर्व की कालावधि से गैर-कृषिक प्रयोजनों के लिए उपयोग किया जा रहा है/किया गया है और इसलिए उक्त भूमि या उसके भाग में व्यक्तियों के अधिकार / हित राजस्थान भू-राजस्व अधिनियिम, 1956 की धारा 90-क की उप-धारा (8) के अधीन पर्यवसित किये जाने के दायी हैं।

क्र. सं.	राजस्व ग्राम का नाम	तहसील	खसरा सं.	सुओमोटो 90-क हेतु प्रस्तावित खसरे का रकबा (हैक्टर में)	मास्टर प्लान में दर्शित उपयोग	प्रचलित कॉलोनी का नाम
1	ऊंचा	जहाजपुर	1135/1	0.1862	आवासीय	श्यामनगर प्रथम
2	ऊंचा	जहाजपुर	1598/1133	1.6026	आवासीय	श्यामनगर प्रथम
3	ऊंचा	जहाजपुर	1668/1133	0.5747	आवासीय	श्यामनगर प्रथम
4	ऊंचा	जहाजपुर	1032	0.3318	आवासीय	श्यामनगर द्वितीय
5	ऊंचा	जहाजपुर	1039/2	0.4047	आवासीय	श्यामनगर द्वितीय
6	ऊंचा	जहाजपुर	1628/1133	0.9955	आवासीय	-
7	ऊंचा	जहाजपु	1024	0.0162	आवासीय	इन्द्रा कॉलोनी
8	ऊंचा	जहाजपुर	1025	0.3642	आवासीय	इन्द्रा कॉलोनी
9	ऊंचा	जहाजपुर	1028/1	0.2428	आवासीय	इन्द्रा कॉलोनी
10	ऊंचा	जहाजपुर	1606/1028	0.1457	आवासीय	इन्द्रा कॉलोनी
11	ऊंचा	जहाजपुर	1029	0.3885	आवासीय	इन्द्रा कॉलोनी
12	ऊंचा	जहाजपुर	1103/1	0.5423	आवासीय	ज्योति कॉलोनी के पास
13	ऊंचा	जहाजपुर	1594/1103	0.4856	आवासीय	ज्योति कॉलोनी के पास
14	ऊंचा	जहाजपुर	1154 (APART)		आवासीय	ज्योति कॉलोनी के पास
15	ऊंचा	जहाजपुर	1153 (APART)		आवासीय	ज्योति कॉलोनी के पास
16	ऊंचा	जहाजपुर	1151 (APART)		आवासीय	ज्योति कॉलोनी के पास
17	ऊंचा	जहाजपुर	1744/1169	0.9282	आवासीय	ज्योति कॉलोनी के पास
18	ऊंचा	जहाजपुर	1181	0.7365	आवासीय	जानकी नगर
19	ऊंचा	जहाजपुर	1629/1182	0.4047	आवासीय	जानकी नगर
20	ऊंचा	जहाजपुर	1171/3	0.2485	आवासीय	जैन मंदिर के पास ज्योति कॉलोनी
21	ऊंचा	जहाजपुर	1101	0.4290	आवासीय	गौतम आश्रम के सामने
22	ऊंचा	जहाजपुर	1103/3	0.2671	आवासीय	गौतम आश्रम के सामने
23	कुचलवाडा कलां	जहाजपुर	1	1.4083	आवासीय	-
24	कुंचलवाडा कलां	जहाजपुर	3	0.6232	आवासीय	-
25	कुंचलवाडा कला	जहाजपुर	4	0.5666	आवासीय	-
26	कुंचलवाडा कलां	जहाजपुर	5/1	0.3157	आवासीय	-
27	कुंचलवाडा कलां	जहाजपुर	5/2	0.1619	आवासीय	-
28	कुचलवाडा कला	जहाजपुर	6/1	0.4128	आवासीय	-
29	कुचलवाडा कला	जहाजपुर	6/3	0.6961	आवासीय	-
30	कुंचलवाडा कला	जहाजपुर	16	0.3561	आवासीय	-
31	कुंचलवाडा कला	जहाजपुर	18	0.9955	आवासीय	-

31 अतः उक्त भूमि में हित रखने वाले प्रत्येक व्यक्ति को इसके द्वारा सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 7 दिन के भीतर-भीतर कारण बतायें कि क्यों न उक्त भूमि पर उसके अधिकारों और हित को पर्यवसित कर दिया जाये और इसलिए क्यों न भूमि को राज्य सरकार में समस्त विल्लंगमों से मुक्त निहित किया जा सके। संबंधित खातेदार इस लोक सूचना को ही व्यक्तिगत तामिल समझे, यदि कोई आपत्ति हो, तो अपनी आपत्ति कि इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 7 दिन के भीतर इस कार्यालय में प्रस्तुत करें। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन 2025 (वर्ष) के सितम्बर (मास) के 20 दिन की जारी की जाती है।

प्राधिकृत अधिकारी
नगरपालिका देवली

बहला फुसला कर धर्मान्तरण कराने वालों पर कठोर कार्यवाही होगी - भजनलाल

बांसवाड़ा में प्रधानमंत्री के प्रस्तावित सभास्थल के निरीक्षण के बाद मुख्यमंत्री ने जनसभा की

बांसवाड़ा, (निसं), 20 सितंबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शहर के कुशलबाग मैदान में शहरी सेवा शिविर के अवलोकन के दौरान आमजन को संबोधित किया। भजनलाल शर्मा ने बताया कि राज्य सरकार ने धर्मान्तरण विधेयक पारित कर दिया है, जिससे बहला फुसलाकर धर्मान्तरण कराने वालों के विरूद्ध कठोर कार्यवाही की जा सके। इससे पूर्व शर्मा ने शिविर में

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने टीबी मरीजों को किट बांटे, प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वनिधी योजना व मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के लाभार्थियों को चैक सौंपे तथा मंगला पशु बीमा योजना के लाभार्थियों को बीमा पॉलिसी दी।

लगी स्टालों का अवलोकन किया।

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजस्थान को विकास की महत्वपूर्ण सौगातें दी हैं, जिनसे बांसवाड़ा-डूंगरपुर सहित संपूर्ण आदिवासी क्षेत्र में गरीब कल्याण एवं विकास की योजनाओं के माध्यम से स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर मिल रहे हैं और उनका जीवन स्तर भी बेहतर बन रहा है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के तहत, शिविरों में माताओं-बहनों की ब्लडप्रेशर, डायबिटीज और कैंसर सहित एनीमिया, टीबी और सिकल सेल जैसी बीमारियों की जांच भी की जा रही है। मुख्यमंत्री ने शहरी सेवा शिविर के लाभार्थियों से संवाद कर विभिन्न विभागों की स्टॉल्स पर योजनाओं की जानकारी भी ली।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को बांसवाड़ा के कुशलबाग मैदान में "शहरी सेवा" शिविर को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने लाभार्थियों से संवाद किया और विभिन्न विभागों की स्टॉल्स पर योजनाओं की जानकारी भी ली।

मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के तहत, टीबी मरीजों के परिजनों को निक्षय पोषण किट वितरित की। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, मुख्यमंत्री स्वनिधि योजना, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के लाभार्थियों को चैक भी सौंपे। साथ ही मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के लाभार्थियों को बीमा पॉलिसी तथा खाद्य सुरक्षा योजना के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र सौंपे।

मुख्यमंत्री, स्टॉलों के अवलोकन के दौरान, जब अधिकारियों से बातचीत कर रहे थे तो हाथों-हाथ लोगों ने फोटो और वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर प्रसारित करते हुए मुख्यमंत्री से वार्ता के लिये बधाईयां दी। पूर्व राज्यमंत्री धनसिंह रावत ने अपने उद्बोधन की शुरूआत में धर्मान्तरण विधेयक के लिये मुख्यमंत्री का आभार जताया वहीं उन्होंने नीमच-प्रतापगढ़ हाईवे को बांसवाड़ा होते हुए दाहोद से जोड़ने, शहीदी मानगढ़ धाम को राष्ट्रीय स्मारक का दर्जा दिलवाने, दानपुर क्षेत्र को सिंचित करने के लिये लिफ्ट योजनाएं बनवाने एवं स्थानीय लोगों को प्रशासनिक सेवाओं में अवसर दिलवाने के लिये कोटे में कोटा को लागू करवाने का आग्रह किया।

राजस्थान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के प्रावधानों को पूरी तरह से लागू करने के लिए कदम उठाए। वहीं, मुख्य सचिव भी एक्ट के प्रावधानुसार हर जिला स्तर पर प्राधिकृत अधिकारी नियुक्त करें। यह अधिकारी कलेक्टर या अपर कलेक्टर स्तर के हो सकते हैं। यह अफसर एक्ट की धारा 6 के प्रावधानों को लागू कराएंगे। खंडपीठ ने कहा कि हर जिले में उठाए गए कदमों की पालना रिपोर्ट आगामी सुनवाई 12 नवंबर से पहले अदालत में पेश की जाए। इसके अलावा, केन्द्र सरकार के अधिवक्ता भी एक रिपोर्ट पेश कर बताएंगे कि उन्होंने क्या कदम उठाए और कितनी वेबसाइटों को ब्लॉक किया है। सुनवाई के दौरान एडि. एसपी सीमा भारती ने कहा कि ई-सिगरेट को जब्त करने के लिए कुछ कदम उठाए गये हैं और केन्द्र सरकार की ओर से भी वेबसाइटों को ब्लॉक किया जा रहा है। इस पर खंडपीठ ने कहा कि ई-सिगरेट पर पूरी तरह से पाबंदी के लिए विस्तृत कार्य योजना बनाई जानी चाहिए। पीआईएल में ई-सिगरेट पर पूरी तरह से पाबंदी लगाए जाने और एक्ट 2019 के प्रावधानों को लागू करने की गुहार की गई है।

समुद्र ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इंजीनियरिंग की ऐतिहासिक उपलब्धि 4.8 किलोमीटर लंबे सुरंग खंड पर हासिल की गई है। इससे जुड़े इंजीनियरों के अनुसार घनसोली और शिलफाटा की ओर से एक साथ खुदाई का काम शुरु किया गया और दोनों तरफ से पानी के नीचे के हिस्से के भू भाग पर सुरंग का चुनौतीपूर्ण निर्माण किया जिसमें भारतीय इंजीनियरिंग को आज सफलता मिली है। रेलवे ने इस सफलता को ऐतिहासिक बताया और कहा कि भारत में समुद्र के नीचे सुरंग का यह पहला निर्माण है जो खाड़ी के अवरोध को तोड़कर मुंबई और ठाणे को जोड़ेगी।

'मुस्लिम अगर खर्च नहीं उठा सकते तो ज्यादा शादियां भी नहीं कर सकते'

केरल हाई कोर्ट ने एक मुस्लिम महिला की भरण पोषण याचिका पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की

तिरुअनंतपुरम, 20 सितंबर। केरल हाईकोर्ट ने एक मामले की सुनवाई करते हुए अहम टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि यदि कोई मुस्लिम पुरुष अपनी पत्नी का भरण-पोषण करने में सक्षम नहीं है तो उसे दूसरी या तीसरी शादी करने का कोई हक नहीं है, यहां तक कि, मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत भी।

कोर्ट ने ये टिप्पणी 39 साल की महिला की याचिका पर सुनवाई को दौरान की, जब उसने कोर्ट में अपने पति से 10 हजार रुपए मासिक गुजारा भत्ता मांगने के लिए याचिका दायर की, जो कि भीख मांगकर गुजारा करता है। महिला ने आरोप लगाया कि उसका 46 वर्षीय नेत्रहीन पति, जो भीख मांगकर अपना जीवन यापन करता है, उसे छोड़कर पहली पत्नी के साथ रह रहा है और अब तीसरी शादी करने की धमकी दे रहा है।

कोर्ट ने कहा कि यह सच है कि प्रतिवादी मुस्लिम समुदाय से है और वह अपने पारंपरिक कानून का लाभ उठा रहा है, जो, उसके अनुसार, उसे दो या तीन बार शादी करने की अनुमति देता है। जो व्यक्ति दूसरी या तीसरी पत्नी का भरण-पोषण करने में सक्षम नहीं है, वह मुसलमानों के पारंपरिक कानून के अनुसार भी दोबारा शादी नहीं कर सकता।

- महिला का पति नेत्रहीन है और भीख मांगता है उसने दो शादियां कर रखी हैं और तीसरी शादी करने की धमकी दे रहा है।
- कोर्ट ने कुरान की आयतों का हवाला दिया कि कोई व्यक्ति अगर अपनी एक से ज्यादा पत्नियों के साथ न्याय कर सकता है तभी एक से ज्यादा शादियां कर सकता है।

अदालत ने आगे कहा कि उस व्यक्ति की लगातार शादियां, जब वह केवल एक भिखारी था, मुस्लिम प्रथागत कानून के तहत भी स्वीकार नहीं की जा सकतीं।

अदालत ने कहा, "मुस्लिम समुदाय में इस तरह की शादियां शिक्षा की कमी और मुसलमानों के प्रथागत कानून की जानकारी के अभाव के कारण होती हैं। कोई भी अदालत किसी मुस्लिम व्यक्ति की पहली, दूसरी या तीसरी शादी को तब मान्यता नहीं दे सकती, जब वह अपनी पत्नियों का भरण-पोषण करने में असमर्थ हो और उसकी पत्नियों में से एक ने भरण-पोषण की मांग वाली याचिका दायर की हो।" कुरान की आयतों का हवाला देते हुए, अदालत ने कहा कि यह पवित्र ग्रंथ एक विवाह प्रथा का प्रचार करता है और बहुविवाह को केवल एक अपवाद मानता है। अदालत ने कहा, "अगर कोई मुस्लिम पुरुष अपनी पहली पत्नी, दूसरी पत्नी, तीसरी पत्नी और चौथी पत्नी को न्याय दे सकता है, तो एक से ज्यादा बार शादी करना जायज़ है।"

सुनवाई के दौरान, कोर्ट की अहम टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा, अधिकांश मुसलमान एक पत्नी व्रत का पालन करते हैं, जो कुरान की सच्ची भावना को दर्शाता है, जबकि केवल एक छोटा तबका ही बहुविवाह करता है, और कुरान की आयतों को भूल जाता है। अदालत ने कहा कि उन्हें धार्मिक नेताओं और समाज द्वारा शिक्षित किया जाना चाहिए।

अदालत ने निर्देश दिया कि उचित कार्रवाई के लिए उसके आदेश की एक प्रति समाज कल्याण विभाग के सचिव को दी जाए। "विभाग को प्रतिवादी को परामर्श प्रदान करना चाहिए, जिसमें धार्मिक नेताओं सहित, सक्षम परामर्शदाताओं की सहायता ली जाए।"

ट्रंप का एच-1बी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अध्ययनों द्वारा असमर्थित लगेगा, तो इसे रद्द किया जा सकता है। साथ ही, कांग्रेस भी यह दावा कर सकती है कि इतनी व्यापक नीति में बदलाव कार्यपालिका की शक्तियों के दायरे से बाहर है। व्यवसाय जगत ने इस निर्णय को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की है। तकनीकी दिग्गज और विदेशी इंजीनियरों पर निर्भर अमेरिकी कंपनियाँ चेतावनी दे रही हैं कि यह कदम नवाचार को बाधित करेगा, संचालन को विदेशों में ले जाएगा और अमेरिका की वैश्विक प्रतिस्पर्धा में बढ़त को कमज़ोर करेगा।

भारत, जो एच-1बी वीज़ा धारकों का 70 प्रतिशत से अधिक हिस्सा रखता है, इस निर्णय से सबसे अधिक प्रभावित होगा। भारत के आईटी सेवा और आउटसोर्सिंग क्षेत्र को अब भारी लागत का सामना करना पड़ेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि यह निर्णय कानूनी रूप से टिकाऊ नहीं है। अतीत में, वीज़ा शुल्क में कोई भी बदलाव हमेशा दस्तावेज़ी प्रशासनिक खर्चों से जुड़ा रहा है, न कि किसी दंडात्मक मूल्य निर्धारण से। जब तक ट्रंप प्रशासन विश्वसनीय तरीके से यह साबित नहीं करता कि यह 100,000 डॉलर शुल्क वास्तव में वीज़ा आवेदन की जाँच की लागत को दर्शाता है, तब तक अदालतों द्वारा इसे अधिकारों का दुरुपयोग माने जाने की संभावना है।

फिलहाल, इस घोषणा से अमेरिकी आव्रजन नीति (इमिग्रेशन पॉलिसी) में भारी अनिश्चितता पैदा हो गई है। अमेरिकी कंपनियों और हजारों उन विदेशी पेशेवरों के लिए, जो एच-1बी कार्यक्रम को दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में प्रवेश का मार्ग मानते हैं, यह एक बड़ा झटका है।

चपरासी भर्ती ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

झाझरिया (25) निवासी खंडेला जिला सीकर है और जो मुरलीपुरा जयपुर इलाके की आईएएस कॉलोनी में परिवार के साथ रहता है। उसने बीटेक (इंजीनियरिंग) कर रखी है। राजस्थान चतुर्थ श्रेणी भर्ती परीक्षा में उसका अशोक नगर स्थित महात्मा गांधी सरकारी स्कूल में परीक्षा सेंटर आया था। वह तमाम सुरक्षा इंतजाम को चकमा देकर सेंटर के भीतर डिवाइस ले जाने में कामयाब रहा।

थानाधिकारी ने बताया कि पहली पारी में परीक्षा देने पहुंचा आरोपी रवि अंडरगारमेंट में स्मार्ट वॉच छिपाकर ले गया। परीक्षा के दौरान सुबह करीब 10:30 बजे उसने स्मार्ट वॉच के कैमरे से प्रश्न पत्र की फोटो खींचकर वॉट्सऐप के जरिए सेंटर से बाहर भेजी। उसकी संदिग्ध हरकतों को देखकर परीक्षा हॉल में मौजूद केन्द्र अधीक्षक को शक हुआ। बार-बार पूछने के बावजूद, अभ्यर्थी किसी भी डिवाइस के होने से इनकार करता रहा। लेकिन जब केन्द्र पर मौजूद पुलिस और केन्द्र अधीक्षक ने पूछताछ की तो आरोपी घबरा गया। इसके बाद जब अभ्यर्थी रवि कुमार झाझड़िया की तलाशी ली गई तो अंडरगारमेंट में स्मार्ट वॉच मिली। शुरुआती पूछताछ में अभ्यर्थी का कहना है कि उसने सोचा कि गूगल पर कठिन सवाल डालकर, उसके उत्तर हासिल कर लेगा। लेकिन उसे इसका मौका नहीं मिला। जांच में साफ हो गया कि उसने प्रश्नपत्र बाहर भेजा है। पुलिस ने आरोपी रवि को तुरंत राउंड-अप कर स्मार्टवॉच और वाट्सएप पर भेजे पेपर के बारे में पता कर उसके घर पर मिले मोबाइल को भी जब्त कर किया। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई और साथ ही उसका मेडिकल टेस्ट भी कराया जाएगा।

'विश्व में हमारा एक ही शत्रु है, वह है दूसरे देशों पर निर्भरता'

प्रधानमंत्री मोदी ने भावनगर में एक सभा में कांग्रेस सरकारों पर आरोप लगाया कि वो आज़ादी के बाद देश की औद्योगिक व व्यापारिक संभावनाओं को बढ़ा नहीं पाईं

नई दिल्ली, 20 सितंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को गुजरात के भावनगर पहुंचे। यहां पीएम मोदी ने 'समुद्र से समृद्धि' कार्यक्रम में भी हिस्सा लिया और 34,200 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इसके बाद पीएम मोदी एक जनसभा को संबोधित किया और कहा, भारत आज विश्वबंधुत्व की भावना से आगे बढ़ रहा है। दुनिया में हमारा कोई बड़ा दुश्मन नहीं है। सच्चे अर्थ में अगर हमारा कोई दुश्मन है तो वो है, दूसरे देशों पर हमारी निर्भरता...। यही हमारा सबसे बड़ा दुश्मन है और हमें मिलकर भारत के इस दुश्मन को हराना ही होगा।

- प्र.मंत्री ने कहा, पहले तो कांग्रेस सरकारों ने लाइसैंस राज में उलझाया, जिसने देश को दशकों तक अंतर्राष्ट्रीय बाजार से दूर कर दिया और फिर उदारीकरण के दौर में आयात पर जरूरत से ज्यादा निर्भरता रखी गई।
- प्रधानमंत्री ने कहा, दूसरों पर निर्भर रहने से आत्म सम्मान आहत होता है। सौ दुःखों की एक दवा है, आत्म निर्भरता।

जितनी ज्यादा विदेशी निर्भरता... उतनी ज्यादा देश की विफलता। विश्व में शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए... दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देश को आत्मनिर्भर बनना ही होगा। 140 करोड़ देशवासियों के भविष्य को हम दूसरों पर या उनकी निर्भरता पर नहीं छोड़ सकते। भावी पीढ़ी के भविष्य को दांव पर नहीं लगाया जा सकता है। सौ दुखों की एक ही दवा है और वह है आत्मनिर्भर भारत, इसलिए हमें चुनौतियों से टकराना होगा और भारत को आत्मनिर्भर बनकर दुनिया के सामने खड़ा होना होगा।

कांग्रेस पर निशाना साधते हुए पीएम मोदी ने कहा कि भारत में सामर्थ्य की कोई कमी नहीं है, लेकिन आज़ादी के बाद कांग्रेस ने भारत के हर सामर्थ्य को नजरअंदाज किया, इसलिए आजादी के 6-7 दशकों बाद भी भारत वो सफलता हासिल नहीं कर पाया, जिसके हम हकदार थे। इसके दो बड़े कारण रहे- लंबे समय तक कांग्रेस सरकार ने देश को लाइसेंस कोटा राज में उलझाए रखा, दुनिया के बाजार से अलग-थलग रखा। कांग्रेस सरकार की नीतियों ने देश के नौजवानों का बहुत नुकसान किया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, 2047 तक हमें विकसित होना है तो भारत को आत्मनिर्भर होना ही होगा... इसके अलावा कोई विकल्प नहीं है। 140 करोड़ देशवासियों का एक ही संकल्प होना चाहिए- चिप हो या शिप..., हमें भारत में ही बनाने होंगे। इसी सोच के साथ आज भारत समुद्री क्षेत्र में भी नेक्स्ट जेनरेशन रिफॉर्म करने जा रहा है। इसी सोच के साथ वन नेशन, वन डॉक्यूमेंट और वन नेशन, वन पोर्ट प्रोसेस लागू किया जाना है। भारत को सबसे बड़ी समुद्री शक्ति बनाने के लिए तीन बड़ी योजनाओं पर काम चल रहा है और आने वाले वर्षों में इस पर 70 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च किए जाएंगे। देश के समुद्री क्षेत्र को मजबूती देने के लिए एक बहुत ऐतिहासिक निर्णय हुआ है... अब सरकार ने बड़े जहाजों को इंफ्रास्ट्रक्चर के रूप में मान्यता दे दी है।

अलविदा मिग-21, 26 सितम्बर को होगी विदाई

नयी दिल्ली, 20 सितम्बर। छह दशक से भी लंबे समय तक भारत की हवाई सीमाओं के प्रहरी रहे और 1965 की लड़ाई से लेकर अभी तक के सभी छोटे-बड़े सैन्य अभियानों में शौर्य और पराक्रम की गाथा लिखने वाले मिग-21 यानी मिकोयान-गुरेविच-21 लड़ाकू विमान को आगामी 26 सितम्बर को वायु सेना अलविदा कहने जा रही है। पिछले दशक तक भारतीय वायु सेना की रीढ और उसके लड़ाकू विमान के बेड़े की

- भारतीय वायुसेना ने एक्स पर जानकारी दी कि चंडीगढ़ एयरबेस से मिग-21 की विदाई होगी

शान रहा यह विमान सैन्य विमानन के क्षेत्र में शौर्य और पराक्रम की छह दशक से भी लंबी ऐसी विरासत छोड़ जायेगा जिसे भूला पाना नामुमकिन होगा। मिग-21 ने अपनी ताकत, फुर्ती और सटीक हमलों से भारतीय वायु सेना की मारक क्षमता और उसकी शक्ति को नया आयाम दिया।

वायु सेना ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में मिग-21 विमान लड़ाकू विमान को आगामी 26 सितम्बर को अपने बेड़े से विदा करने का ऐलान किया। वायु सेना ने कहा है कि इस लड़ाकू विमान ने अपनी ताकत और पराक्रम से राष्ट्र के गौरव को आसमान तक पहुंचाया।

अभिनेता मोहनलाल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शनिवार को बताया कि दादा साहब फाल्के पुरस्कार चयन समिति की सिफारिश पर मोहनलाल को यह पुरस्कार दिया जायेगा। उन्हें यह सम्मान मंगलवार को 71वें राष्ट्रीय फ़िल्म पुरस्कार समारोह में प्रदान किया जायेगा। मोहनलाल ने अपने साढ़े चार दशक के सिने करियर में 350 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया है। वह सिर्फ मलयालम ही नहीं बल्कि तमिल, तेलुगू और हिंदी फिल्मों में भी अपनी अदाकारी का जादू बिखेर चुके हैं। उन्हें पांच बार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और पद्म भूषण जैसे सम्मानों से भी नवाजा गया है। भारतीय सेना भी उन्हें ऑनरेरी लेफ्टिनेंट कर्नल का पद देकर सम्मानित कर चुकी है, जो किसी भी अभिनेता के लिए गौरव की बात है।

मोहनलाल ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत 1980 में फिल्म मंजिल विरिंजा पूक्कल से की थी। यह फिल्म भले ही एक रोमांटिक ड्रामा थी, लेकिन मोहनलाल ने इसमें विलेन की भूमिका निभायी थी। उनके अभिनय को इस कदर सराहा गया कि उन्हें लगातार निगेटिव रोल मिलने लगे, लेकिन एक सच्चा कलाकार कभी एक ही फ्रेम में नहीं बंधता।कुछ सालों के भीतर उन्होंने अपने किरदारों की विविधता दिखाते हुए कॉमेडी, ड्रामा और एक्शन जैसी शैलियों में खुद को साबित किया।

ईडी को मो. सादिक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संदिग्ध है। हालांकि, उसके पास कोई वैध और पर्याप्त व्यक्तिगत आय नहीं पाई गई, फिर भी उसने पिछले कुछ सालों में बांग्लादेश, ईरान, ओमान, नेपाल, कतर आदि कई देशों की कई बार यात्राएं कीं और इन देशों में लंबे समय तक रहा। तलाशी के दौरान बांग्लादेश में एक एनजीओ को वित्तीय सहायता देने के साक्ष्य भी बरामद किए गए हैं। ईडी के अधिकारियों ने बताया है कि 3 जनवरी 2022 को कोटगेट थाने में मुकदमा दर्ज हुआ था। ईडी को सादिक के खिलाफ डिजिटल साक्ष्य भी मिले हैं। सोशल मीडिया के माध्यम से कट्टरपंथी और भड़काऊ सामग्री प्रसारित करने में सादिक की संलिप्तता पाई गई है। इसमें इज़रायली झंडे को जलाने के वीडियो भी शामिल हैं। इसके पीछे उसका उद्देश्य सहानुभूति प्राप्त कर अवैध गतिविधियों के लिए धन जुटाना था।

जयपुर सेंट्रल जेल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शिफ्ट में इन प्रहरियों की अलग-अलग प्वॉइंट्स पर ड्यूटी थी। परंतु गश्त के दौरान हुई लापरवाही का फायदा उठाकर दोनों कैदी जेल से भाग निकले थे। पुलिस महानिदेशक जेल (डीजी) गोविंद गुप्ता ने पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) जेल विक्रम सिंह को उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए हैं। जेल विभाग के आला अधिकारी पूरे मामले की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। पुलिस जानकारी में सामने आया कि बंदी अनस चोरी के अलावा घर में घुसपैठ के तीन मामलों में सजा काट रहा था और वहीं नवल किशोर चोरी के 7 मामलों में आरोपी है। उस पर अन्य कैदियों के साथ मिलकर साजिश करने का आरोप भी है। यह घटना दिखाती है कि दोनों बदमाशों ने सेंट्रल जेल से भागने की पूरी साजिश पहले से ही रच रखी थी। जेल के अंदर सुरक्षा-बैरिकेड्स और उन पर तैनात जेल प्रहरियों को चकमा देते हुए पानी का पाइप चुराया। इसके बाद इस पाइप की मदद से 27 फीट ऊंची दीवार फांदकर और हाईटेंशन बिजली के तारों से बच कर निकल भागे।

दिल्ली के कई स्कूलों को फिर बम की धमकी

नयी दिल्ली, 20 सितंबर। राष्ट्रीय राजधानी में शनिवार सुबह फिर एक बार फिर कई स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। धमकी सुबह करीब साढ़े नौ बजे फोन कॉल्स और संदेशों के माध्यम से मिली, जिसके तुरंत बाद पुलिस को सूचना दी गई।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि धमकी पाने वाले स्कूलों में डीपीएस द्वारका, कृष्णा मॉडल पब्लिक स्कूल, सर्वोदय विद्यालय और सर्वोदय को-एड सीनियर सेकेंडरी स्कूल, कुतुब मीनार (महरौली) शामिल हैं। कुछ रिपोर्टों में यह भी सामने आया है कि नजफगढ़ इलाके के स्कूलों को भी धमकी की कॉल प्राप्त हुईं। सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस, बम निरोधक दस्ता, फायर ब्रिगेड और स्वान दस्ता मौके पर पहुंच गई।

ट्रंप ने भारतीय प्रोफैशनल्स पर सर्विस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पर प्रभावित हो सकते हैं।

यह ताज़ा झटका ट्रंप द्वारा भारत पर लगाए गए कुल 50 प्रतिशत भेदभावपूर्ण टैरिफ के बाद आया है। डॉनल्ड ट्रंप ने भारतीय निर्यात पर 25 प्रतिशत का मनमाना "रैसिप्रोकल टैरिफ" लगाया था और बाद में भारत द्वारा रूसी कच्चा तेल और ऊर्जा उत्पादों का निरंतर आयात करने पर 25 प्रतिशत का एक और टैरिफ लगा दिया है।

हालाँकि, डॉनल्ड ट्रंप की हिम्मत नहीं हुई, रूसी कच्चा तेल आयात करने पर चीन पर ऐसा ही टैरिफ लगाने की। वास्तव में, चीन द्वारा रूसी तेल का आयात, भारतीय आयात से कहीं अधिक है।

भारत के प्रति भेदभाव को और स्पष्ट करने के लिए, ट्रंप ने रूसी कच्चे तेल और ऊर्जा उत्पादों के आयात के लिए अपने यूरोपीय सहयोगियों की आलोचना की है, लेकिन उन पर सैकेण्डरी सैंक्शन लगाने का साहस नहीं दिखाया है। इसके बजाय, उन्होंने यूरोपीय देशों से भारत और चीन पर हायर सैकेण्डरी टैरिफ लगाने के लिए जोर डाला है।

असल में ट्रम्प के ऐसे निरंकुश और मनमाने फैसले यह दर्शाते हैं कि ट्रम्प के शासन में अमेरिका के साथ किसी समझौते की उम्मीद करना मूर्खतापूर्ण है और बेहतर है कि समय बीतने का इंतज़ार किया जाए।

लेकिन सबसे पहले, इस नए कदम का सीधा असर उन भारतीय कंपनियों पर पड़ेगा, जिनके पास बड़ी अमेरिकी कंपनियों के साथ कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर से लेकर ऑपरेशनल सेवाओं के बड़े कॉन्ट्रैक्ट हैं। यह सर्वविदित है कि एच-1बी वीज़ा का 70 प्रतिशत से अधिक हिस्सा भारतीय प्रोफेशनल्स को ही मिलता रहा है, जो अमेरिकी कंपनियों और भारतीय सेवा प्रदाताओं, दोनों के लिए काम करते हैं।

इन नई शर्तों के कारण भारतीय सेवा कंपनियों, मुख्यतः टी.सी.एस., विप्रो, टैक महिन्द्रा, इन्फोसिस और कई अन्य कंपनियों को तुरंत अपने कामकाज को भारत में वापस लाने की ज़रुरत पड़ेगी। इसके अलावा, कई अमेरिकी टैक्नॉलजी दिग्गजों को भी भारत में अपने ऑपरेशन्स को बढ़ाना होगा, जहाँ उनका काम भारत और अन्य देशों के प्रोफैशनल कर रहे हैं।

असल में यह नया नियम अमेरिका को दी जाने वाली भारत की सेवाओं पर सीधा टैक्स है। अब तक इस पर टैक्स लगाने की चर्चा तो होती रही थी, लेकिन सीधे कर नहीं लगाया गया था। अब, जबकि अमेरिका ने अप्रत्यक्ष रूप से ऐसा कर दिया है तो भारत को भी अमेरिकी सेवाओं के भारतीय आयात पर कर लगाना चाहिए।

अब समय आ गया है कि भारत चुप नहीं बैठे, बल्कि अमेरिका से आने वाले महंगे आयात, जैसे विमान, पर शुल्क लगाए और विमान जैसे बेहद महंगे आयातों को प्रतिद्वंद्वी स्रोतों से आयात करने से भी दूर रहे। इस प्रकार, बोइंग विमानों के बजाय, भारतीय एयरलाइन ऑपरेटरों को बोइंग के यूरोपीय प्रतिद्वंद्वी, यानी एयरबस इंडस्ट्रीज, की ओर रुख करने के लिए कहा जाना चाहिए।

दूसरी ओर, इस कदम को भारत के आईटी क्षेत्र और ज्ञान आधारित गतिविधियों के स्थायी पुनर्गठन के संकेत के रूप में लिया जाना चाहिए। विदेशों में काम करने की कोशिश करने के बजाय, भारतीयों को देश में ही काम करने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए।

अमेरिका में काम करने वाले प्रौफेशनल्स के रास्ते में आने वाली कठिनाइयों को, देश में इन प्रतिभाओं को आकर्षित करने के एक अवसर के रूप में लिया जाना चाहिए। इस उद्देश्य के लिए, उच्च तकनीक और ज्ञान आधारित उद्योगों के लिए जरूरी ढांचा और माहौल देश के अंदर जल्द से जल्द तैयार करना होगा, ताकि ये प्रतिभाएं यहीं काम कर सकें। एक तरह से, यह होना ही है, क्योंकि अमेरिका से विस्थापित पेशेवरों को कुछ फलदायी और संतोषजनक नौकरियों और अवसरों की तलाश करनी होगी। ये लोग भारत में इनोवेशन बेस्ड इण्डस्ट्रीज के विकास और वृद्धि के लिए जरूरी, नई ऊर्जा और जोश लेकर आएंगे।

इस देश के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों और संस्थानों के प्रतिभाशाली छात्र, जो अब तक अमेरिका जाते रहे हैं, उन्हें अपने जीवन पर पुनर्विचार करना होगा और सोचना होगा कि वे अपनी धरती पर ही अपने करियर को कैसे आगे बढ़ा सकते हैं। दूसरी ओर, सरकार को इन प्रतिभाशाली युवाओं को अपने देश में ही बेहतर, फलने-फूलने के लिए उपयुक्त वातावरण और सुविधाएँ प्रदान करनी होंगी।

इसका दूसरा असर यह होना चाहिए कि भारत ग्लोबल इनोवेशन हब के रूप में उभरे। वर्ल्ड इन्टलैक्चुअल प्रॉपर्टी ऑर्गनाइज़ेशन (डब्ल्यूआईपीओ) द्वारा तैयार एक सूचकांक के अनुसार, भारत पहले से ही नवाचार के लिए चिह्नित देशों में से एक है। इसे और आगे बढ़ाने और विकसित करने के लिए, आवश्यक सुविधाएँ और वातावरण तैयार करना होगा।

लेकिन इस नए शुल्क का सबसे बड़ा व्यक्तिगत झटका उन भारतीय कामगारों को लगेगा, जो वर्षों से अमेरिका में काम कर रहे हैं और वहीं बस चुके है, भले ही वे अमेरिकी नागरिक न बने हों। उनकी पूरी जिंदगी उखड़ जाएगी और उन्हें दोबारा अन्यत्र बसना पड़ेगा।

बंगाल में उद्योग ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कम्युनिस्ट मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य ने राज्य के औद्योगिक पुनरुद्धार के लिए की थी। लेकिन तृणमूल कांग्रेस के शासन में भी स्थिति बदली नहीं। कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय के अनुसार, 2011 से 2025 के बीच 6600 कंपनियां, जिनमें से 110 सूचीबद्ध कंपनियां थीं, राज्य छोड़ चुकी हैं।

इस स्थिति को और जटिल बना दिया है कानून-व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति और अवैध घुसपैठ की बढ़ती समस्या ने। हज़ारों मज़दूर, जो अपनी नौकरियाँ खो चुके हैं, आज सरकारी सहायता पर निर्भर हैं।

ऐसे संकट में सरकार से आक्रामक औद्योगिक प्रोत्साहन नीति की उम्मीद थी, पर उद्योगों को मिला विश्वासघात। आर्थिक सिद्धांत कहता है कि प्रोत्साहन योजनाएं बाजार की विफलताओं के समय आर्थिक वृद्धि को प्रोत्साहित करने के लिए आवश्यक होती हैं - विशेष रूप से तब, जब श्रम समस्याएं, सामाजिक अशांति और कानून-व्यवस्था की चुनौतियाँ सामने हों, जैसा कि पश्चिम बंगाल में स्पष्ट रूप से हो रहा है।

केन्स के आर्थिक सिद्धांत के अनुसार, मंदी के समय सरकार को सक्रिय हस्तक्षेप करना चाहिए। यही विचारधारा ग्रेट डिप्रेशन के समय कारगर साबित हुई थी और 2008 के वैश्विक आर्थिक संकट में पुनः सुर्खियों में आई। वर्तमान समय में, जब राज्य की अर्थव्यवस्था पर अंधेरे, बादल मंडरा रहे हैं, तब पश्चिम बंगाल सरकार ने प्रोत्साहन देने की बजाय, प्रोत्साहन हटा दिए, यह न केवल अजीब निर्णय है, बल्कि आत्मघाती भी।

एक अध्ययन में यह पाया गया कि जिन कंपनियों को सब्सिडी मिली थी, वे 61.3 प्रतिशत अधिक प्रोडक्टिव थीं। इससे यह साबित होता है कि औद्योगिक प्रोत्साहन नीतियाँ वास्तव में दीर्घकालिक लाभ देती हैं। अमेरिका में भी, राज्य और स्थानीय सरकार हर साल 30 बिलियन डॉलर्स व्यवसायिक टैक्स प्रोत्साहनों पर खर्च करती हैं। यह राजकोषीय गुणक की तरह काम करता है, सरकार द्वारा दिए गए एक रुपये से, दो रुपये से अधिक का लाभ होता है।

भारत सरकार भी निवेश आकर्षित करने के लिए प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव योजना चला रही है, जिसकी कुल लागत 1.97 लाख करोड़ है। इस योजना के तहत अभी तक 1.76 लाख करोड़ का निवेश साकार हुआ है और बड़े पैमाने की इलेक्ट्रॉनिक्स में विदेशी पूँजी निवेश में 254 प्रतिशत वृद्धि हुई है। जहाँ केन्द्र सरकार विदेशी पूँजी निवेश और औद्योगिक निवेश बढ़ाने के लिए आक्रामक प्रयास कर रही है, वहाँ पश्चिम बंगाल सरकार, भारत की विकास यात्रा में बाधाएं खड़ी करने में कोई कसर नहीं छोड़ रही।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908